रांची, मंगलवार
09.12.2025
वर्ष : 11, अंक : 09 पृष्ठ : 12
मूल्य : दो रूपए

बिहान भारत

रांची से प्रकाशित हिन्दी दैनिक
खबरे हमारी, विश्वास आपका

website : www.bihanbharat.org | bihanbharat@gmail.com | @bihan_bharat | Bihan Bharat | @bihanbharat | RNI NO - JHAHIN/2015/73988

संक्षिप्त खबरें

जेएसएससी ने स्नातक स्तरीय संयुक्त प्रतियोगिता परीक्षा-2023 का परिणाम जारी किया

रांची : झारखंड कर्मचारी चयन आयोग (जेएसएससी) ने झारखंड सामान्य स्नातक योग्यताधारी संयुक्त प्रतियोगिता परीक्षा-2023 का अंतिम परिणाम जारी कर दिया है. यह प्रकाशन झारखंड उच्च न्यायालय, रांची के आदेश के अनुपालन में किया गया है, जिसमें आयोग को फाइनल रिजल्ट प्रकाशित करने और राज्य सरकार को सफल अभ्यर्थियों की नियुक्ति प्रक्रिया पूरी करने का निर्देश दिया गया था. आयोग ने विभिन्न पदों के लिए सफल अभ्यर्थियों की सूची जारी कर दी है. साथ ही, कुछ अभ्यर्थियों का परिणाम एसआईटी की अंतिम जांच के अधीन रखा गया है, जिसके भविष्य के निष्कर्षों के आधार पर आगे की कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी.

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू 29 को जमशेदपुर आयेंगी

जमशेदपुर। ओलचिकी लिपि के शताब्दी वर्ष पर जमशेदपुर में आयोजित कार्यक्रम के समापन समारोह में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू बतौर मुख्य अतिथि शामिल होंगी। समापन समारोह 29 दिसंबर को है। राष्ट्रपति समारोह में शामिल होकर संथाली साहित्यकारों को सम्मानित करेंगी। यह आयोजन जमशेदपुर के परसुडीह थाना क्षेत्र अंतर्गत करनडीह जाहेरथान परिसर भवन में होगा। 22वां संथाली भाषा दिवस 22 से 29 दिसंबर तक चलेगा। समारोह दिल्ली, बंगाल, ओड़िशा, असम और झारखंड में मनाया जायेगा।

रिटायर्ड बैंक अधिकारी से 51 लाख की ठगी

कोडरमा। जिला मुख्यालय कोडरमा निवासी और सेवानिवृत्त बैंक अधिकारी से 51 लाख रुपये की ठगी कर ली गयी है। साइबर फ्रॉड के इस मामले में बैंक ऑफ इंडिया से रिटायर्ड सुरेश प्रसाद गुप्ता से यह कहकर कि आपके नाम से खुले नए खाता से अवैध लेनदेन और मनी लॉन्ड्रिंग हुआ है, उन्हें पत्नी समेत पूरे दो दिन तक ऑनलाइन हाउस अरेस्ट कर-के रखा गया और फिर फर्जी कोर्ट, अधिकारी, वकील दिखाकर मध्य प्रदेश के एक अकाउंट में 51 लाख रुपये ट्रांसफर करा लिए। बाद में इनके जरिये कोडरमा थाना में मामला दर्ज कराया गया। थाना को दिए आवेदन में सुरेश प्रसाद गुप्ता ने कहा है कि उन्हें मोबाइल से आयशा पटेल ने फोन कर बताया कि मेरे आधारकार्ड से नया मोबाइल लिया गया है। इस मोबाइल नम्बर से केनरा बैंक दिल्ली में अकाउंट खोला गया है, जिसमें अवैध लेनदेन एवं मनी लॉन्ड्रिंग हुआ है। उन्हें बताया गया कि नरेश गोयल के साथ मिलकर दो महीने में 6.50 करोड का लेनदेन व मनी लॉन्ड्रिंग किया है। उसके बाद मोबाइल से यह बोला गया कि दिल्ली पुलिस तथा सीबीआई अधिकारी विजय खन्ना एवं सीबीआई एसपी समाधान पवार के द्वारा हाउस अरेस्ट पर रखा गया है।

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने दिए निर्देश, नगर विकास मंत्री ने निर्माण प्रक्रिया शुरू करने का आदेश

रांची के तीनों बस टर्मिनल 48.72 करोड़ की लागत से बनेंगे आकर्षक

बिभा संवाददाता

रांची। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने शहरीकरण के कार्यों में तेजी लाने के क्रम में इन सभी टर्मिनलों के आधुनिकीकरण, नवीनीकरण और जीर्णोद्धार का निर्देश दिया है। इसी क्रम में राजधानी रांची के तीनों प्रमुख बस टर्मिनलों, आइटीआई बस स्टैंड, सरकारी बस डिपो और बिरसा मुंडा बस टर्मिनल खादगढ़ा का कायाकल्प अब राष्ट्रीय मानकों के अनुरूप किया जाएगा। इस कार्य को आरंभ करने के लिए विभागीय मंत्री सुदिव्य कुमार के निर्देश पर निविदा भी निकाली गयी है। उन्होंने विभागीय प्रधान सचिव सुनील कुमार को जुडको के माध्यम से निविदा के शीघ्र निष्पादन का निर्देश दिया है।

ज्ञातव्य हो कि मुख्यमंत्री के निर्देश पर नगर विकास एवं आवास मंत्री सुदिव्य कुमार ने कुल 48.72 करोड़ रुपये की स्वीकृति पहले ही दे चुके है। इसमें आइटीआई बस स्टैंड के लिए 24.77 करोड़, सरकारी बस डिपो के लिए 20.19 करोड़ और बिरसा मुंडा बस स्टैंड के लिए 3.76 करोड़ रुपये की मंजूरी दी गयी है है।

प्रधान सचिव सुनील कुमार ने जुडको को निर्देश दिया है कि तीनों बस टर्मिनलों के टेंडर शीघ्र निष्पादन कर कार्य जल्द प्रारंभ किया जाए ताकि इन परियोजनाओं के पूर्ण होने के बाद रांची के बस टर्मिनल राज्य में ही नहीं, बल्कि राष्ट्रीय स्तर के मॉडल स्टैंडर्ड पर नजर आएंगे। जहां यात्रियों को सुरक्षा, स्वच्छता और आधुनिक सुविधाओं का बेहतर अनुभव मिलेगा।

आइटीआई बस स्टैंड बनेगा अत्याधुनिक एवं आकर्षक

वर्तमान में यात्रियों के लिए न्यूनतम सुविधाओं वाले इस बस स्टैंड को आधुनिक रूप में विकसित किया जाएगा। यह तीन एकड़ क्षेत्रफल में बनेगा, जिसमें 2330 वर्गमीटर ग्राउंड फ्लोर और 880 वर्गमीटर प्रथम तल पर टर्मिनल भवन होगा।बसों के परिचालन के लिए 13 बस वे बनाया जाएगा। 35 बसों के लिए स्टैंड बाई पार्किंग की सुविधा रहेगी। भूतल पर ड्राइवर कैंटीन, मेंटेनेंस शेड, गार्ड रूम, स्लाइडिंग प्रवेश द्वार, वातानिकुलित प्रतीक्षालय, कार, फूड कियोस्क, परिवहन कार्यालय , कैफेटेरिया, ,महिला एवं पुरुष शौचालय ,ऑटो और ई-रिक्शा पार्किंग की सुविधा होगी। प्रथम तल पर रेस्टोरेंट, प्रशासनिक भवन, टिकट काउंटर, 4 डॉरमेट्री, लॉकर युक्त गेस्ट रूम तथा हरियाली के लिए लैंडस्केपिंग की व्यवस्था रहेगी। प्रति दिन 416 बसों का परिचालन सुनिश्चित किया गया है।

सरकारी बस डिपो का होगा पुनर्निर्माण एवं जीर्णोधार

साल 1962 से 1970 के बीच बना सरकारी बस डिपो डिपो अब जर्जर अवस्था में है। मुख्यमंत्री के निर्देश पर इसे 20.19 करोड़ रुपये की लागत से इंडियन रोड कांग्रेस के मानकों के अनुसार पुनर्निर्मित किया जाएगा। पुराने भवन को तोड़ कर नया टर्मिनल भवन बनाया जायेगा। नए भवन में 1771 वर्गमीटर ग्राउंड फ्लोर और 845 वर्गमीटर प्रथम तल में सुविधाएं विकसित होंगी। यहां गार्ड रूम, मेंटेनेंस क्षेत्र ,कैंटीन का प्रावधान रहेगा क टर्मिनल बिल्डिंग में ट्रांजिट यात्रियों के लिए डॉरमेट्री, गेस्ट रूम, प्रतीक्षालय, फूड कियोस्क, शेडयुक्त बस वे, टिकट काउंटर ,परिवहन प्रबंधन कार्यालय, हेल्प डेस्क, 12 फूड कियोस्क, कैफेटेरिया, रेस्टोरेंट, शौचालय तथा स्लाइडिंग गेट, कार व ऑटो स्टैंड जैसी सुविधाएं होंगी। आठ बस वे के जरिये रोजाना लगभग 512 बसों का परिचालन होगा।

बिरसा मुंडा बस टर्मिनल खादगढ़ा का होगा जीर्णोद्धार

वर्तमान ढांचे को बरकरार रखते हुए बिरसा मुंडा बस टर्मिनल खादगढ़ा बस स्टैंड को 3.76 करोड़ रुपये की लागत से और अधिक सुविधाजनक बनाया जाएगा। 11.6 एकड़ में फैले इस परिसर में 31 बस वे, 89 बसों व 70 कारों के लिए पार्किंग, स्मार्ट शेड, 50 बेड की डॉरमेट्री, रेस्टरूम, स्नानागार, गेस्टहाउस, हाइमास्ट लाइट, बाउंड्री वाल और महिला सुरक्षा की विशेष व्यवस्था की जाएगी। टेरेस एरिया की वाटर प्रूफिंग, पुराने टर्मिनल भवन का नया प्लास्टर एवं पेंटिंग, क्षतिग्रस्त टाइल्स का बदलाव, सभी वाटर टैप का परिवर्तन, सीसीटीवी, नए फर्निचर दो हाई वालूम, लो स्पीड फैन लगाये जायेंगेकपरिसर का लैंडस्केपिंग और सौंदर्यीकरण भी किया जाएगा।

कैबिनेट : राज्य सरकार अब 2450 रुपए प्रति क्विंटल की दर से खरीदेगी धान

बिभा संवाददाता

रांची। झारखंड सरकार की कैबिनेट बैठक में सोमवार को 33 महत्वपूर्ण प्रस्तावों को मंजूरी दी गई। इस बैठक की अध्यक्षता मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने की। बैठक में धान खरीद दर से लेकर अवकाश, मेला-महोत्सव, सड़क निर्माण, विश्वविद्यालयों, स्वास्थ्य और खनन से जुड़े कई अहम फैसले लिए गए।

झारखंड की कैबिनेट सचिव वंदना दादेल ने सोमवार को बताया कि राज्य सरकार अब किसानों से 2450 रुपये प्रति क्विंटल की दर से धान की खरीदारी करेगी। इसमें राज्य सरकार की ओर से प्रति क्विंटल 100 रुपये की विशेष सहायता भी शामिल है। कैबिनेट ने खरीफ विपणन मौसम 2025-26 और आगामी खरीफ विपणन वर्षों में किसानों से न्यूनतम समर्थन मूल्य पर धान अधिप्राप्ति के लिए झारखंड राज्य धान अधिप्राप्ति योजना की स्वीकृति दी। वहीं खरीफ विपणन मौसम 2025-26 में धान अधिप्राप्ति को लेकर धान के लिए निर्धारित न्यूनतम समर्थन मूल्य के अतिरिक्त राज्य सरकार की ओर से किसानों को बोनस की राशि की स्वीकृति दी गई। इसके लिए कुल 48 करोड़ 60 लाख रुपये स्वीकृति दी गई। कैबिनेट ने न्यूनतम समर्थन मूल्य और बोनस दोनों मिलाकर 2450 रुपए प्रति क्विंटल धान अधिप्राप्ति की दर निर्धारित करने स्वीकृति दी।

कैबिनेट ने राजकीय मेला और महोत्सवों के आयोजन के लिए संशोधित मार्गदर्शिका की स्वीकृति दी है। संशोधित मार्गदर्शिका के अनुसार, विभाग की ओर से राज्य में 13 मेला और महोत्सवों को राजकीय मेला और महोत्सव के रूप में अधिसूचित किया गया है। इसमें ईटखोरी महोत्सव-चतरा, बैद्यनाथ महोत्सव-देवघर, बासुकीनाथ महोत्सव-बासुकीनाथ, देवघर, माघी मेला-राजमहल साहेबगंज, हिजला मेला-दुमका, छऊ महोत्सव-सराकेला-खरसावां, मुडमा मेला-दुमका, लुगुबुरू महोत्सव-लुगुबुरू बोकारो, गणतंत्र महोत्सरव-गोडडा, आदिवासी महाकुंभ विकास मेला-पलामू, श्री वंशीधर महोत्संव- श्री वंशीधरनगर गढवा, सिरा सीता मेला-गुमला और श्री रामरेखा महोत्सव-सिमडेगा शामिल हैं।

मार्गदर्शिका की नियमावली में उल्लेख है कि किसी भी जिले में राजकीय मेला और महोत्सव की संख्या एक से अधिक नहीं होगी, लेकिन विशेष परिस्थिति में यदि जरूरत हुई, तो कैबिनेट की सहमति के बाद ही संबंधित जिले में एक से अधिक राजकीय मेला या महोत्सव की घोषणा की जा सकेगी।

कैबिनेट ने 2026 में घोषित होने वाले सरकारी अवकाशों की संख्या पर भी मुहर लगाई। इसके अनुसार 2026 में कुल 21 सरकारी अवकाश होंगे, जो सरकारी कार्यालय, उपक्रमों, राष्ट्रीयकृत बैंकों के 2026 के त्योहार, राष्ट्रीय पर्व एवं बैंक लेखा बंदी के अवकाश होंगे। इसमें कहा गया है कि महाशिवरात्रि 15 फरवरी, दीपावली 8 नवंबर और छठ (सायं अर्ध्य) 15 नवंबर रविवार को पड़ने के कारण अवकाश पडने के कारण उक्त तिथि को अलग से अवकाश घोषित नहीं किया गया है।

झारखंड कैबिनेट ने रिम्स, रांची के अधीन कार्यरत सरकारी सह-प्राध्यापकों को प्राध्यापक के पद पर प्रोन्नति दी। सह-प्राध्यापकों की प्रोन्नति एक अगस्त 2019 के प्रभाव से प्रभावी मानी जाएगी। वहीं राजकीय होम्योपैथिक चिकित्सा महाविद्यालय और अस्पताल, परसपानी, गोड्डा के इंटर्न छात्र-छात्राओं के मासिक वृत्तिका राशि में भी वृद्धि करने का निर्णय लिया गया। पेज 9 भी देखें

विधानसभा में 7721 करोड़ रुपये का द्वितीय अनुपूरक बजट पेश, छात्रवृत्ति मुद्दे पर हंगामा

बिभा संवाददाता

रांची। झारखंड विधानसभा के शीतकालीन सत्र के दौरान सोमवार को 7721 करोड़ रुपये का द्वितीय अनुपूरक बजट वित्त मंत्री राधा कृष्ण किशोर ने सदन में पेश किया। बजट प्रस्तुत होने के बाद विधानसभा अध्यक्ष रबिन्द्रनाथ महतो ने सदन की कार्यवाही मंगलवार तक के लिए स्थगित कर दी।

इससे पहले कार्यवाही दोपहर 12 बजे के बाद शुरू हुई। कार्यवाही शुरू होते ही विपक्ष के विधायक छात्रवृत्ति की मांग को लेकर हंगामा करने लगे। वे नारेबाजी कर रहे थे और मेजें पीट रहे थे। विपक्ष के हाथों में मौजूद पोस्टरों को मार्शलों ने जब्त कर लिया। अध्यक्ष ने शून्यकाल चलने देने की अपील की, लेकिन विपक्ष इसके लिए तैयार नहीं हुआ।

नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी ने कहा कि राज्य में छात्रों को छात्रवृत्ति नहीं मिल रही है, कई छात्र अपनी फीस भरने के लिए होटल में प्लेट धोने को मजबूर हैं, सरकार किसानों का धान नहीं खरीद रही, जिससे किसान 1500-1600 रुपये प्रति क्विंटल की दर पर धान बेचने को विवश हैं। उन्होंने कहा कि इन मुद्दों पर सदन में चर्चा होनी आवश्यक है। साथ ही आरोप लगाया कि शून्यकाल में उठाए गए प्रश्नों का अधिकारी उचित जवाब नहीं दे रहे।

वहीं मंत्री सुदिव्य सोनू ने विपक्ष के आरोपों का जवाब देते हुए कहा कि छात्रवृत्ति में देरी के लिए केंद्र सरकार जिम्मेदार है, क्योंकि केंद्र से मिलने वाला फंड राज्य सरकार को उपलब्ध नहीं कराया गया है। उन्होंने विपक्ष पर घड़ियाली आंसू बहाने का आरोप भी लगाया और पूछा कि यदि विपक्ष को छात्रों की चिंता है तो वह केंद्र सरकार के सामने विरोध क्यों नहीं दर्ज करा रहा।

छत्तीसगढ़ में 1 करोड़ 5 लाख रुपये के इनामी सहित 12 नक्सलियों ने किया आत्मसमर्पण

एजेंसी

रायपुर। छत्तीसगढ़ के राजनांदगांव जिले में सोमवार को कुख्यात नक्सली रामधेर मज्जी ने अपने 11 साथियों के साथ सुरक्षाबलों के सामने आत्मसमर्पण कर दिया। ये सभी नक्सली माओवादी संगठन की एमएमसी (महाराष्ट्र-मध्य प्रदेश-छत्तीसगढ़) जोनल कमेटी के सदस्य थे और तीनों राज्यों की सीमा पर सक्रिय थे। रामधेर मज्जी पर 01 करोड़ 05 लाख रुपये का इनाम घोषित था। वह माओवादी संगठन में सेंट्रल कमेटी सदस्य के पद पर था।

आत्मसमर्पण समारोह राजनांदगांव में आयोजित किया गया, जिसमें छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय, उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा, डीजीपी अरुण देव गौतम और एडीजी (नक्सल ऑपरेशन) विवेकानंद सिन्हा उपस्थित रहे। आत्मसमर्पण करने वाले नक्सलियों के हाथों में भारतीय संविधान की प्रति एवं सफेद गुलाब का फूल था, जो शांति और मुख्यधारा में लौटने का प्रतीक था।

इस दौरान मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने प्रेस वार्ता के दौरान इसे ऐतिहासिक दिन करार देते हुए कहा कि दशकों से नक्सलवाद छत्तीसगढ़ के विकास में सबसे बड़ी बाधा बना हुआ था। उन्होंने कहा, आज नक्सलवाद की कमर टूट चुकी है और वह अपनी अंतिम सांसें ले रहा है। रामधेर मज्जी जैसे वरिष्ठ नेता का हिंसा का रास्ता छोड़कर विकास की मुख्यधारा में आना यह सिद्ध करता है कि हमारी रणनीति पूरी तरह सफल हो रही है।

मुख्यमंत्री साय ने केंद्र सरकार की दृढ़ इच्छाशक्ति और डबल इंजन सरकार के समन्वय की सराहना की। उन्होंने याद दिलाया कि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने 31 मार्च 2026 तक देश को नक्सल-मुक्त करने का लक्ष्य रखा है और छत्तीसगढ़ उस दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। आत्मसमर्पण करने वाले पूर्व नक्सलियों को स्किल डेवलपमेंट ट्रेनिंग भी दी जा रही है ताकि वे सम्मानजनक रोजगार अपना सकें।

इंडिगो ने 1800 से ज्यादा फ्लाइट शुरू कीं, यात्रियों को लौटाए 827 करोड़ रुपये और 4500 बैग

एजेंसी

नई दिल्ली। देश की सबसे बड़ी एयरलाइंस कंपनी इंडिगो ने पिछले एक हफ्ते से बाधित ऑपरेशनल संकट सोमवार को फिर से बहाल कर दिया। कंपनी ने आज 500 फ्लाइट्स रद्द की हैं, जबकि देश भर के पूरे नेटवर्क में 1,800 से ज्यादा उड़ानों का परिचालन शुरू हो गया है। एयरलाइन ने कुल 9000 बैग में से 4500 बैग यात्रियों को सौंप दिए। बाकी बैग अगले 36 घंटों में यात्रियों को दे दिए जाएंगे। कंपनी ने यात्रियों को 827 करोड़ रुपये लौटाए हैं। इस बीच, इंडिगो के शीर्ष अधिकारियों को डीजीसीए की बनाई हाई लेवल कमेटी ने समन भेजा है।

एयरलाइन ने आज एक बयान में हाल की दिक्कतों के बाद पूरे नेटवर्क में काफी सुधार दर्ज करने का दावा किया है। कंपनी 1800 से ज्यादा फ्लाइट्स ऑपरेट करने के लिए पूरी तरह तैयार हैं, जिससे सभी ऑपरेशनल स्टेशन कनेक्ट हो जाएंगे। कंपनी ने बताया कि हमने अपने ऑपरेशन्स को ऑप्टिमाइज किया है और कस्टमर्स को पहले से बताई जाने वाली कैंसलेशन की संख्या को कम करने में कामयाब रहे हैं और हमारा ऑन-टाइम परफॉर्मेंस (ओटीपी) भी पूरे नेटवर्क में 91 फीसदी तक बेहतर हुआ है।

इंडिगो ने यह भी बताया कि फ्लाइट कैंसिलेशन, रिफंड, लगेज डिलीवरी और रीबुकिंग जैसी सभी प्रक्रियाएं तेज कर दी गई हैं। कंपनी ने यात्रियों को अब तक 827 करोड़ रुपये रिफंड कर दिए हैं, जबकि बाकी रिफंड भी प्रोसेस में हैं। एयरलाइन ने बताया कि 1 से 7 दिसंबर के बीच फंसे यात्रियों को होटल, कैब और लगेज डिलीवरी की सुविधाएं दी गई हैं। इंडिगों का कहना है कि चुस्ती से काम करते हुए वह अगले 24 से 36 घंटे में पूरी तरह सामान्य स्थिति में पहुंचने की उम्मीद कर रही है।

आजादी का प्रेरणास्रोत रहा वंदे मातरम आजाद भारत का भी है विजन : मोदी

एजेंसी

नई दिल्ली: प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा है कि स्वतंत्रता आंदोलन के दौरान आजादी के दीवानों का मंत्र बने 'वंदे मातरम' गीत की गूंज ने न सिर्फ अंग्रेजों की नींद उड़ा दी थी और पूरे भारत में उत्साह का ऐसा माहौल तैयार किया था जो न सिर्फ स्वतंत्रता का मंत्र बना बल्कि आजाद भारत के लिए भी विजन बनकर सामने आया।

श्री मोदी ने सोमवार को लोकसभा में वंदे मातरम गीत के 150वें वर्ष पर चर्चा की शुरूआत करते हुए कहा कि यह गीत आजादी का उद्गार बन गया था और हर देशवासी इस गीत से प्रेरित होकर अंग्रेजों के खिलाफ जंग लड़ रहा था। इस गीत से देश में बने नये माहौल को देखकर अंग्रेज बौखला गये थे इसलिए उन्होंने इस गीत पर प्रतिबंध लगा दिया और इसे गाने को अपराध मानकर लोगों पर जुल्म ढहाने शुरू कर दिए थे।

उन्होंने कहा कि वंदे मातरम का एक ऐसा कालखंड रहा है जिसमें इतिहास के कई प्रेरक उदाहरण देश के सामने मौजूद है। वंदे मातरम के जब सौ साल पूरे हो गये थे तो उस समय इसकी शताब्दी का उत्तम पर्व मनाया जाना था लेकिन तब देश को आपातकाल में धकेल दिया गया था और देश के नागरिकों का गला घोंटा जा रहा था। देश की आजादी के आंदोलन को ऊजा देने वाले वंदे मातरम के सौ साल पूरे होने के समय देश को आपाताकाल के काले कालखंड में धकेल दिया गया था।

प्रधानमंत्री ने कहा ₹वंदे मातरम पर चर्चा में कोई पक्ष और प्रतिपक्ष नहीं है क्योंकि इसी गीत से मिली प्रेरणा के कारण हम सब यहां बैठे हैं और यह हम सबके लिए पावन पर्व है। वंदे मातरम की भावना के साथ देश की आजादी की लड़ाई लड़ी गयी और इस गीत के भाव में आजादी के दीवाने देश के लिए प्राण न्यौछावर कर रहे थे।

उन्होंने कहा कि वंदे मातरम गीत ऐसे समय लिखा गया था जब अंग्रेज सल्तनत 1857 की क्रांति से बौखलाई थी और देश की महान विभूतियों को मजबूर किया जा रहा था। जब चारों तरफ वंदे मातरमा.की आवाज गूंज रही थी, देश को गुलाम बनाए रखने के लिए बड़ा षडयंत्र चल रहा था तो उस स्थिति को बंकिम चंद्र चट्टोपाध्याय चुनौती दे रहे थे। उन्होंने 1882 में 'आनंदमठ' उपन्यास की रचना की तो देश में आजादी की अलख जगा रहा वंदे मातरम गीत इसमें रखा गया। देश के लोगों में जो भाव था, जो संस्कृति थी उसे वंदे मातरम गीत के जरिए देश को बहुत बड़ी सौगात दी गई। वंदे मातरम केवल आजादी की लड़ाई का मंत्र नहीं था, मात्र अंग्रेजों को भगाने का मंत्र नहीं था बल्कि यह इस भूमि को बेड़ियों से मुक्ति दिलाने की एक पवित्र जंग भी थी।

प्रधानमंत्री ने कहा ₹वंदे मातरम देश की प्राचीन पृष्ठभूमि और सांस्कृतिक परंपरा का आधुनिक अवतार है। बंकिमदा ने जब वंदे मातरम की रचना की थी तो यह गीत स्वाभाविक रूप से आजादी की लड़ाई का स्वर बना और पूरे देश के आजादी के योद्धाओं को मुग्ध करने का मंत्र बन गया। वंदे मातरम हजारों वर्ष की सांस्कृतिक ऊर्जा थी, इसमें आजादी का जज्बा भी था और आजाद भारत की दृष्टि भी थी। इस गीत के हर शब्द देशवासियों को हौसला देने वाले थे। उसमें संदेश दिया गया था कि लड़ाई जमीन हथियाने की नहीं और सिर्फ आजादी पाने की नहीं है बल्कि यह देश की समृद्धि का भी संकल्प है। इस गीत का सिर्फ जन जन से जुड़ाव नहीं रहा है बल्कि यह गीत हमारी आजादी की लंबी गाथा की अभिव्यक्ति भी है।

झारखंड में बढ़ेगी ठंड, अगले तीन दिनों में न्यूनतम तापमान में दो से तीन डिग्री की गिरावट की संभावना

बिभा संवाददाता

रांची। झारखंड में न्यूनतम तापमान में लगातार गिरावट दर्ज की जा रही है। मौसम विभाग ने चेतावनी दी है कि अगले तीन दिनों में राज्य भर में ठंड और बढ़ सकती है। विभाग के अनुसार आने वाले दिनों में न्यूनतम तापमान 2 से 3 डिग्री तक नीचे जा सकता है, जिससे कनकनी और तेज हो जाएगी।

मौसम विभाग के अनुसार, पाकिस्तान और उसके आसपास के क्षेत्रों में सक्रिय पश्चिमी विक्षोभ के असर से एक निम्न दबाव का क्षेत्र बन रहा है। इसके प्रभाव से पछुआ हवाएं बंगाल की खाड़ी की तरफ एक और निम्न दबाव का क्षेत्र तैयार कर रही हैं। इन हवाओं के कारण उत्तर भारत की ठंडी हवा झारखंड तक पहुंच रही है, जिससे तापमान में गिरावट हो रही है। पिछले 24 घंटों में झारखंड में सबसे अधिक तापमान चाईबासा में 29 डिग्री, जबकि सबसे कम गुमला में 5.2 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। झारखंड के विभिन्न जिलों में सोमवार को तापमान में गिरावट दर्ज की गई। मौसम विभाग के अनुसार, रांची में अधिकतम तापमान 23.7 डिग्री और न्यूनतम 10.1 डिग्री सेल्सियस रहा। जमशेदपुर में अधिकतम 26.1 और न्यूनतम 10.6 डिग्री, डालटेनगंज में 27.3 और 7.3 डिग्री, बोकारो में 23.1 और 9.5 डिग्री, चाईबासा में 29 और 10.4 डिग्री सेल्सियस तापमान दर्ज किया गया।

हत्या के प्रतिशोध में हुई सीनू की हत्या, हत्याकांड के तीन आरोपी गिरफ्तार

बिभा संवाददाता

खूँटी । मुरहू थाना क्षेत्र अन्तर्गत इट्टे गाँव के सीनू पूर्ति के हत्यारों को रविवार को पुलिस ने पकड़ लिया। जिसपर सोमवार को पुलिस अधीक्षक मनीष टोप्पो ने प्रेस वार्ता कर आरोपियों के बारे जानकारी दी। जिसमें उन्होंने बताया कि विगत एक दिसम्बर 2024 ई को ठीक एक वर्ष पहले एक व्यक्ति की हत्या हुई थी। जिसकी हत्या करने में सीनू पूर्ति का भी हाथ था ।जिसका बदला लेने के लिए उसके रिश्तेदारों ने एक दिसम्बर 2025 ई को बीनू की हत्या कर दी । उन्होंने बताया कि सीनू की हत्या

करने में मंगरा मुंडा, और सेरेंगडीह निवासी कानू भेंगरा के दो पुत्र सुनील भेंगरा व सुम्बर भेंगरा ने हत्या करने में सहयोग किया है।

एसपी ने बताया कि मृतक की बहन गांगी कुमारी के द्वारा लिखित आवेदन दिया गया था कि उसका भाई सीनू पूर्ति को 01.12.25 को सुबह अपने काले रंग का पल्सर मोटरसाईकिल रजि०नं०- खल0क्ऌ-4672 से ग्राम सेरेंगडीह का रहने वाला सुम्बर भेंगरा के साथ घर से निकला था लेकिन शाम तक घर वापस नहीं लौटा तब शाम करीब 07:00 बजे अपने भाई को मोवाईल के माध्यम से पूछने पर बताया कि वह अपने चाचा मंगरा गुण्डा के घर पर है। वहाँ उसके साथ सुम्बर भेंगरा एवं उसका भाई सुनिल भेंगरा सभी मिलकर मारपीट कर रहे हैं इसके बाद शिनु पुर्ति (मृतक) का मोबाईल बंद हो गया। उसके बाद से मृत्तक लापता था। दिनांक 03.12.2025 को ज्ञात हुआ कि ग्राम इट्टूठे के सड़गीगढ़ा में एक जगह गड्ढा खोदा हुआ है जिसमें से पैर का अंगुली दिखाई दे रहा है जिसे मजिस्ट्रेट की उपस्थिति में पुलिस के सहयोग से खोदकर बाहर निकाला गया जिसका पहचान मृत्तक सिनु पुर्ति के रूप में उनके परिजनों के द्वारा किया गया। तभी मंगरा मुंडा, और सेरेंगडीह निवासी कानू भेंगरा के दो पुत्र सुनील भेंगरा व सुम्बर भेंगरा को 07.12.2025 को गिरफ?तार किया गया तथा काण्ड में प्रयुक्त कुदाल को बरामद किया गया। प्रा०अभियुक्तों ने स्वीकार किया है कि वर्ष 2022 में मंगरा गुण्डा उर्फ दशाय मुण्डा का बेटा कानु मुण्डा का अपहरण कर तेज धारदार हथियार से गर्दन काटकर सिर रहित धड़ पर नमक डालकर गड्?ढा खोदकर आलोच्य काण्ड के मृत्तक 1. सिनु पुर्ति, 2. सागर मुण्डा, 3. अनमोल टूटी. 4. जयमसीह ओडेया, 5. अमरजीत पूर्ति के द्वारा दफना दिया गया था। जिसके प्रतिषोध में सिनु पुर्ति का गला काटकर हत्या करने पश्चात गड्ढा खोदकर गाड़ दिया गया।

इस छापामारी दल में अनु०पु०पदा० वरूण रजक, पुलिस निरीक्षक किशुन दास, थाना प्रभारी पु०अ०नि० नायल गोडविन केरकेट्टा, पु०अ०नि० अरविन्द कुमार, पु०अ०नि० जितेन्द्र राग, पु०अ०नि० कंचन कुमार कुशवाहा? व सशस्त्र बल शामिल थे।

20 पंचायतों के लिए संजीव सरदार ने विधानसभा में उठाई मांग

बिभा संवाददाता

जमशेदपुर। पोटका विधायक संजीव सरदार ने पोटका विधानसभा के लगभग एक लाख से अधिक लोगों से सीधे जुड़ी अत्यंत महत्वपूर्ण समस्या को सोमवार को झारखंड विधानसभा के शून्यकाल में मजबूती के साथ उठाया। उन्होंने स्पष्ट कहा कि टाटा स्टील की परिधि में आने के बावजूद पोटका क्षेत्र की 20 पंचायत आज भी पेयजल, बिजली और सफाई जैसी बुनियादी नागरिक सुविधाओं से वंचित हैं, जबकि इस क्षेत्र में बड़ी संख्या में टाटा समूह के स्थायी, अस्थायी एवं ठेका मजदूर वर्षों से निवास करते आ रहे हैं। विधायक संजीव सरदार ने सदन को बताया कि बागबेड़ा, कीताडीह, घाघीडीह, करनडीह, पुड़ीहासा, केरुवाडूंगरी और ब्यांगबिल सहित कुल 20 पंचायतों के ग्रामीण टाटा स्टील के 3 से 5 किमी की परिधि में आते हैं, लेकिन इसके बाद भी टाटा स्टील द्वारा यहाँ किसी प्रकार की स्थायी नागरिक सुविधा उपलब्ध नहीं कराई जाती। इन क्षेत्रों में रहने वाले अधिकांश लोग स्वयं टाटा समूह के मजदूर हैं। वे कंपनी को अपना खून-पसीना देते हैं, परंतु उसी कंपनी की परिधि के अंदर रहते हुए भी मूलभूत सुविधाओं से वंचित रहना न्यायोचित नहीं है। इन पंचायतों में पेयजल, सफाई, बिजली एवं अन्य नागरिक सुविधाएँ टाटा स्टील के सीएसआर से स्थायी रूप से उपलब्ध कराई जानी चाहिए।

उन्होंने विधानसभा के माध्यम से राज्य सरकार से मांग की कि टाटा स्टील को इन सभी पंचायतों में सीएसआर के तहत नागरिक सुविधाएं मुहैया करने के लिए निर्देशित किया जाए, ताकि पोटका के लगभग 1 लाख परिवारों को मूलभूत नागरिक सुविधाएँ मिल सकें और उनका जीवनस्तर सुदृढ़ हो सके।

संक्षिप्त खबरें

मानगो के बड़ा नाला में गिरा 10वर्ष का बच्चा

जमशेदपुर(बिभा) । मानगो डिमना रोड में बड़ा नाला का ढकन नही रहने के कारण शिव मंदिर लाईन का रहने वाला राजू रजवाड़ नामक 10 वर्षीय छोटा बच्चा किनारे से पार हो रहा था और बच्चा बड़ा नाला में रात के आठ बजे गिर गया ।जैसे ही बच्चा नाले में गिरा पर वहा के स्थानीय निवासी झामुमो नेता उज्वल दास को तुरंत फोन करके बुलाया । वहीं से उज्वल दास कार्यकर्ताओ के साथ में उस स्थान पर पहुंच कर बच्चे को नाले से बाहर निकलवाए । उसके बाद वहा के स्थानिय लोगों ने नेता जी को धन्यवाद दिया । वहीं उज्वल दास ने मानगो नगर निगम के पदाधिकारी को नाले के ढकन को लगाने का मांग किया है , ताकि ऐसी घटना और कही नहीं घट सके । इस मौके पर मकसूद अंसारी, सूरज गौड़ , आकाश महतो, विवेक पाठक, अर्जुन कुमार, अनिल पॉल और सूरज मुखर्जी आदि उपस्थित थे ।

अग्रसेन डीएवी भरेच नगर में निबंध प्रतियोगिता का आयोजन

रामगढ़(बिभा): सोमवार को अग्रसेन डीएवी पब्लिक स्कूल भरेच नगर में भारतीय डाक प्रबंधन द्वारा प्रदत्त विषय ढाई आखर(मेरा आदर्श)पर एक निबंध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इसमें विद्यालय के बहुतायत बच्चों ने हिस्सा लिया। बच्चों ने इस प्रतियोगिता में अपनी सहभागिता देकर यह सिद्ध कर दिया कि आज के वैज्ञानिक युग में जहां लोग कंप्यूटर, फेसबुक, व्हाट्सएप, इंस्टाग्राम जैसे इलेक्ट्रॉनिक साधनों पर अपने विचार व्यक्त करते हैं तो वही पेन पेपर पर आधारित पत्र लिखने की परंपरा भी कायम है। विद्यालयों में पाठ्यक्रम के अनुसार विद्यार्थियों के द्वारा पत्र पढ़ा और लिखा जाता है । यह परंपरा पहले भी थी आज भी है और आने वाले समय में भी रहेगी। बच्चों में इसका विकास होना अति आवश्यक है तभी इसके विषय में वे जान सकेंगे और इसके महत्व को भी पहचान सकेंगे। विद्यालय के बच्चों ने हिंदी और अंग्रेजी दोनों ही माध्यमों में पत्र लेखन किया। इस तरह की प्रतियोगिताओं से बच्चों में लेखन क्षमता का विकास होता है तथा सृजन शक्ति का भी निर्माण होता है। विद्यालय के प्राचार्य निशिकांत कर ने बच्चों के लेखन क्षमता की प्रशंसा करते हुए कहा कि लेखन क्रिया से बच्चों में सृजनात्मक शक्ति का विकास होता है। भारतीय डाक विभाग झारखंड परिमंडल के डाक अधीक्षक आशुतोष कुमार सिन्हा के निदेशानुसार दिया गया विषय ढाई आखर पर लेखन प्रतियोगिता कराई गई। नवीन अग्रवाल (अरढ) एवं बृजनंदन कुमार मार्केटिंग एस्यूकेटिव भारतीय डाक विभाग रामगढ़ उपस्थित रहे ।निबंध लेखन प्रतियोगिता में बच्चों को प्रोत्साहित करने में हिंदी विषय में शिक्षक चंद्रशेखर सिंह यादव, अवधेश साहू, सौरभ पाठक एवं अंग्रेजी विषय में कृष्णा भट्टाचार्य, अल्पना तिवारी एवं अदिति कुमारी की भूमिका प्रमुख रही।

जंगली हाथी के द्वारा एक महिला को कुचलने से मौत, विधायक ने घर जाकर किया संवेदना व्यक्त

खूँटी(बिभा) । जिले के रनिया थाना क्षेत्र के डिगरी डाहुटोली गाँव में रविवार की देर रात एक बजे के आसपास जंगली हाथी ने पड़हा राजा पुजार कोनगाड़ी की लगभग 55 वर्षीय पत्नी मरियम कोनगाड़ी को कुचलकर मौत के घाट उतार दिया। लोगों के द्वारा बताया गया कि मरियम के घर के आंगन में धान रखा हुआ था। जिसे जंगली हाथी खा रहा था। मरियम जैसे ही घर से बाहर शौचालय जाने के लिए दरवाजा खोली जंगली हाथी ने अपने सूंड में लपेटकर उसे कई बार जमीन में पटक कर उसे मार डाला। फिर घटना की जानकारी मिलने पर देर रात जुटी स्थानीय लोगों द्वारा हाथी को खदेड़कर जंगल की ओर भगाया गया। वहीं सोमवार की सुबह मामले की जानकारी वन विभाग के कर्मी और स्थानीय प्रशासन को दिया गया। घटना की जानकारी पर भाजपा जिला महामंत्री निखिल कण्डुलना, जॉन कण्डुलना , क्षेत्र के जनप्रतिनिधि और समाजसेवी घटनास्थल पहुँचे और मृतक के परिजनों से बातचीत कर मामले की जानकारी लिया। वन विभाग के प्रभारी वनपाल अविनाश लुगुन ने पीड़ित परिवार को तत्काल मदद पहुँचाते हुए तीस हजार रुपए और हाथी भगाने के उपकरण टॉर्च व पटाखा मृतका के परिजनों को सौपा। रनिया थाना पुलिस द्वारा घटना में मृतक के नाम मृत्यु समीक्षा प्रपत्र भरकर शव को में अंत्यपरीक्षण भेजा गया और अन्त्यपरिक्षण के पश्चात पार्थिव शरीर को परिजनों को सौंप दिया गया। घटना की जानकारी मिलते ही स्थानीय विधायक सुदीप गुड़िया शोक संतप्त परिजनों से मुलाकात की व संवेदना व्यक्त किया।

शत प्रतिशत परीक्षाफल के लिए अभी से कराएं तैयारी : स्मिता

बिभा संवाददाता

खूँटी । जिले के कर्रा प्रखंड कार्यालय के सभागार में सोमवार को शैक्षणिक सत्र 2025-26 के मैट्रिक एवं इंटर की परीक्षा की तैयारी को लेकर बीडीओ स्मिता नगेशिया ने प्रखंड के सभी 15 विद्यालयों के प्रभारी प्रधानाध्यापक, गणित , विज्ञान एवं अंग्रेजी के शिक्षकों का समीक्षा बैठक आयोजन किया गया.

बैठक में सभी शिक्षकों ने बताया कि छात्रों का टेस्ट परीक्षा लिया गया है। बीडीओ स्मिता नगेशिया ने कहा कि कमजोर छात्रों का विषयवार अलग -अलग से ग्रुप बनाकर पढ़ाने की बात कहीं साथ हीं परीक्षा देने वाले सभी छात्रों का साप्ताहिक टेस्ट लेने की बात कहीं, ये कक्षा विद्यालय के समयावधि में हीं ली जाएगी, आवश्यकता अनुसार अलग से भी कक्षा ली जाएगी।

बीपीओ मनमोहन साहु ने कहा कि शैक्षणिक सत्र 2022-24 से 2024-25 में 10.5 प्रतिशत छात्रों का 60% से अधिक नम्बर आया था जो शिक्षकों के अलग से छात्रों की तैयारी कराने का नतीजा था, बीडीओ के द्वारा अच्छे कार्य करने वाले को सम्मानित करने की बात कहीं.

पिरामल फाउंडेशन के प्रोग्राम लीडर रोहित ने कहा कि शिक्षकों का बहुत अच्छा प्रयास रहा है और अच्छा करने की आवश्यकता है जिससे शत प्रतिशत परीक्षाफल हो सके. बैठक में उत्क्र. उच्च विद्यालय बिरदा,संत अन्ना जी टी दादेल उच्च विद्यालय कच्चाबारी एवं ज्योति कन्या उच्च विद्यालय कर्रा के शिक्षक शिक्षिकाएँ उपस्थित थे।

लेबर कोड रद्द कराने के लिए 10 को होगा विधानसभा के समक्ष प्रदर्शन

रामगढ़(बिभा)। मजदूर संगठन एक्टू मजदूर विरोधी लेबर कोड को रद्द कराने के लिए 10 दिसंबर को विधानसभा के समक्ष प्रदर्शन करेगा। इस प्रदर्शन को सफल बनाने के लिए सोमवार को रामगढ़ पार्टी कार्यालय में बैठक का आयोजन किया गया। मौके पर एक्टू के जिला सचिव अमल घोषाल ने कहा कि 10 दिसंबर को झारखंड विधानसभा के समक्ष एक दिवसीय धरना प्रदर्शन आयोजित किया गया है। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार की ओर से पिछले 21 दिसंबर को 4 लेबर कोड की अधीसूचना जारी कर लागू कर दिया गया है। उन्होंने कहा यह काला कानून मजदूरों की गुलामी का दस्तावेज है। उन्होंने कहा कि यह लेबर कोड साफ तौर पर देश के मेहनतकश मजदूरों के साथ कपटपूर्ण धोखा है। उन्होंने झारखंड विधानसभा में हेमंत सरकार की ओर से इन चार लेबर कोड बिल को ध्वनिमत से खारिज करने की मांग की जो केंद्र सरकार के खिलाफ सशक्त कदम होगा। प्रदर्शन में रामगढ़ के अलावा पूरे राज्य से सैकडों मजदूरों की भागीदारी होगी। मौके पर पार्टी के नेता देवकीनंदन बेदिया, ऐक्टू के सरयू बेदिया, अजीत बेदिया, जय किसन बेदिया मौजूद थे।

मुरहू थाना के जीप चालक आरक्षी की मौत पर पार्थिव शरीर को दिया गया सलामी

बिभा संवाददाता

खूँटी । जिले के मुरहू छठ के पास रविवार शाम को खूँटी चाईबासा रोड पर ब्रिजफोर्ट स्कूल बस और मुरहू थाना के जीप के बीच टक्कर से जीप चालक की मौत हो गई थी। जिसमें जीप चालक हनकु मौत हो गयी। थिसके शव को सोमवार को सर्किल इंस्पेक्टर किशुन दास, थाना प्रभारी नॉयल गोडविन केरकेट्टा, पुलिस एसोसिएशन के समीर मड़की आदि की उपस्थिति में अन्त्यपरिक्षण कराया गया। जिसके पश्चात पार्थिव शरीर को पुलिस लाइन ले जाया गया। जहाँ पुलिस अधीक्षक मनीष टोप्पो की अगुवाई में सलामी दी गयी। और शोकाकुल परिजनों के प्रति संवेदना व्यक्त किया गया। इसके उपरांत शव को उनके परिजनों को सौंप दिया गया। मौके पर , खूँटी डीएसपी वरुण रजक, परिक्ष्यमान पुलिस उपाधीक्षक रामप्रवेश कुमार, इंस्पेक्टर किशुन दास, सार्जेंट मेजर सोनाराम सोरेन, थाना प्रभारी मोहन कुमार व नायल गोडविन केरकेट्टा, पुलिस एसोसिएशन के अध्यक्ष समीर मड़की, विशेश्वर उराँव, सुंदरजीत उरांव , बजरंग प्रसाद गुप्ता, लखिन्द्र बारला सहित अन्य पुलिस पदा. व मृतक कर परिजन शामिल थे।

बिजली खम्भा लगाने में अनियमितता, आज तक नहीं खेत को मिली बिजली

बिभा संवाददाता

खूँटी । जिले के मुरहू प्रखण्ड अंतर्गत मेराल गाँव में पटवन सुविधा मुहैया करान कोरा कागज साबित हो रहा है। जहाँ तीन वर्ष बीत गये लेकिन बिजली मुहैया नहीं कराया गया। मेराल के खेतीहर किसान ग्रामीणों ने 2022ई में बिजली व्यवस्था के लिए मांग की थी। जहाँ बिजली का खम्भा और तार तो लगा दिया गया लेकिन ठीकेदारी की मनमानी और विभाग के अभियंता की लापरवाही से व्यवस्था पर दाग लग गया। जहाँ खम्भा गाड़ने के लिए खोदे गये पर ही खम्भा डालकर जैसे-जैसे छोड़ दिया गया है। जिसका नतीजा हुआ कि तार लगा खम्भा टूटकर गिरने लगा है। जो योजनाओं का स्पष्ट बंदरबाँट नजर आ रहा है। जिसका लाभ ग्रामीणों को नहीं मिलकर ठीकेदार को लाभ कमाने की योजना बनकर रह गयी है। वहीं बिजली का खम्भा सड़क पर गिरने से आवागमन भी बाधित हो गई है लोगों को दूसरों के खेतों से होकर के आवागमन करना पड़ रहा है। खेतों में ही वाहन चलाना पड़ रहा है। इससे ग्रामीण भी काफी परेशान है। ग्रामीणों ने बताया कि 2022 से गाँव में पटवन सुविधा उपलब्ध कराने के लिए बिजली व्यवस्था की मांग की गई थी जो 2023 में बिजली का खम्भा और ट्रांसफार्मर तथातार लगा दिया गया। लेकिन जैसे-तैसे लगा तो दिया गया लेकिन बिजली आपूर्ति नहीं की गयी। नहीं तौर तरीका से मजबूती के साथ लगाया गया। ठेकेदार द्वारा जमीनम गड्ढा खोदकर खम्भा खड़ा कर दिया गया। जिसमें न तो मिट्टी भरी गयी और न ही सिमेंट से कहा गया। जिसका नतीजा हुआ कि जैसे तैसे ठीकेदारी करके तो दिये जाने से अब खम्भा टूटकर गिरता जा रहा है। वहीं सड़कों पर गिरने से आवागमन भी बाधित हो रहा है। और इस प्रकार, बिजली का मांग और सरकार द्वारा दिया गया व्यवस्था मदों का बंदरबाँट नजर आ रहा है ।

इंटक का मजबूत भविष्य युवाओं के हाथो में है : राकेश्वर पांडे

बिभा संवाददाता

जमशेदपुर : झारखंड प्रदेश यूथ इंटक की बालिगुमा में एक दिवसीय प्रशिक्षण शिविर एवं बैठक का आयोजन किया गया. कार्यक्रम की अगुवाई प्रदेश युवा इंटक अध्यक्ष सत्यम सिंह ने की. प्रशिक्षण शिविर का उद्देश्य युवा पदाधिकारियों को संगठन की नीति, श्रमिक हितों एवं संगठनात्मक मजबूती के प्रति जागरूक करना था. कार्यक्रम में झारखंड इंटक के प्रदेश अध्यक्ष राकेश्वर पांडे मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित हुए. उन्होंने युवा शक्ति की भूमिका पर प्रकाश डालते हुए कहा कि इंटक का मजबूत भविष्य युवाओं के हाथों में है और संगठन को नई ऊर्जा प्रदान करने में यूथ विंग की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है. प्रशिक्षक के रूप में राजीव गांधी पंचायती राज संगठन के प्रदेश अध्यक्ष सुनीत शर्मा ने सभी नव निर्वाचित पदाधिकारियों को प्रशिक्षण दिया. बैठक में यूथ इंटक के सभी प्रदेश पदाधिकारी शामिल हुए. सभी ने संगठन के विस्तार, सदस्यता अभियान, श्रमिकों के अधिकारों की रक्षा तथा मजदूर हित से जुड़े मुद्दों पर विस्तृत चर्चा की. इस दौरान कई नए सदस्यों को संगठन में शामिल करते हुए कमेटी का विस्तार भी किया गया. तत्पश्चात पदाधिकारियों ने सर्वसम्मति से यह संकल्प लिया कि आनेवाले दिनों में मजदूरों की समस्याओं के समाधान, मजदूरी एवं सुरक्षा से जुड़े मुद्दों को उठाना, श्रमिक परिवारों के लिए कल्याणकारी कार्यक्रम चलाना, उद्योगों में श्रमिक शोषण के खिलाफ लड़ाई

को प्राथमिकता दी जाएगी.इस अवसर पर महासचिव रघुचंदन प्रधान, नीतीश कुमार सिंह, सचिव मणिकांत , बबलू बिसाई आदि पदाधिकारीगण मौजूद थे.

कड़ाके की सर्द रात जंगली हाथियों को भगाने में ग्रामीणों ने बिताया

खूँटी(बिभा) । जिले के जरिया गढ़ वन क्षेत्र के कई गाँवों में रविवार की ठंढी व कड़कड़ाती रात को हाथियों ने कहर व दहशत बरपाया । जहां जरिया गढ़ गाँव में घुस कर दहशत में ला दिया और थाना परिसर में घुसकर पुराना भवन पर प्रहार किया । वहीं गाँव में घुस जाने के बाद लोगों में भर पैदा कर दिया। मामले की जानकारी मिलते ही ग्रामीणों को कड़कड़ाती ठंड की रात रजाई छोड़ हाथी भगाने में समय बिताया। इधर, बकसपुर पंचायत अंतर्गत उत्क्रमित उच्च विद्यालय लापा गारी में रखा मध्याह्न भोजन का सात बोरी चावल एवं आलू को जंगली हाथियों ने रविवार की मध्य रात्रि विद्यालय के मुख्य दरवाजा तोड़कर खाया एवं रौंद डाला। सोमवार की सुबह घटना की जानकारी कर्रा कार्यालय को दिया गया। तत्काल फॉरेस्टर अमर स्वांसी वन स्टाफ के साथ घटना स्थल पहुंचकर हाथियों द्वारा क्षति किया गया अनाज का मुयन्ना कया और विद्यालय के शिक्षक को इस संबंध में लिखित आवेदन वन कार्यालय कर्रा में देने की बात कही। ज्ञात होगी पिछले कई वर्षों से इस क्षेत्र में जंगली हाथियों का विचलन होते रहता है और समय-समय पर जान माल की क्षति भी जंगली हाथियों द्वारा किया जाता है। क्षेत्र के ग्रामीण जंगली हाथियों के भय से सूर्यास्त होने के बाद अपने-अपने घरों में डबाक जाते हैं। फॉरेस्टर अमर स्वांसी ने कहा कि इस क्षेत्र में 14 जंगली हाथियों विचारण करने की सूचना प्राप्त है, उन्होंने ग्रामीण सा अपील किया है कि जंगली हाथियों के साथ छेड़छाड़ ना करें साथ ही शराब का सेवन करके जंगली हाथी के पास न जाए अन्यथा जानवर की क्षति हो सकती है। मौके पर ओमप्रकाश, अनिल मांझी, शाहदेव मुंडा, एवं कर्रा प्रक्षेत्र होमगार्ड उपस्थित थे।

गोवा के मृतक मजदूरों का किया गया अन्तिम संस्कार

बिभा संवाददाता

खूँटी । जिले के जरिया गढ़ थाना क्षेत्र अन्तर्गत गोविंदपुर और रांची जिला के सीमावर्ती क्षेत्र फतेहपुर गाँव के तीन मजदूरों की गोवा में हुई मौत पर पूरा क्षेत्र रविवार व सोमवार को गमगीन रहा। जैसे सोमवार को पार्थिव शरीर गाँव में पहुँचा तो सैकड़ों ग्रामीणों के द्वारा शोकाकुल परिजनों के दुःख के घड़ी में उनके घर पहुँचे। मृतकों के शव गाँव पहुँचते ही माहौल गमगीन हो गया। वहीं इस कार्यक्रम में कांग्रेस नेता बंधु तिर्की, तोरपा विधायक सुदीप गुड़िया, प्रखण्ड विकास पदाधिकारी स्मिता नागेशिया, अंचलाधिकारी अन्वेषा ओना, जिला श्रम अधिक्षक वाल्टर कुजूर, जरिया गढ़ थाना प्रभारी विरेन्द्र कुमार सहित अनेक लोग पहुँचे और शोकाकुल परिजनों को ढाढ़स बंधाया। साथ ही, परम्परागत तरीके से शवों का अंतिम संस्कार किया गया और नम आँखों से विदाई दी। इस मौके पर, झामुमो युवा मोर्चा जिला उपाध्यक्ष राहुल केशरी, झामुमो प्रखंड सचिव विनोद उरांव, गोविन्दपुर पंचायत मुखिया मीना देवी, ग्राम प्रधान गंगा मुण्डा, शम्भु शर्मा, मुना हेरेंज सहित सैकड़ों लोग उपस्थित थे।

तंबाकू नियंत्रण कार्यक्रम एवं मानसिक स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन

बिभा संवाददाता

खूँटी । सदर अस्पताल खूँटी के तत्वावधान में बिरसा महाविद्यालय में सोमवार को राष्ट्रीय तंबाकू नियंत्रण कार्यक्रम एवं मानसिक स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ बिरसा कॉलेज के प्राचार्य डॉक्टर सी के भगत राजकुमार गुप्ता एवं डॉ पूनम के द्वारा संयुक्त रूप से किया गया। मौके पर प्रभारी प्राचार्य ने बताया कि तंबाकू के इस्तेमाल से अनेक प्रकार के दुष्प्रभाव मानव जीवन पर पड़ता है इसमें विद्यार्थियों एवं युवा वर्ग जागरुक होकर स्वयं भी जागरूक होंगे एवं समाज को भी जागरूक करने का काम करेंगे वही राजकुमार गुप्ता सर ने बताया कि जनहित के लिए तंबाकू मुक्त युवा अभियान 3.0 का शुभारंभ किया जा रहा है जिसमें विस्तृत रूप से आम जनों को तंबाकू के प्रति सजक रहने की आवश्यकता है एवं बिरसा कॉलेज लगातार कार्यशाला आयोजित कर विद्यार्थियो को जागरुक कर रहा है। वहीं मनोविज्ञान विभाग के डॉक्टर पूनम ने बताया कि तंबाकू के इस्तेमाल से मानसिक स्वास्थ्य पर बुरा प्रभाव पड़ता है एक स्वस्थ इंसान को तंबाकू अथवा हर प्रकार के नशे से दूर रहना चाहिए ताकि हर युवा सामाजिक मानसिक और आर्थिक रूप से सशक्त बन सके । कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों के बीच क्विज प्रतियोगिता का आयोजन किया गया एवं विजेताओं को सामाजिक कार्यकर्ता पूनम इक्का के द्वारा पुरस्कृत किया गया। कार्यक्रम के पश्चात तंबाकू का सेवन न करने का शपथ लेकर हस्ताक्षर अभियान चलाया गया जिसमें कॉलेज के छात्र-छात्राओं ने हस्ताक्षर कर शपथ लिया कि तंबाकू का इस्तेमाल नहीं करेंगे एवं दूसरों को भी जागरूक करेंगे। कार्यक्रम को सफल बनाने में काउंसलर निशांत झा , पुनीत गुड़िया , जिला परामर्शी रोहित जोन तिग्गा आदि का महत्वपूर्ण योगदान रहा। यह जानकारी निशांत झा ने दी।

ठंड बढ़ने से 7 डिग्री तापमान पर पाला गिरा और कनकनी बढ़ी, जनजीवन हुआ मुश्किल

खूँटी (बिभा)। जिले में ठंड बढ़ती ही जा रही है और तापमान में गिरावट बरकरार है। वहीं मैदानी इलाकों में घास पर और पुआल में पाला गिरने लगा है । जिससे सुबह सुबह घास और पुआल के उपर पाला गिरने से सफेद चादर के समान फैल जाता है। जिससे ठिठुरन बढ़ गयी है। लोग सुबह देर से रजाई छोड़ रहे हैं। कामकाजी महिलाओं को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। बच्चों को स्कूल जाने हेतु तैयार करने के लिए लिए दिक्कत होने लगी है। वहीं जरियागढ़ थाना क्षेत्र नदियों के निकट होने से ठंड और भी ज्यादा हो गया है। ग्रामीण इलाके में ठंड बढ़ने से लोगों के लिए परेशानी का कारण बन गया है।

एसीबी ने श्रवण जालान के ठिकानों पर की छापेमारी, कई सामान जब्त

बिभा संवाददाता

रांची। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) ने जेल में बंद आईएएस विनय चौबे के करीबी और व्यवसायी श्रवण जालान के यहां छापेमारी में कई सामान जब्त किए हैं। इनमें तीन मोबाइल फोन और जमीन से संबंधित दस्तावेज के अलावा कुछ डिजिटल साक्ष्य शामिल हैं। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) फिलहाल मोबाइल फोन और डिजिटल साक्ष्य को खंगालने में जुटी है। छापेमारी के दौरान श्रवण जालान अपने आवास पर मौजूद नहीं थे। जब तक छापेमारी चलती रही तब तक वह अपने घर और कार्यालय नहीं आए, इसलिए अब एसीबी उन्हें नोटिस जारी कर सकती है।

उल्लेखनीय है कि सोमवार की सुबह झारखंड एसीबी की टीम ने बड़ी कार्रवाई करते हुए चर्चित व्यवसायी श्रवण जालान के घर और ऑफिस सहित अन्य ठिकानों पर छापेमारी की थी। जिस मामले में श्रवण जालान के ठिकानों पर रेड हुई है, वह आईएएस विनय चौबे से जुड़ा हुआ शराब घोटाला केस बताया गया है।

एसीबी को इस बात की जानकारी मिली है कि विनय चौबे ने अपनी अवैध कमाई का एक बड़ा हिस्सा श्रवण जालान के माध्यम से अलग-अलग जगहों पर इन्वेस्ट किए हैं।

इससे पहले एसीबी की टीम ने रविवार को विनय चौबे की पत्नी स्वप्ना संचिता से 10 घंटे तक पूछताछ की थी। इसके साथ ही एजेंसी ने विनय चौबे के करीबी विनय सिंह की पत्नी स्निग्धा सिंह की तलाश में बिहार के लखीसराय में भी छापेमारी की थी।

निलंबित आईएएस अधिकारी विनय चौबे के पारिवारिक सदस्यों ने आठ साल में 10 विदेश यात्राएं की। इन यात्राओं पर करोड़ रुपये खर्च किए गए। इन विदेश यात्राओं का खर्च शिखा नामक महिला ने उठाया। शिखा, विनय चौबे की पत्नी स्वप्ना संचिता की बहन है।

चौबे की साली की ओर से अपनी बहन और जीजा की विदेश यात्राओं के करोड़ों का खर्च उठाने को एसीबी के अधिकारी आश्चर्यजनक मान रहे हैं।

एसबी की ओर से विनय चौबे की आय से अधिक संपत्ति अर्जित करने के मामले की जांच के दौरान यह पाया गया है कि चौबे के पारिवारिक सदस्यों ने वर्ष 2017 से 2024 तक की अवधि में 10 विदेश यात्राएं की। चौबे के पारिवारिक सदस्यों ने इस अवधि में जिन देशों की यात्राएं की उसमें अमेरिका, ब्रिटेन, डेनमार्क, थाईलैंड, ऑस्ट्रिया और इटली सहित दूसरे देश शामिल है।

जांच में पाया गया है कि इन विदेश यात्राओं का खर्च विनय चौबे की साली शिखा ने उठाया। शिखा द्वारा अपनी बहन और बहनोई की विदेश यात्राओं के करोड़ों का खर्च उठाना आश्चर्यजनक और संदेहास्पद है।

प्रशिक्षु आईएएस और और छात्रों ने देखी विधानसभा की कार्यवाही

बिभा संवाददाता

रांची। झारखंड विधानसभा में सोमवार को सत्र की कार्यवाही देखने के लिए एमिटी विश्वविद्यालय पत्रकारिता विभाग और अन्य संस्थानों के छात्र-छात्राएं, शिक्षक और 2023 बैच के प्रशिक्षु आईएएस अधिकारी पहुंचे। इस दौरान सबों ने सदन की कार्यप्रणाली, प्रश्नकाल, शून्यकाल और विधायी प्रक्रिया को नजदीक से देखा और समझा। एमिटी विश्वविद्यालय, रांची के पत्रकारिता एवं जनसंपर्क विभाग के छात्र-छात्राएं असिस्टेंट प्रोफेसर संतोष कुमार के नेतृत्व में विधानसभा पहुंचे थे। विद्यार्थियों ने गैलरी से सदन की चल रही कार्यवाही को देखा और विधानसभा परिसर के महत्वपूर्ण हिस्सों का भ्रमण भी किया।

इसके साथ ही साल 2023 बैच के प्रशिक्षु आईएएस अधिकारी आनंद शर्मा, नाजिश उमर अंसारी, सिद्धांत कुमार और हिमांशु लाल ने भी विधानसभा पहुंचकर दिनभर की कार्यवाही को देखा। प्रशिक्षु अधिकारियों ने विधानसभा की संरचना, प्रक्रिया और प्रशासनिक समन्वय को नजदीक से समझा। वहीं विद्या विकास पब्लिक स्कूल, रांची के छात्र-छात्राएं भी प्राचार्य ज्यां प्रसाद के नेतृत्व में सदन की कार्यवाही देखने पहुंचे। सभी आगंतुकों ने बाद में झारखंड विधानसभा के अध्यक्ष रबीन्द्रनाथ महतो से उनके कार्यालय कक्ष में मुलाकात की। स्पीकर ने उन्हें सदन संचालन की विधि, विधानसभा की परंपराओं और लोकतांत्रिक प्रक्रिया से जुड़ी कई महत्वपूर्ण जानकारियां दीं।

संक्षिप्त खबरें

मुख्यमंत्री सोरेन से भारतीय पुलिस सेवा के परीक्ष्यमान अधिकारियों ने की मुलाकात

रांची(बिभा)। झारखंड के मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन से सोमवार को झारखंड मंत्रालय में भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) झ 2024 बैच के परीक्ष्यमान (प्रशिक्षण प्राप्त करने वाला) अधिकारी अंकित सिन्हा, राजकुमार जयराजू एवं साक्षी जमुआर ने शिष्टाचार भेंट की। मुलाकात के दौरान इन प्रशिक्षु आईपीएस अधिकारियों ने मुख्यमंत्री के साथ अपने प्रशिक्षण से जुड़े अनुभवों को साझा किया। इस मौके पर झारखंड पुलिस अकादमी, हजारीबाग के निदेशक अखिलेश कुमार झा एवं पुलिस महानिरीक्षक (प्रशिक्षण) ए. विजया लक्ष्मी भी उपस्थित रहीं। उल्लेखनीय है कि 77वीं आरआर बैच के ये तीनों परीक्ष्यमान आईपीएस अधिकारी 23 नवंबर 2025 को झारखंड कैडर में योगदान दे चुके हैं।

विनोबा भावे के कुलपति ने मुख्यमंत्री सोरेन को अपनी पुस्तक शिक्षा, समाज और राजनीति की भेंट

रांची(बिभा)। झारखंड के मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन से सोमवार को रांची मंत्रालय में हजारीबाग स्थित विनोबा भावे विश्वविद्यालय के कुलपति (वाईस चांसलर) चन्द्र भूषण शर्मा ने शिष्टाचार मुलाकात की। इस मुलाकात के दौरान कुलपति ने मुख्यमंत्री को अपनी स्वलिखित पुस्तक श्शिक्षा, समाज और राजनीतिश् सप्रेम भेंट की। उन्होंने मुख्यमंत्री को विश्वविद्यालय में संचालित विभिन्न शैक्षणिक कार्यक्रमों, शोध गतिविधियों और प्रगति के बारे में भी विस्तार से जानकारी दी। मुख्यमंत्री ने विश्वविद्यालय के शैक्षणिक कार्यों की सराहना की और शिक्षा के क्षेत्र में और अधिक सुधार व विकास के लिए आवश्यक सहयोग का आश्वासन दिया।

राजस्थान को हरा कर झारखंड ने लगातार सातवीं जीत दर्ज की

रांची(बिभा) : अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम ग्राउंड ए में खेले जा रहे सैयद मुस्ताक अली ट्रॉफी में आज झारखंड ने राजस्थान को 36 रन से हरा कर लगातार सातवीं जीत दर्ज की और अपने ग्रुप में पहले स्थान पर रहकर अगले दौर के लिए क्वालीफाई किया। आज के मुकाबले में झारखंड की बल्लेबाजी शानदार रही। झारखंड ने निर्धारित 20 ओवरों में 5 विकेट खोकर 215 रन बनाए जिसमें विराट सिंह ने 36 गेंदों पर 69 रन वही कप्तान कुमार कुशाग्र ने 37 गेंदों पर 55 रन, रॉबिन मिंज ने 27 गेंदों पर 58 रन बनाए। जवाबी पारी खेलने उतरी राजस्थान की टीम 19.2 ओवरों में 179 रनों पर ऑल आउट हो गई। टीम के लिए कारण लांबा ने 52 और दीपक हुड्डा ने 28 रन बनाए। झारखंड के लिए सुशांत मिश्रा और अनुकूल रॉय ने शानदार 3-3 विकेट प्राप्त किए। विराट सिंह के शानदार बल्लेबाजी के लिए उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया।

विधायक राज सिन्हा को एबीकेएम ने किया सम्मानित

रांची(बिभा)। झारखंड के उत्कृष्ट विधायक के सम्मान से सम्मानित राज सिन्हा के सम्मान में अखिल भारतीय कायस्थ महासभा ने सम्मान समारोह आयोजित किया। मौके पर विधायक राज सिन्हा ने सबों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि जनसाधारण की सेवा के लिए वे सदैव उपलब्ध हैं। श्री सिन्हा ने खुद को आवाम की आवाज घोषित किया। मौके पर महासभा के राष्ट्रीय कार्यवाहक अधयक्ष मुकेश कुमार व महासभा के प्रदेश अध्यक्ष डॉ सी बी सहाय ने भी समाज को बुलंदियों पर ले जाने की बात कही। इस अवसर पर महासभा के महामंत्री सुशील सिन्हा, राजेश सिन्हा, अनिल शंकर, राजेश शरण, सत्या सिन्हा, प्रीति सिन्हा, नीतू सिन्हा, स्मिता, संगीता लाल, उमा सिन्हा, निर्मला कर्ण, पवन किशोर, रवि कुमार, सुबोध, अजय सिन्हा, सीमा श्रीवास्तव, मनीष सिन्हा, सुमित बरियार, सदन सिन्हा, शिखा प्रिया समेत महासभा के कई सदस्य उपस्थित थे।

मंत्री दीपिका पांडेय ने मनरेगा कर्मियों की सुनी समस्याएं

बिभा संवाददाता

रांची। ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज विभाग की मंत्री दीपिका पांडेय सिंह सोमवार को मनरेगा कर्मियों की समस्याएं उनके प्रदर्शन स्थल पहुंच कर सुनी। भीड़ में मौजूद सैकड़ों कर्मियों मंत्री के समक्ष खुलकर अपनी समस्याएं रखी।

मनरेगा कर्मियों ने मंत्री के समक्ष ग्रेड पे निर्धारण करने, नियमितीकरण करने, सेवा सुरक्षा नीति लागू करने, सामाजिक सुरक्षा सुनिश्चित करने और बर्खास्तगी मामलों की पारदर्शी सुनवाई के लिए अपीलीय प्राधिकार की स्थापना की मांग रखीं। कर्मियों ने कहा कि वे वर्षों से मनरेगा के आधारभूत ढांचे को संभाल रहे हैं, इसलिए उनकी सेवा शर्तों का स्पष्ट और स्थायी समाधान जरूरी है।

वहीं मंत्री ने सभी कर्मियों की बातों सुना और उन्हें आश्वस्त किया कि हर न्यायोचित मांग पर व्यापक समीक्षा की जाएगी। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार मनरेगा कर्मियों की चिंताओं को लेकर पूरी संवेदनशीलता और प्रतिबद्धता के साथ काम कर रही है।

उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि मनरेगा कर्मी ग्रामीण विकास व्यवस्था की रीढ़ हैं और उनकी आवाज को अनसुना नहीं किया जाएगा। सरकार जल्द ही ठोसनिर्णय लेने की दिशा में कदम बढ़ाएगी।

आजसू सांसद चंद्रप्रकाश चौधरी ने लोकसभा में उठाया छात्रवृत्ति का मुद्दा

रांची। आजसू सांसद एवं केंद्रीय उपाध्यक्ष चंद्र प्रकाश चौधरी ने लोकसभा में झारखंड में सात लाख एसटी, एससी, ओबीसी एवं अल्पसंख्यक छात्रों की छात्रवृत्ति का मुद्दा उठाया है। उक्त मामले के संबंध में आज श्री चौधरी ने लोकसभा में नियम 377 के तहत केंद्र सरकार का ध्यानाकर्षित कराते हुए इस मुद्दे को अत्यंत प्राथमिकता के साथ तात्कालिक हस्तक्षेप कर लंबित छात्रवृत्ति को जारी करने और स्थायी समाधान लागू करने की मांग की है। श्री चौधरी ने कहा कि झारखंड में पोस्ट-मैट्रिक छात्रवृत्ति विगत तीन वर्षों से बाधित होने के कारण इसका प्रतिकूल प्रभाव विशेष रूप से अनुसूचित जनजाति, अनुसूचित जाति, पिछड़ा वर्ग और अल्पसंख्यक वर्ग के आर्थिक रूप से कमजोर विद्यार्थियों को कई शैक्षणिक सुविधाओं से वंचित रहना पड़ रहा हैं और अनेक विद्यार्थी ड्रॉप आउट होने की स्थिति में पहुँच गए हैं। उन्होंने कहा कि यह कृत्य प्रदेश के छात्र-छात्राओं के शिक्षा-अधिकार और सामाजिक न्याय पर कुठाराघात है। शिक्षा बच्चों का अधिकार है और छात्रवृत्ति उनका हक, छात्रवृत्ति लंबित होने से बच्चों की पढ़ाई काफी प्रभावित हो रही है। हम अपने बच्चों के हक-अधिकार की लड़ाई में उनके साथ खड़े हैं और प्रदेश की शिक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने हेतु सदैव प्रयासरत हैं, क्योंकि यही छात्र हमारे झारखंड के उज्जवल भविष्य की नींव हैं।

न्यायिक सेवा में फेरबदल, एसबी शर्मा रांची के नए सीजेएम

रांची(बिभा)। झारखंड उच्च न्यायालय ने न्यायिक सेवा के अधिकारियों के बीच फेरबदल किया है। उच्च न्यायालय के रजिस्ट्रार जनरल सत्य प्रकाश सिन्हा की अधिसूचना के अनुसार सिविल जज (सीनियर डिवीजन) स्तर पर अधिकारियों का प्रमोशन, स्थानांतरण और पदस्थापन किया गया है। सभी अधिकारियों को तत्काल प्रभाव से अपने नए कार्यस्थल पर पदभार ग्रहण करने का निर्देश दिया गया है। अधिसूचना के मुताबिक प्रिंसिपल डिस्ट्रिक्ट जज (पीडीजे) दुमका के जिला एवं सत्र न्यायाधीश सुरेंद्रनाथ मिश्रा को प्रिंसिपल डिस्ट्रिक्ट जज (पीडीजे) के पद पर प्रोन्नत किया गया है। रांची के सीजेएम चंदन को गोड्डा स्थानांतरित किया गया है। गोड्डा के सीजेएम शशि भूषण शर्मा को रांची का सीजेएम नियुक्त किया गया है। डालसा (झारखंड राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण) रांची के सचिव रवि कुमार भास्कर को नगर उंटारी (गढ़वा) भेजा गया है।

वाहन जांच में 72,650 रुपये जुर्माना, पांच वाहन जब्त

बिभा संवाददाता

रांची। रांची शहर में सोमवार को जिला प्रशासन ने अलग-अलग जगहों पर ट्रक, हाइवा और डंपर जैसे भारी वाहनों की सघन जांच की। यह कार्रवाई जिला परिवहन पदाधिकारी अखिलेश कुमार ने किया। उन्होंने बताया कि अभियान का मकसद सड़क सुरक्षा बढ़ाना, ओवरलोडिंग रोकना और मोटरयान कानून का पालन कराना है।

इन जगहों पर हुई जांचः मोरहाबादी, बोडया, रिंग रोड, बीआईटी मेसरा और सिल्ली थाना क्षेत्र में अभियान चलाया गया।जांच में कई वाहनों में जरूरी दस्तावेज नहीं पाए गए।

इसके अलावा टैक्स, फिटनेस, बीमा, प्रदूषण प्रमाण-पत्र, बिना परमिट वाहन चलाने, ड्राइविंग लाइसेंस और ओवरलोडिंग की जांच की गयी। जांच में सभी कागजात में कमी पायी गयी।

इन नियमों के उल्लंघन पर प्रशासन ने कुल 5 वाहनों पर 72,650 रुपये का जुमार्ना लगाया।

जिला परिवहन पदाधिकारी ने सभी वाहन मालिकों और चालकों से आग्रह करते हुए कहा है कि वे अपने वाहन के सभी कागजात हमेशा अपडेट रखें और ओवरलोडिंग न करें। नियम तोड़ने वालों पर आगे भी ऐसी सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

झारखंड राज्य स्तरीय नेटबॉल ट्रायल रांची के जयपाल सिंह मुंडा स्टेडियम में सम्पन्न

बिभा संवाददाता

रांची : भारतीय नेटबॉल महासंघ के तत्वाधान में आगामी 43वां सीनियर नेशनल नेटबॉल प्रतियोगिता 11 से 14 जनवरी तक तेलंगाना के हैदराबाद शहर में आयोजित कि जा रही है जिसके तहत झारखंड टीम चयन हेतु राज्य स्तरीय ट्रायल का आयोजन रांची के जयपाल सिंह मुंडा स्टेडियम में किया गया। ट्रायल में कुल 14 जिलों से कुल 150 खिलाड़ियों ने भाग लिया। ट्रायल की तकनीकी देखरेख रांची जिला नेटबॉल संघ के तकनीकी अधिकारियों ने योगदान दिया। कार्यक्रम का उद्घाटन झारखंड राज्य नेटबॉल संघ के अध्यक्ष राजेन्द्र प्रसाद द्वारा किया गया। झारखंड राज्य नेटबॉल संघ सचिव भूपेंद्र नाथ ने कहा हमारा उद्देश्य प्रतिभाओं को सही अवसर और सही प्रशिक्षण उपलब्ध कराना है। ईमानदारी से की गई मेहनत हमेशा रंग लाती है। मौके पर सीनियर खिलाड़ी पंकज टोप्पो ने खिलाड़ियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा यह चयन सिर्फ प्रतियोगिता नहीं, बल्कि सीखने और आगे बढ़ने का मंच है। खिलाड़ी अपने लक्ष्य पर ध्यान केंद्रित रखें। राजेन्द्र प्रशाद , राज्य संघ अध्यक्ष द्वारा बताया गया कि झारखंड की टीम को राष्ट्रीय स्तर पर मजबूत रूप से स्थापित करना हमारा लक्ष्य है। इस तरह के ट्रायल खिलाड़ियों के लिए सुनहरा अवसर हैं।

जेसीआई रांची का चुनाव संपन्न, अभिषेक जैन बने अध्यक्ष, सचिव साकेत अग्रवाल

बिभा संवाददाता

रांची : जेसीआई रांची की टीम 2026 का गठन हुआ, जिसमें जेसी अभिषेक जैन सर्वसम्मति से नव निर्वाचित अध्यक्ष वहीं साकेत अग्रवाल सचिव घोषित हुए। नई टीम 2026 के उपाध्यक्ष के पद पर आदित्य जालान, अनुभव अग्रवाल, अनिमेष निखिल, रवि आनंद, निशांत मोदी और निखिल अग्रवाल चुने गए। सह सचिव मनदीप सिंह व कोषाध्यक्ष ऋषभ जैन चुने गए। साथ ही संस्था के निदेशक ऋषभ जालान, अमन सिंघानिया, निखिल मोदी, ऋषभ छापड़िया, नितिन पोद्दार, उदित तुलस्यान, अमन पोद्दार, अग्निश मित्रा, किशन अग्रवाल, अनीश जैन, मयंक अग्रवाल, ऋषभ अग्रवाल, दीपक कुमार पटेल, रविकांत समोटा, अभिषेक ननोर्ली, शुभम बुधिया, मोहित बागला, अंकित अग्रवाल, सृजन हेतमसरिया व अंकित मोदी चुने गए।

चुनाव प्रक्रिया में मुख्य चुनाव आयुक्त का पदभार पूर्व अध्यक्ष विक्रम चौधरी, अमित खोवाल व गौरव अग्रवाल ने निष्ठापूर्वक निभाया।

तत्कालीन अध्यक्ष प्रतीक जैन ने नव निर्वाचित अध्यक्ष को माला पहना कर उन्हें बधाई दी, वही साकेत अग्रवाल ने धन्यवाद ज्ञापन कर सभी का धन्यवाद किया।

चुनाव प्रक्रिया में पूर्व अध्यक्ष राकेश जैन, आनंद धानुका, अभिषेक केडिया, मनीष रामसिसरिया, नारायण मुरारका, अरविंद राजगढ़िया, दीपक कुमार अग्रवाल का विशेष योगदान रहा।

यह जानकारी संस्था के प्रवक्ता आदित्य जालान ने सांझा की।

झारखंड के युवाओं का सेना में चयन जारी, एआरओ रांची जल्द जारी करेगा दूसरी मेरिट लिस्ट

बिभा संवाददाता

रांची: झारखंड के युवाओं के लिए भारतीय सेना में शामिल होने का मार्ग लगातार आगे बढ़ रहा है। आर्मी रिक्रूटमेंट ऑफिस (एआरओ) रांची द्वारा अगस्तझसितंबर 2025 में आयोजित भर्ती रैली में सफल हुए अग्निवीर अभ्यर्थियों का रेजिमेंटल सेंटरों के लिए चरणबद्ध डिस्पैच जारी है।

अब तक लगभग 750 उम्मीदवारों का चयन हो चुका है, जिनमें अग्निवीर जीडी, क्लर्क/एसकेटी, ट्रेड्समैन, टेक्निकल और नर्सिंग असिस्टेंट सहित सभी श्रेणियों के अभ्यर्थी शामिल हैं। सभी को एक बार में नहीं भेजा जा रहा है, बल्कि प्रतिदिन छोटे-छोटे बैचों में उम्मीदवारों का डिस्पैच किया जा रहा है, जिससे प्रक्रिया व्यवस्थित और त्रुटिरहित बनी रहे।

एआरओ रांची की टीम डॉक्यूमेंटेशन, मेडिकल वेरिफिकेशन, क्लियरेंस और रेजिमेंट-वार अलॉटमेंट की प्रक्रिया को अत्यंत सावधानी और निरंतर प्रयासों के साथ पूरा कर रही है। अधिकारियों ने बताया कि चरणबद्ध डिस्पैच का उद्देश्य है कि हर उम्मीदवार को सही मार्गदर्शन और व्यक्तिगत सहायता मिल सके।

एआरओ रांची ने यह भी बताया है कि दूसरी मेरिट लिस्ट शीघ्र जारी की जाएगी। इसके अंतर्गत और भी योग्य उम्मीदवारों को चयनित किया जाएगा। अग्निवीर योजना ने झारखंड के युवाओं को न केवल रोजगार का अवसर दिया है, बल्कि अनुशासन, साहस और राष्ट्रसेवा की राह भी प्रदान की है। चरणबद्ध डिस्पैच के माध्यम से ये युवा विभिन्न रेजिमेंटल सेंटरों में प्रशिक्षण प्राप्त करेंगे और भारतीय सेना की शक्ति में नया जोश भरेंगे।

एआरओ रांची ने सभी चयनित उम्मीदवारों के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए कहा है कि पूरी प्रक्रिया समयबद्ध तरीके से पूरी की जाएगी और अभ्यर्थियों को हर संभव सहायता उपलब्ध कराई जाएगी।

गणतंत्र दिवस पर होगा वंदे मातरम गायन, रक्षा मंत्रालय कर रहा आयोजन, प्रतिभागियों को मिलेंगे पुरस्कार

रांची(बिभा)। वंदे मातरम के 150वें वर्ष पर गणतंत्र दिवस समारोह 2026 के अवसर पर, रक्षा मंत्रालय और मायगोव इंडिया देशभर के नागरिकों, विशेषकर छात्रों और युवा कलाकारों को 'वंदे मातरम' विषय पर गायन प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए आमंत्रित कर रहे हैं। अपनी अनूठी आवाज में वंदे मातरम का गायन रिकॉर्ड कर भेजें। केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ ने बताया उत्कृष्ट प्रविष्टियों को विशेष सम्मान, नकद पुरस्कार और गणतंत्र दिवस परेड का विशेष निमंत्रण प्रदान किया जाएगा। इस प्रतियोगिता का उद्देश्य हमारी अमृत पीढ़ी में देशभक्ति की भावना को और भी और भी प्रज्वलित करना है। इसके माध्यम से युवा पढ़ी हमारी संस्कृति से भी जुड़ सकेगी। वंदे मातरम हर देशवासी के मन में ऊर्जा और उत्साह का संचार करता है। वंदे मातरम हर देशवासी के लिए ऊर्जा, सात्विकता, समर्पण, त्याग और तपस्या का मंत्र हैं। यह वो मंत्र है जिससे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विकसित भारत 2047 के लक्ष्य को पूर्ण करने में और भी ऊर्जा और शक्ति मिलेगी। इच्छुक विद्यार्थी, प्रतिभागी और युवा ज्यादा जानकारी के लिए Www.MyGov.in पर देख सकते हैं।

पूर्व मध्य रेल

निविदा सूचना

विद्युत (परिचालन) विभाग, धनबाद से सम्बंधित कार्य हेतु खुले ई–निविदा के लिए निविदा सूचना

मंडल रेल प्रबन्धक (विद्युत/परिचालन), पूर्व मध्य रेल, धनबाद द्वारा भारत के राष्ट्रपति की तरफ से निम्नलिखित कार्य के निष्पादन हेतु सक्षम संविदिकारों से ई–निविदा आमंत्रित की जाती हैं : **ई–निविदा संख्या–GEM/2025/B/6962069, dated 04/12/2025 क्र.सं. (1) कार्य का नाम, स्थान एवं समापन की अवधि :** धनबाद मंडल अंतर्गत चोपन, सिंगरौली, रेणुकूट एवं शक्तिनगर रनिंग रूम में इच्छुक क्रू को रियायती भोजन के लिए कच्चे माल की आपूर्ति और रियायती भोजन बनाने एवं लिनेन धुलाई का कार्य 01 वर्ष तक आउटसोर्सिंग के द्वारा कराने हेतु। **(2) कार्य के लिए प्राक्कलित राशि:** रू० 2,44,78,117.06 **(3) अग्रधन राशि :** रू० 2,72,400.00 **(4) ई–निविदा बंद होने और खुलने की तिथि एवं समय : ई–निविदा का बंद होना :** 25.12.2025 को 17:00 बजे। **ई निविदा का खुलना :** 25.12.2025 को 17:30 बजे। **(6) वेबसाईट का विवरण :** वेबसाईट **http://gem.gov.in** विशेष : ई–निविदा के तहत कसी भी प्रकार के मैन्युअल प्रस्ताव स्वीकार नहीं किये जाएंगे।

मंडल रेल प्रबंधक (विद्युत/परि.), धनबाद
पीआर/1401/डीएचएन/ईएलईसीटी/टी/25-26/36

पूर्व मध्य रेल

ई—निविदा सूचना

WAG9 लोकोमोटिवों में पारंपरिक ब्रेक रिगिंग का प्रावधान

भारत के राष्ट्रपति की ओर से वरीय मंडल यांत्रिक अभियंता/ पतरातू पूर्व मध्य रेल, पतरातू सुयोग्य एवं अनुभवी प्रतिष्ठानों या ठेकेदारों से ई–निविदा सं. **BulkRSP24-25BrakeRigging** हेतु खुला ई–निविदा आमंत्रित करती है। विववरण निम्नलिखित है। **क्रम सं०—(1) कार्य का नाम तथा स्थान** – WAG9 लोकोमोटिवों में पारंपरिक ब्रेक रिगिंग का प्रावधान। स्थान–पतरातू। **(2) कार्य का अनुमानित लागत : रू.** 5,90,80,837.79 (पाँच करोड़ नब्बे लाख अस्सी हजार आठ सौ सैंतीस रूपये और उनहत्तर पैसे मात्र) **(3) अग्रधन राशि :** रू. 4,45,400.00 (चार लाख पैंतालीस हजार चार सौ मात्र) (4) निविदा जमा करने तथा बंद होने की तिथि तथा समय : 22.12.2025 से 05.01.2026 को 15:00 बजे निविदा बंद होने तक। **(5) वेबसाईट का विवरण जहां निविदा दस्तावेज उपलब्ध है :** IREP वेबसाईट: www.ireps.gov.in / निविदा भरने वाले उनका मूल या परिशोधित निविदा प्रस्ताव केवल इसी वेबसाईट के माध्यम से ऑनलाइन प्रस्तुत कर सकते हैं। इस निविदा के तहत मैनुअल (हस्तनिर्मित) निविदा प्रस्ताव स्वीकार्य नहीं हैं तथा ऐसे किसी भी मैनुअल निविदा प्रस्ताव को नजरअंदाज कर दिया जाएगा। **सम्पूर्ण विस्तृत निविदा देखने के लिए सूचना पट्ट की स्थिति:** डीजल लोको शेड, पतरातू का सूचना पट्ट।

वरीय मंडल यांत्रिक अभियंता, पूर्व मध्य रेल/पतरातू
पीआर/1405/लोको शेड पतरातू/एमईसीएच/टी/25-26/40

सड़क हादसे में पिता - पुत्र की मौत, मुआवजे की मांग को लेकर स्वजनों ने ओएनजीसी के गेट को किया जाम

बिभा संवाददाता

बोकारो । रविवार देर शाम हुई दर्दनाक सड़क दुर्घटना में बाप-बेटे की मौत हो गई। मृतकों की पहचान बनगड़िया ओपी क्षेत्र के पर्वतपुर सिंह टोला निवासी कैलाश प्रसाद सिंह(59)और उनके पुत्र कृष्णा सिंह उर्फ. मनु (24) के रूप में हुई है। हादसे के बाद इलाके में तनाव का माहौल बन गया है। घटना रात की 8-9 बजे की है। परिजन ने बताया कि दोनों पिता पुत्र बगल में शादी पार्टी में महज 500 मीटर दुरी पर पर्वतपुर माजीटोला जा रहा था। इसी क्रम में ओएनजीसी कंपनी के अधीन चल रही लक्ष्या पावर टेक की गाड़ी संख्या जेएच 10 बीजी/ 5887 के चपेट में आया और घटनास्थल पर ही दोनों की मौत हो गया। मौके से गाड़ी भाग गया था लेकिन बाद में पकड़ा गया। परिजन को सोमवार सुबह 5 बजे घटना की जानकारी मिली। परिजन का रो रो कर बुरा हाल हो गया। मृतक कैलाश सिंह का दो पुत्र है। कृष्ण सिंह छोटे पुत्र था। स्वजनों ने आरोप लगाया है कि ओएनजीसी के अधीन कार्यरत लक्ष्या पावर टेक की एक गाड़ी ने उन्हें जोरदार टक्कर मार दी, जिससे दोनों की मौके पर ही मौत हो गई। आक्रोशित स्वजनों और ग्रामीणों ने दोनो शव को ओएनजीसी के जीसीएस प्लांट गेट पर रखकर मुआवजे की मांग शुरू कर दी। साथ ही चासझतलगड़िया पथ को बनगड़िया ओपी के समीप जाम कर दिया गया, जिससे आवागमन पूरी तरह बाधित हो गया।

घटना के संबंध में बताया गया कि कैलाश सिंह और कृष्णा सिंह शादी समारोह में शामिल होने जा रहे थे, तभी रास्ते में यह दर्दनाक हादसा हो गया। सूचना मिलने पर बनगड़िया ओपी की पुलिस और सीओ रवि कुमार आनंद मौके पर पहुंचे। घटना स्थल पर ओएनजीसी पदाधिकारी,लक्ष्या पावर टेक के पदाधिकारी थाना चंदनकियारी,सियालजोरी, बनगडिया ओपी,आमलाबाद ओपी तथा चास मु पुलिस पहुंच मामले का जायजा लिया । सीओ की उपस्थिति में ओएनजीसी अधिकारियों और स्वजनों के बीच वार्ता की कोशिश की गई, लेकिन देर शाम तक किसी तरह की सहमति नहीं बन पाई। आक्रोशित ग्रामीण मुआवजे और उचित कार्रवाई की मांग पर अड़े रहे। पुलिस प्रशासन स्थिति को नियंत्रित करने में जुटा हुआ है। इलाके में तनाव की स्थिति बनी हुई है।

बोकारो में विस्थापित मंच ने सांसद ढुल्लू महतो का पुतला फूंका, किया कड़ा विरोध

बिभा संवाददाता

बोकारो। सोमवार को नगर सेवा भवन के सामने बोकारो युवा विस्थापित विकास मंच के तत्वाधान में धनबाद लोकसभा सांसद ढुल्लू महतो के खिलाफ पुतला दहन कार्यक्रम आयोजित किया गया। मंच के संरक्षक रघुनाथ महतो ने सांसद पर विस्थापित विरोधी एवं विकास विरोधी बयानबाजी करने का आरोप लगाते हुए कहा कि बोकारो विधानसभा क्षेत्र के विस्थापितों ने कड़ी मेहनत कर इन्हें सांसद चुना था, लेकिन ढुल्लू महतो ने जनता की अपेक्षाओं पर खरा न उतरते हुए अतिक्रमणकारियों का समर्थन किया है।रघुनाथ महतो ने बताया कि बीएसएल प्रबंधन शहर के विकास के लिए अतिक्रमण हटाकर हवाई अड्डा से उड़ान सेवा शुरू करने की तैयारी कर रहा है, जबकि सांसद महतो इसके विरोध में जिला प्रशासन और बीएसएल प्रबंधन को धमकी दे रहे हैं, जो न्यायपालिका और प्रशासन के खिलाफ गंभीर मामला है।इस मौके पर मंच के संयोजक अधिवक्ता राकेश महतो ने बताया कि सांसद महतो विस्थापितों के हितों के खिलाफ कार्य कर रहे हैं और बोकारो में उनका प्रवेश नहीं दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि विस्थापितों ने इन्हें इसलिए जीताया था ताकि बीएसएनएल अप्रेंटिस में स्थानीय विस्थापितों को नियोजन मिले और इंजीनियरिंग कॉलेज खोला जा सके, लेकिन सांसद महतो अतिक्रमणकारियों के साथ मिलकर अपनी राजनीतिक चमक बनाने में लगे हैं।राकेश महतो ने सांसद को चेतावनी दी कि वे अपने विवादित बयानों के लिए सार्वजनिक माफी मांगें और जिला प्रशासन तथा बीएसएल प्रबंधन से सहयोग कर विस्थापित और रियतो की जमीन वापिस दिलवाएं। उन्होंने कहा कि यदि ऐसा नहीं हुआ तो सांसद महतो को बोकारो में प्रवेश निषिद्ध किया जाएगा।पुतला दहन कार्यक्रम में प्रदीप महतो, दीपक कुमार, प्रभात महतो, रोहित लाल नायक, राहुल कुमार, विक्रम महतो, संतोष महतो, हसानुल अंसारी, सुशील कुमार, जाकिर अंसारी, फिरोज अंसारी, चाणक्य ठाकुर, सोनू महतो, बबलू रजवार, गणेश साव, अर्जुन सिंह, गोपाल सिंह, दीपक पासवान एवं गिरिडीह लोकसभा उम्मीदवार ज्ञानेश्वर प्रसाद उर्फ गुड्डू जी समेत कई अन्य लोग उपस्थित थे।

संक्षिप्त खबरें

बोकारो के पत्रकार दिनेश पांडेय की पत्नी रीना पांडेय का निधन, आए हितग्राहियों ने जताया शोक

बोकारो(बिभा)। बोकारो के रफ़्तार मीडिया के वरिष्ठ पत्रकार दिनेश पांडेय की पत्नी, रीना पांडेय (50), का इलाज के दौरान सोमवार को बोकारो जनरल अस्पताल में निधन हो गया। रीना पांडेय पिछले आठ दिनों से अस्पताल में भर्ती थीं और चिकित्सकों की देखरेख में उनका उपचार जारी था।यह दुखद खबर मिलते ही पत्रकारों, समाजसेवियों और परिचितजन की भारी भीड़ अस्पताल पहुंची। सभी ने श्री पांडेय को इस दुखद घड़ी में ढांढस बंधाया और सहानुभूति व्यक्त की।पूर्व विधायक बिरंची नारायण समेत कई गणमान्य व्यक्ति भी रीना पांडेय के निधन पर शोक व्यक्त करने अस्पताल पहुँचे। शोक व्यक्त करने वालों में बी.के. पांडे, दिव्य खरे, बसंत मधुकर, अमरनाथ पोद्दार, चूमन कुमार, मनीष सिंह, संजीव कुमार, मृत्युंजय मिश्रा, मृत्युंजय शर्मा, पंकज सिंह, हेमंत कुमार, अजीत कुमार,नितेश वर्मा, कैलाश गोस्वामी, मनोज शर्मा, अनिल कुमार, हिमांशु वर्मा, हिमांशु कुमार, जयलक्ष्मी, सुरेंद्र कुमार, संजीव सिंह सहित सैकड़ों पत्रकार व समाजसेवी शामिल रहे।परिजनों और सहयोगियों ने दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की है और परिवार को इस कठिन समय में साहस और शक्ति देने की कामना की है।

संकल्प सृजन के तहत बच्चों में स्वेटर का वितरण

बोकारो(बिभा)। ठंड के बढ़ते प्रकोप के बीच शिशु सृजन वाटिका के बच्चों को स्वेटर वितरित कर गर्माहट का तोहफा दिया गया। माता अनसुया शिशु सृजन वाटिका, भगत कॉलोनी एवं सावित्री बाई फुले शिशु सृजन वाटिका, सोनाटांड़ के छोटे-छोटे बच्चे 8 दिसंबर 2025 को इस उपक्रम से लाभान्वित हुए।विशिष्ट समाजसेवी एवं संकल्प सृजन के संरक्षक श्री राजीव रंजन सिन्हा के सहयोग से यह सेवा आयोजित की गई। संस्था की महासचिव साध्वी झा ने बच्चों को खुद से स्वेटर पहनाकर उन्हें घर भेजा, जिससे उनकी खुशी देखते ही बनी।इस अवसर पर बिनु पाठक, बबिता, शैलकुमारी देवी, सरिता और प्रीति समेत अन्य सहयोगी भी उपस्थित रहे और अपनी सेवा निरंतर जारी रखने का विश्वास दिलाया। इस पहल से नन्हें बच्चों को ठंड से बचाव के साथ-साथ सामाजिक सद्भावना व सेवा का सन्देश भी मिला।संस्था ने इस प्रयास के लिए सभी सहयोगियों का हृदय से धन्यवाद किया है।

आईटीआई मोड़ चौक, चास में सांसद ढुल्लू महतो के बयान का विरोध, पुतला दहन

बोकारो(बिभा) । आईटीआई मोड़ चौक, चास में छात्र नेता युगदेव माहथा एवं केंद्रीय अध्यक्ष निमाई महतो (जेबीएसएस) के नेतृत्व में स्थानीय ग्रामीणों ने धनबाद सांसद ढुल्लू महतो द्वारा एयरपोर्ट निर्माण और झुग्गी-झोपड़ी में अवैध रूप से निवास करने वाले लोगों के समर्थन में दिए गए बयान का कड़ा विरोध किया। प्रदर्शनकारियों ने सांसद का पुतला दहन कर अपनी नाराजगी जताई।वक्ताओं ने सांसद के बयान को विस्थापितों के साथ दोहरी राजनीति करार दिया। उनका कहना था कि बोकारो के लोग अब इस प्रकार की राजनीतिक चालों को भलीभाँति समझ चुके हैं और विस्थापितों को भ्रमित करने या उन्हें कमतर समझने की किसी को भी अनुमति नहीं दी जाएगी।छात्र नेता युगदेव माहथा ने कहा, सांसद अभी तक प्रेम महतो को न्याय नहीं दिला पाए हैं और अब जबरन कब्जाधारियों के समर्थन की बातें कर रहे हैं। बोकारो के युवाओं को रोजगार चाहिए, न कि खोखले और झूठे आश्वासन। युगदेव ने आगे कहा कि बोकारो का युवा वर्ग अब जागरूक हो चुका है और किसी भी तरह की दोहरी राजनीति को बर्दाश्त नहीं करेगा। इस प्रदर्शन में राकेश महथा, विक्रम महतो, गांधी गोपे, जयराम महतो, राहुल महथा, अक्षय महतो, साकिब जमाल, कान्हैया पांडे, रवि महतो सहित कई स्थानीय लोग उपस्थित थे।

10 दिवसीय इस्पातांचल स्वदेशी मेला 27जनवरी से

बोकारो (बिभा): स्वदेशी जागरण मंच की एक अहम बैठक संघ कार्यालय, सेक्टर-2 में जिला संयोजक प्रमोद कुमार सिन्हा की अध्यक्षता में संपन्न हुई कजिसमें सर्वसम्मति से आगामी 27 जनवरी से 05 फरवरी तक मजदूर मैदान, सेक्टर-4 में 10 दिवसीय इस्पातांचल स्वदेशी मेला लगाने का निर्णय लिया गया क जिसकी तैयारी में कार्यकर्ता जोर शोर से लग गए हैं कइसके पूर्व अखिल भारतीय मेला प्रमुख शचीन्द्र कुमार बरियार के निवास पर एक वृहत्त बैठक हुई थी कजिसमें स्वदेशी मेला के मार्केटिंग के लिए एक टीम गठन की गई थी कटीम में दिलीप वर्मा, अजय कुमार सिंह, जयशंकर प्रसाद, नवीन सिन्हा एवं दीपक शर्मा की घोषणा राष्ट्रीय मेला प्रमुख शचीन्द्र कुमार बरियार एवं क्षेत्रीय संयोजक अमरेन्द्र कुमार सिंह द्वारा की गई कटीम के सदस्यों को मेला के मार्केटिंग हेतु जोर शोर से लग जाने का निर्देश दिया गया।

जिला पुस्तकालय में उपयोगी पुस्तकों का करें समावेशः उपायुक्त

बिभा संवाददाता

बोकारो : उपायुक्त श्री अजय नाथ झा ने चास मेन रोड स्थित जिला परिषद मॉल एवं इसके ऊपरी तल्ल में अवस्थित जिला पुस्तकालय का औचक निरीक्षण किया। मौके पर उप विकास आयुक्त श्रीमती शताब्दी मजूमदार, अपर समाहर्ता मो मुमताज अंसारी, जिला अभियंता श्री हरी दास एवं अन्य पदाधिकारीगण उपस्थित थे।

औचक निरीक्षण के क्रम में उपायुक्त श्री अजय नाथ झा ने संपूर्ण भवन में साफ सफाई सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। उन्होंने आगे कहा कि पुस्तकालय एवं जिला परिषद मॉल के बेहतर रख- रखाव हेतु विहित प्रक्रिया अपनाते हुए एक एजेंसी का चयन करें जो इसके संपूर्ण संचालन एवं साफ सफाई की नियमित व्यवस्था करें। उन्होंने *उप विकास आयुक्त श्रीमती शताब्दी मजूमदार* की अध्यक्षता में एक संचालन समिति का गठन करने का निर्देश दिया ताकि संपूर्ण काम पर यथोचित निगरानी रखी जा सके।

जिला पुस्तकालय में उपयोगी पुस्तकों का करें समावेश-

उपायुक्त श्री अजय नाथ झा ने जिला पुस्तकालय में बेहतर ज्ञान, परिवेश, आम व्यक्तियों, विद्यार्थियों के लिए उपयोगी पुस्तकों का समावेश करने का निर्देश दिया। साथ ही प्रतियोगी परीक्षा में उपयोगी बेहतर से बेहतर पुस्तकें भी पुस्तकालय में शामिल करने का भी निर्देश दिया। निरीक्षण के दौरान जिला पंचायती राज पदाधिकारी मो सफीक आलम, जिला जनसंपर्क पदाधिकारी श्री रवि कुमार, जिला आपदा प्रबंधन पदाधिकारी श्री शक्ति कुमार, वरीय लेखा पदाधिकारी श्री पंकज दुबे एवं अन्य उपस्थित थे।

सदर अस्पताल की दंत चिकित्सक डॉक्टर तूलिका के द्वारा काला पत्थर निवासी महिला का जबड़ा सही स्थान पर लाकर सफल उपचार किया

बोकारो : सिविल सर्जन डॉ अभय भूषण प्रसाद के निर्देशन में सदर अस्पताल बोकारो के दंत चिकित्सक डॉक्टर तूलिका सिंह एवं उनकी टीम के द्वारा 64 वर्षीय बुजुर्ग महिला जो कि चास प्रखंड की कालापत्थर ग्राम पंचायत की रहने वाली थी, जिसका कल शाम को सोकर उठने के पश्चात जमाई लेने के दौरान दोनों जबड़ा अपनी जगह से हट गया। इसके उपचार हेतु आज सुबह सदर अस्पताल में लाया गया था, जिसे सदर अस्पताल की दंत चिकित्सक डॉक्टर तूलिका के द्वारा उक्त महिला का जबड़ा सही स्थान पर लाकर सफल उपचार किया गया। दंत चिकित्सक डॉक्टर तूलिका द्वारा बताया गया कि टेम्पोरोमैंडिबुलर जॉइंटः यह वह जोड़ (जॉइंट) है जो निचले जबड़े (मैंडिबल) को खोपड़ी से जोड़ता है। यह कान के ठीक सामने होता है। यह समस्या तब आता है जब व्यक्ति के निचले जबड़े के दोनों जोड़ अपनी सामान्य स्थिति से हट जाते हैं, जिससे मुंह खुला रह सकता है और व्यक्ति उसे बंद नहीं कर पाता है। इस तरह की समस्याओं का इलाज बोकारो सदर अस्पताल में उपलब्ध है समय रहते व्यक्ति दंत चिकित्सक से संपर्क करें और अपना इलाज कर सकते हैं। उपचार के दौरान दंत चिकित्सक डॉक्टर तूलिका सिंह असिस्टेंट संजय कुमार विक्की एवं मोती कुमारी उपस्थित थे।

बीएसएल के सीएसआर अंतर्गत निःशुल्क स्वास्थ्य शिविरों का सफल आयोजन

बिभा संवाददाता

बोकारो। बोकारो स्टील प्लांट (बीएसएल) के कॉर्पोरेट सोशल रिस्पॉन्सिबिलिटी (सीएसआर) पहल के तहत परिधीय ग्रामीण इलाकों में स्वास्थ्य सेवाएं लगातार पहुंचाई जा रही हैं। इस प्रयास के तहत इस्पात संजीवनी मोबाइल मेडिकल यूनिट (एमएमयू) द्वारा रितुडीह, बांसगोड़ा, तांतरी और मानगो गांवों में निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर आयोजित किए गए, जिनमें लगभग 380 ग्रामीणों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया।स्वास्थ्य शिविर में उपस्थित चिकित्सकों ने ग्रामीणों को आवश्यक जांच और परामर्श प्रदान किया। आई स्क्रीनिंग के दौरान 47 मरीजों को मोतियाबिंद सर्जरी के लिए बोकारो जनरल अस्पताल (बीजीएच) में उपचार हेतु रेफर किया गया। इसके अलावा, झारखंड राज्य एड्स नियंत्रण सोसाइटी के सहयोग से 127 ग्रामीणों को एड्स के प्रति जागरूक करने वाले महत्वपूर्ण परामर्श दिए गए, जिससे क्षेत्र में स्वास्थ्य जागरूकता में वृद्धि हुई है।बीएसएल के सीएसआर कार्यक्रम और पीरामल स्वास्थ्य के सहयोग से वर्ष 2016 से संचालित इस्पात संजीवनी मोबाइल मेडिकल यूनिट अब तक डेढ़ लाख से अधिक ग्रामीणों का स्वास्थ्य परीक्षण कर चुकी है। यह यूनिट हर महीने 45 परिधीय गांवों का दौरा करती है। एमएमयू में डॉक्टर, नर्स, फार्मासिस्ट सहित पैरामेडिक्स की पूरी टीम तैनात रहती है, जो ग्रामीणों का बुनियादी स्वास्थ्य परीक्षण कर आवश्यक दवाइयों का मुफ्त वितरण करती है।बीएसएल की यह पहल ग्रामीण स्वास्थ्य व्यवस्था को मजबूत करने के लिए मिसाल कायम कर रही है और ग्रामीणों के लिए स्वास्थ्य सेवाओं को सुगम बनाने में सहायक सिद्ध हो रही है। स्थानीय लोगों ने इस सेवा को सराहा है और इसके विस्तार की उम्मीद जताई है।यह स्वास्थ्य शिविर बीएसएल के सामाजिक दायित्व की स्मृद्ध परंपरा को नई ऊंचाई पर ले जाने में मील का पत्थर साबित हो रहा है।

कोसोफ ट्रस्ट ने सेक्टर-4 बुद्ध विहार में चलाया हरित अभियान

हर व्यक्ति को दो चार पेड़ अपने जीवन में लगाना चाहिए.तभी देश हराभरा होगा : रामबचन प्रियदर्शी

बिभा संवाददाता

बोकारो। कौशल ट्रस्ट (कोसोफ ट्रस्ट) के सौजन्य से सेक्टर-4 स्थित बुद्ध विहार में रविवार को पर्यावरण संरक्षण एवं वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम की शुरूआत राष्ट्रगान के साथ हुई, जिसका नेतृत्व उदय कुमार गुप्ता ने किया। संस्था के संस्थापक-अध्यक्ष रामबचन प्रियदर्शी ने बताया कि हरित-भारत अभियान की शुरूआत बड़ौदा से हुई थी और अब यह पूरे देश में स्वच्छ व हरा-भरा वातावरण के संकल्प के साथ संचालित हो रहा है।

प्रियदर्शी ने कहा कि सड़क निर्माण, अवैध कटान और रोजगार के नाम पर तेजी से हो रही पेड़ों की कटाई ने पर्यावरण को गंभीर रूप से प्रभावित किया है। उन्होंने स्पष्ट किया कि संस्था केवल पेड़ लगाने तक सीमित नहीं है, बल्कि पौधों की सुरक्षा और नियमित देखभाल भी करती है ताकि वे फलदार और मजबूत बन सकें। कोरोना महामारी ने ऑक्सीजन के महत्व को उजागर किया है, इसलिए प्रत्येक व्यक्ति को अपने नाम से कम से कम एक पेड़ अवश्य लगाना चाहिए।

उन्होंने कहा कि हिंदू परंपरा में अंतिम संस्कार के लिए लकड़ी की आवश्यकता होती है, ऐसे में पेड़ लगाना और उनका संरक्षण भविष्य के लिए जिम्मेदारी भी है। कार्यक्रम का उद्देश्य लोगों को स्वच्छ हवा, हरियाली और स्वस्थ जीवन के प्रति जागरूक करना रहा। ट्रस्ट का मानना है कि यदि हर व्यक्ति एक पेड़ लगाए तो आने वाली पीढ़ियों के लिए सुरक्षित और स्वच्छ वातावरण सुनिश्चित किया जा सकता है। कार्यक्रम में कुणाल पाण्डेय, नितेश कुमार गुप्ता, उदय कुमार गुप्ता, पूनम, कुलेश्वर, डेरालाल, नागदेव जोगी सहित कई स्थानीय लोग शामिल हुए।

बोकारो स्टील प्लांट में आयोजित हुआ एक नए सफर की शुरूआत कार्यक्रम, सेवानिवृत्त कर्मियों को दी महत्वपूर्ण जानकारी

बिभा संवाददाता

बोकारो। बोकारो स्टील प्लांट के मानव संसाधन विभाग द्वारा सेवानिवृत्त होने वाले कर्मियों के लिए ह्लएक नए सफर की शुरूआतह्व शीर्षक से एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम 8 दिसंबर को ज्ञानार्जन एवं विकास विभाग के मेन ऑडिटोरियम में सम्पन्न हुआ, जिसमें प्लांट के दिसम्बर 2025 में सेवानिवृत्त होने वाले सभी कर्मियों ने भाग लिया।कार्यक्रम की शुरूआत वरीय प्रबंधक (मानव संसाधन झ अंतिम निपटारा प्रकोष्ठ) श्रीमती कल्पना ने सभी अतिथियों और उपस्थित कर्मियों का हार्दिक स्वागत करते हुए नई मेडिक्लेम योजना की जानकारी दी। उन्होंने कार्यक्रम के उद्देश्य से भी प्रतिभागियों को अवगत कराया, जिसका मुख्य ध्यान सेवानिवृत्ति से जुड़ी औपचारिकताओं तथा सेवानिवृत्ति उपरांत जीवन में उत्पन्न होने वाले बदलावों के समुचित प्रबंधन पर केंद्रित था।उप महाप्रबंधक (वित्त एवं लेखा) श्री अनुपम शी ने वित्तीय प्रबंधन से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारियाँ साझा कीं, जबकि नगर प्रशासन विभाग के कनिष्ठ प्रबंधक श्री प्रणव कुमार बिद्रोही ने आवास प्रतिधारण नीति पर विस्तृत प्रकाश डाला। इस्पात कर्मियों के स्वास्थ्य और जीवनशैली के महत्वपूर्ण पहलुओं पर डॉ. जया लक्ष्मी (चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवाएँ) एवं योग गुरु श्री के बी मिश्रा ने व्याख्यान दिया। इसके अलावा, यूनियन बैंक ऑफ इंडिया के मुख्य प्रबंधक श्री परितोष कुमार और प्रबंधक श्री भानु गोपाल की टीम द्वारा वरिष्ठ नागरिकों के लिए धन निवेश विकल्प तथा बैंकिंग सुविधाओं की जानकारी प्रदान की गई।एन.पी.एस. एग्जिट प्रक्रिया पर एक्सिस मैक्स लाइफ इंश्योरेंस कंपनी के प्रबंधक श्री अभय कुमार सिंह ने विस्तृत विवरण प्रस्तुत किया। अंतिम निपटारा प्रकोष्ठ की सुश्री अनीता झा ने अंतिम निपटारा से जुड़ी क्रियाओं एवं प्रक्रियाओं की जानकारी देते हुए कर्मियों के तमाम प्रश्नों का समाधान किया।कार्यक्रम का समापन वरीय प्रबंधक (मानव संसाधन-अंतिम निपटारा प्रकोष्ठ) श्रीमती कल्पना ने सभी अतिथियों एवं कर्मियों का धन्यवाद ज्ञापन करते हुए किया। इस कार्यक्रम ने सेवानिवृत्त कर्मियों को आने वाले नए जीवन के लिए आवश्यक तैयारियों में एक महत्वपूर्ण मंच प्रदान किया।

चास में निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर का सफल आयोजन, 250 से अधिक लाभान्वित

बिभा संवाददाता

बोकारो: झारखंड स्वास्थ्य मिशन रांची एवं ओसियन एजुकेशनल एंड वेलफेयर ट्रस्ट के संयुक्त तत्वाधान में रामनगर कॉलोनी चास के सीताराम चौक पुराना बांध स्थित निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर का सफल आयोजन किया गया। इस शिविर में शहर एवं ग्रामीण क्षेत्र के करीब 250 लोगों को ब्लड प्रेशर, शुगर, जेनरल रोग, स्त्री रोग, हड्डी एवं नस, नेत्र रोग, दंत रोग तथा हियरिंग (सुनने की) जांच निःशुल्क प्रदान की गई। स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच को व्यापक बनाने के उद्देश्य से आयोजित इस पहल में किसी भी व्यक्ति को बुनियादी स्वास्थ्य जांच एवं रक्तदान से वंचित न रहने का खास ध्यान रखा गया। इस कार्यक्रम में झारखंड स्वास्थ्य मिशन रांची के अध्यक्ष संतोष सोनी तथा ओसियन एजुकेशनल एंड वेलफेयर ट्रस्ट के अध्यक्ष ओम प्रकाश के नेतृत्व में रितु कुमारी, मुस्कान कुमारी, विजेता कुमारी सहित अन्य ने सक्रिय भूमिका निभाई। शिविर को सफल बनाने में अमृत हॉस्पिटल रांची के डायरेक्टर डॉ. प्रदीप कुमार द्विवेदी, डॉ. नीलू, अभिषेक कुमार सिंह, प्रदीप कुमार यादव, सपना कुमारी, डॉ. कुमार, डेंटल क्लिनिक के डॉ. कोशिल कुमार, आयुक्ता डेंटल क्लिनिक के डॉ. अरुण प्रसाद, धनबाद के हियर जैप क्लीनिक के डायरेक्टर अमृतांशु कुमार, रामगढ़ की सुनीता आई हॉस्पिटल के डायरेक्टर डॉ. सुनील कुमार साव, अजीत कुमार, नेहा कुमारी, सपना तिर्की, ओम प्रकाश महतो, रांची बरियातू स्थित एक्यूपल्स डायग्नोस्टिक के डायरेक्टर मो. सनाउल्लाह, मोकर्रम तथा शिविर आयोजक जय कुमार पांडेय उपाध्यक्ष चास नगर समिति झामुमो और प्रेम राय झामुमो का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

उपायुक्त ने केंदुआडीह में जहरीली गैस रिसाव मामले को लेकर एनडीआरएफ की एक्सपर्ट टीम के साथ की बैठक

02 मजिस्ट्रेट और 40 जवान करेंगे प्रभावित क्षेत्रों की निगरानी

प्रभावित क्षेत्रों का व्यापक निरीक्षण, अद्यतन आँकड़ों की तत्काल उपलब्धता तथा लोगों के सुरक्षित विस्थापन पर दिया गया जोर

बिभा संवाददाता

धनबाद। केंदुआडीह क्षेत्र में पिछले कुछ दिनों से जारी जहरीली गैस रिसाव की स्थिति को देखते हुए उपायुक्त आदित्य रंजन की अध्यक्षता में बैठक आयोजित की गई। बैठक में राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ) की एक्सपर्ट टीम, जिला प्रशासन के पदाधिकारी उपस्थित थे।
बैठक का उद्देश्य प्रभावित क्षेत्रों की वास्तविक स्थिति का मूल्यांकन, गैस रिसाव के कारणों का वैज्ञानिक विश्लेषण, राहत एवं बचाव कार्यों की प्रगति की समीक्षा तथा आगे की रणनीति तय करना था।
उपायुक्त आदित्य रंजन ने बैठक में स्पष्ट निर्देश दिया कि एनडीआरएफ की एक्सपर्ट टीम प्रभावित इलाकों का विस्तृत निरीक्षण कर गैस रिसाव से संबंधित अद्यतन आँकड़े शीघ्र उपलब्ध कराए, ताकि राहत कार्यों में तेजी लाई जा सके। उन्होंने कहा कि स्थिति संवेदनशील है और प्रत्येक मिनट का प्रभाव सीधे प्रभावित परिवारों की सुरक्षा से जुड़ा है। इसको ध्यान में रखते हुए उपायुक्त ने 02 कार्यपालक दंडाधिकारी (मजिस्ट्रेट) तथा 40 सुरक्षा बलों की तैनाती प्रभावित क्षेत्रों में करने का निर्देश दिया, ताकि निगरानी एवं नियंत्रक व्यवस्था सुदृढ़ बनाई जा सके।
उपायुक्त ने बताया कि जिला प्रशासन द्वारा प्रभावित लोगों को बेलगड़िया तथा कमार्टाड़ टाउनशिप में स्थानांतरित करने के विकल्प उपलब्ध कराए जा रहे हैं, ताकि लोग अपनी सुविधा एवं इच्छा के अनुसार सुरक्षित स्थान चुन सकें।जिला प्रशासन का प्राथमिक लक्ष्य है कि किसी भी व्यक्ति का जीवन खतरे में न पड़े तथा सभी को सुरक्षित वातावरण मुहैया कराया जा सके।

बालूमाथ प्रखंड को मिली बड़ी और ऐतिहासिक सौगात, 38 करोड़ की लागत से डिग्री कॉलेज को मंजूरी

बिभा संवाददाता

लातेहार/बालूमाथः झारखंड मुक्ति मोर्चा लातेहार जिला अध्यक्ष लाल मोती नाथ शाहदेव ने बालूमाथ में कैबिनेट द्वारा 38 करोड़ रुपये की लागत से डिग्री कॉलेज की मंजूरी मिलने पर माननीय मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को आभार व्यक्त किया है। उन्होंने इस फैसले को लातेहार जिले के शैक्षणिक विकास की दिशा में मील का पत्थर बताया।
जिला अध्यक्ष ने कहा कि बालूमाथ प्रखंड एक बड़ा जनसंख्या वाला और भौगोलिक रूप से महत्वपूर्ण क्षेत्र है, जहाँ वर्षों से डिग्री कॉलेज की मांग की जा रही थी। इस क्षेत्र के छात्र-छात्राओं को उच्च शिक्षा के लिए लातेहार, हजारीबाग, रांची या बाहर के जिलों पर निर्भर रहना पड़ता था, जिससे कई प्रतिभाशाली विद्यार्थी आर्थिक कमजोरियों के कारण उच्च शिक्षा से वंचित हो जाते थे।
श्री शहदेव ने कहा मुख्यमंत्री के इस महत्वपूर्ण निर्णय से हजारों विद्यार्थियों का भविष्य उज्ज्वल होगा। बालूमाथ में डिग्री कॉलेज की स्थापना से शिक्षा का माहौल मजबूत होगा, स्थानीय युवाओं को अवसर मिलेगा और क्षेत्र में सामाजिक-आर्थिक विकास की नई राह खुलेगी।
जिला अध्यक्ष ने आगे कहा कि लातेहार जिले के अन्य क्षेत्रों में भी उच्च शिक्षा के लिए बुनियादी संरचना की आवश्यकता है। उन्होंने साफ कहा कि आने वाले दिनों में वह चंदवा प्रखंड में भी डिग्री कॉलेज की स्थापना की मांग मुख्यमंत्री के समक्ष जोरदार तरीके से रखेंगे। चंदवा प्रखंड तेजी से विकसित हो रहा है। रेलवे, उद्योग और सड़क संपर्क इसे एक महत्वपूर्ण क्षेत्र बनाते हैं। लेकिन उच्च शिक्षा की कमी वहाँ के युवाओं के लिए बड़ी बाधा है।
लाल मोती नाथ शाहदेव ने यह भी कहा कि वर्तमान सरकार शिक्षा, स्वास्थ्य और ग्रामीण विकास के क्षेत्र में लगातार ऐतिहासिक निर्णय ले रही है। उन्होंने उम्मीद जताई कि आने वाले समय में लातेहार जिला शिक्षा के क्षेत्र में राज्य का अग्रणी जिला बनेगा।

बरमसिया में 15 लाख की चोरी, दो बन्द घरों को चोरों ने बनाया निशाना, चार संदिग्ध सीसीटीवी में कैद

बिभा संवाददाता

धनबाद। धनसार थाना क्षेत्र के बरमसिया शिवपुरी नगर में चोरी की एक बड़ी वारदात सामने आई है। जहाँ चोरों ने दो बंद घरों को निशाना बनाकर 10 से 15 लाख रुपये की संपत्ति पर हाथ साफ कर दिया है। चोरों ने घटना को उस समय अंजाम दिया, जब दोनों घरों के सदस्य एक सगाई समारोह में शामिल होने के लिए जमशेदपुर गए हुए थे।
पीड़ित परिवार को चोरी की जानकारी एक कूरियर बॉय के द्वारा मिली। जब कूरियर बॉय सामान देने के लिए 7 दिसंबर को घर पहुँचा तो घर का ताला टूटा देखकर उन्होंने गृहस्वामी को फोन पर घटना की जानकारी दी। घटना की जानकारी मिलने के बाद पीड़ित परिवार घर पहुंचे और जांच पड़ताल के बाद 8 दिसंबर को धनसार पुलिस को चोरी की लिखित शिकायत दर्ज कराई।
वहीं घटना के संबंध में पीड़ित रवि राज और नीमा श्रीवास्तव ने बताया कि पूरा परिवार सगाई के सिलसिले में जमशेदपुर गए थे। इसी बीच चोरों ने बंद घरों को निशाना बना लिया। उन्होंने कहा कि चोरों ने घर में रखी आलमारी और पलंग खोलकर सोना-चांदी के आभूषण और करीब 1 लाख रुपये नकद चोरी कर ली। दूसरे घर से भी लगभग 8 से 10 लाख रुपये मूल्य के आभूषण गायब पाए गए। उन्होंने कहा मुख्य सड़क पर लगे सीसीटीवी कैमरे में चार नकाबपोश संदिग्ध दिखाई दिए हैं। फुटेज में चोर गली से निकलते समय घर का बैग ले जाते स्पष्ट दिख रहे हैं। वहीं, पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है।
घटना के बाद स्थानीय लोग और पीड़ित परिवार ने पुलिस की रात्रि गश्ती व्यवस्था पर सवाल उठाया हैं। लोगों का कहना है कि पेट्रोलिंग सही तरीके से होती तो इतनी बड़ी चोरी नहीं होती।

संक्षिप्त खबरें

सड़क किनारे अवैध दुकान व पार्किंग पर यातायात विभाग और नगर निगम की संयुक्त कार्रवाई

धनबाद(बिभा)। यातायात पुलिस और नगर निगम की संयुक्त टीम ने सोमवार को फिर से सिटी सेंटर से लेकर सिंफर गेट तक अभियान चलाकर सड़क किनारे अवैध रूप से लगी दुकानों और सड़क पर खड़ी गाड़ियों पर सख्त कार्रवाई की। सड़क पर बढ़ते जाम की समस्या और अव्यवस्था को देखते हुए अवैध पार्किंग और रॉन्ग साइड ड्राइविंग पर विशेष जांच की गई, जिसके तहत कई वाहन चालकों पर फाइन भी लगाया गया। साथ ही दुकानदारों को सड़क पर दुकान न लगाने की भी सख्त हिदायत दी गई। इस दौरान नगर निगम के फूड इंस्पेक्टर अनिल कुमार ने सिंफर गेट के पास सब्जी विक्रेताओं को दुकान पीछे हटाकर लगाने का निर्देश दिया, ताकि सड़क पर जाम की स्थिति न बने, साथ हीं स्वच्छता बनी रहे। अधिकारियों ने साफ कहा कि निर्देश नहीं मानने वालों पर कड़ी कार्रवाई और जुमार्ना लगाया जाएगा।

निजी कंपनी करेगी बिरसा मुंडा पार्क और शादी घरों का रखरखाव

धनबाद(बिभा)। नगर निगम ने बिरसा मुंडा पार्क और कुछ शादी घरों (मैरिज हॉल) के रखरखाव की जिम्मेदारी अब किसी निजी कंपनी को सौंपने का बड़ा फैसला लिया है, क्योंकि निगम को पार्क संचालन घाटे का सौदा लग रहा था, जिसके बाद यह निर्णय लिया गया है कि दिसंबर के बाद पार्क का जिम्मा निगम नहीं लेगा और इसे जिला प्रशासन को वापस सौंपा जाएगा, या किसी निजी कंपनी को दिया जाएगा, ताकि इनके रखरखाव और संचालन की समस्या खत्म हो सके, जिससे निगम पर वित्तीय बोझ कम हो सके। 15 दिसंबर को इन परिसंपत्तियों की खुली नीलामी होगी, जिसमें इच्छुक कंपनियां भाग ले सकेंगी। पार्क के झूले ड्रैगन ट्रेन, धूम, वरटैक्स और जंपिंग का संचालन भी आउटसोर्स कंपनी करेगी। विवाह भवनों के लिए तय की गई बंदोबस्ती राशि से निगम को भी अच्छी आमदनी होगी। निगम के अधिकारी आश्वस्त हैं कि इस नई व्यवस्था से सफाई, मेंटेनेंस और सेवा में सुधार होगा, जिससे आम जनता को बेहतर सुविधाएं मिलेंगी। इस बड़े बदलाव से धनबाद के पर्यटक स्थल और आयोजन स्थल दोनों ही नए स्वरूप में चमकेंगे और शहर का विकास भी होगा।

बीसीसीएल ने गैस प्रभावित इलाके में चस्पाया चेतावनी नोटिस, यहाँ रहना खतरे से खाली नहीं

धनबाद(बिभा)। केंदुआडीह गैस रिसाव मामला आहिस्ता - आहिस्ता गंभीर होती जा रही है। बीसीसीएल प्रबंधन ने सोमवार को गैस प्रभावित बस्ती के सभी घरों के दीवार पर नोटिस चिपकाकर क्षेत्र को असुरक्षित घोषित कर दिया है। नोटिस में स्पष्ट रूप से लिखा गया है कि यह क्षेत्र असुरक्षित है, वर्तमान स्थिति में यहां रहना खतरनाक है। गैस की वजह से जान का खतरा है। प्रबंधन के काफी प्रयासों के बावजूद भी स्थिति में कोई सुधार नहीं हुआ है। इसलिए लोग फिलहाल इस क्षेत्र में न रहें। बीसीसीएल की ओर से लगाए जा रहे ये नोटिस प्रभावित क्षेत्र के हर घर की दीवारों पर चिपकाया जा रहा हैं, ताकि लोगों को संभावित खतरे से अवगत कराया जा सके। हालांकि कई स्थानों पर स्थानीय निवासियों ने इस नोटिसों का विरोध भी किया है। उनका कहना है कि वे अपने घर और जमीन को छोड़कर नहीं जाएंगे चाहे कितनी भी चेतावनी क्यों न दी जाए। गैस रिसाव की स्थिति और लोगों की सुरक्षा को लेकर तनाव बना हुआ है। दूसरी ओर जिला प्रशासन और बीसीसीएल की टीमें लगातार स्थिति की निगरानी कर रही हैं।

बुधनी हटिया तोपचांची परिक्षेत्र में बाइक ऑटो पार्किंग को लेकर तोपचांची सीओ को दिया गया ज्ञापन

गोमो(बिभा)। आजसू नेता सह सामाजिक कार्यकर्ता सदानंद महतो ने तोपचांची अंचला अधिकारी को साप्ताहिक बुदनी हटिया परिक्षेत्र में बाइक ऑटो पार्किंग व्यवस्था करने संबंधी ज्ञापन सौंपा। इस ज्ञापन में अंचला अधिकारी का ध्यान आकृष्ट करते आग्रह किया गया है कि हटिया परिक्षेत्र एवं जीटी रोड के दोनों ओर से फुटपाथ में बाईकऑटो के बेतरतीब पार्किंग की वजह से अकसर दुर्घटनाएं और बाइक चोरी की घटनाएं होती रहती है .इन घटनाओं से आमजनों और हाटदारों को काफी नुकसान व परेशानी हो रही है .इसके निजात पाने के लिए एवं सुव्यवस्थित हटिया संचालन हेतु बाइक ऑटो पार्किंग व्यवस्था करने की मांग आजसू नेता सह सामाजिक कार्यकर्ता सदानंद महतो ने की है. वहीं इस सम्बंध में तोपचांची थाना प्रभारी को प्रतिलिपि दी गई है।

केंदुआडीह गैस रिसाव मामला : लोगों ने विस्थापन की पेशकश को ठुकराया, कहा- मर जाएंगे, लेकिन, अपनी जमीन नहीं छोड़ेंगे

बिभा संवाददता

धनबाद। केंदुआडीह गैस रिसाव से प्रभावित बस्ती के लोगों ने विस्थापन को लेकर बीसीसीएल के प्रस्ताव को एक सिरे से खारिज कर दिया है। प्रभावित ग्रामीणों ने सोमवार एक प्रेस वार्ता आयोजित कर एक स्वर में ऐलान किया कि 'मर जाएंगे, लेकिन अपनी यह जमीन छोड़कर बेलगड़िया या करमाटांड नहीं जाएंगे।
केंदुआडीह बस्ती के लोगों ने अपनी पीढ़ी दर पीढ़ी की विरासत का हवाला देते हुए विस्थापन का कड़ा विरोध किया है। निवासियों का कहना है कि गैस रिसाव की घटना के बाद बीसीसीएल प्रबंधन उन्हें बेलगड़िया या करमाटांड में शिफ्ट होने के लिए कह रही है, लेकिन यह उनके जीवन-यापन के लिए संभव नहीं है। ग्रामीणों ने एकमत से कहा हम वर्षों से पीढ़ी दर पीढ़ी इसी केंदुआडीह बस्ती में रहते आए हैं। हमें विस्थापित करने के बजाय बीसीसीएल प्रबंधन को गैस निकालने की दिशा में प्रयास तेज करना चाहिए। लोगों ने अपनी चिंताओं को सामने रखते हुए बताया कि बेलगड़िया या करमाटांड में न तो उन्हें रोजगार मिलेगा और न ही किसी तरह की अन्य सुविधाएं। ऐसे में केंदुआडीह छोड़कर दूसरी जगह जीवन यापन करना उनके लिए मुमकिन नहीं होगा।
मो. शाजिद ने आक्रोश व्यक्त करते हुए कहा कि हमारा सारा काम-काज, हमारी रोजी-रोटी इसी इलाके से जुड़ी है। दूसरी जगह जाकर हम क्या करेंगे। बीसीसीएल हमारी समस्या सुलझाए, विस्थापन समाधान नहीं है।
गैस रिसाव की घटना को छह दिन से अधिक का समय बीत चुका है, लेकिन समस्या के स्थायी समाधान की दिशा में कोई ठोस कदम न उठाए जाने से लोगों का आक्रोश बढ़ता जा रहा है।
ग्रामीणों ने बताया कि वे पूर्व से ही भूमिगत खदान का पंखा चालू करने और ड्रिलिंग करके गैस निकालने जैसी मांगों को बीसीसीएल प्रबंधन के सामने रखते आए हैं, लेकिन प्रबंधन इन मांगों को गंभीरता से नहीं ले रहा है और केवल विस्थापन की बात पर अटका हुआ है। लोगों ने स्पष्ट कर दिया है कि वे मरते दम तक केंदुआडीह नहीं छोड़ेंगे।
इस दौरान आक्रोशित स्थानीय लोगों ने विरोध जताते हुए प्रबंधन के खिलाफ जमकर नारेबाजी भी की। केंदुआडीह बस्ती के लोगों ने बीसीसीएल प्रबंधन को अपनी मांगों पर पुनर्विचार करने और जल्द से जल्द गैस रिसाव की समस्या का तकनीकी समाधान निकालने की चेतावनी दी है।

भालजोरिया में अवैध शराब कारोबार का भंडाफोड़, एक गिरफ्तार

बिभा संवाददाता

धनबाद। निरसा थाना पुलिस ने अवैध शराब बिक्री के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए भालजोरिया गांव में छापामारी कर एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। सोमवार को इस संबंध में जानकारी देते हुए निरसा एसडीपीओ रजत मानिक बाखला ने बताया कि उक्त कार्रवाई वरीय पुलिस अधीक्षक धनबाद को मिली गुप्त सूचना के आधार पर शनिवार की रात की गई। थाना प्रभारी के नेतृत्व में पुलिस टीम जब मौके पर पहुंची तो आरोपी जगजीत सिंह उर्फ जीता सिंह के पक्के मकान में अवैध अंग्रेजी और देशी शराब की बिक्री चल रही थी।
घर के अंदर टेबल-कुर्सियां लगी थीं तथा आधी भरी शराब की बोतलें, ग्लास और सिगरेट के पैकेट बिखरे मिले। पूछताछ में आरोपी कोई संतोषजनक जवाब नहीं दे सका। पुलिस ने तलाशी के दौरान उसके कमरे में लगे पलंग के अंदर से नविभिन्न ब्रांड की अंग्रेजी शराब, बीयर, देशी शराब और लगभग नौ लीटर महुआ शराब बरामद की। बरामद शराब के संबंध में आरोपी कोई वैध दस्तावेज नहीं दिखा सका।
पुलिस ने सभी अवैध शराब को जब्त करते हुए आरोपी जगजीत सिंह को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने बताया कि गिरफ्तार आरोपित अवैध शराब बिक्री का आदतन अपराधी है और उसके खिलाफ पहले भी दो कांड दर्ज हैं। निरसा पुलिस ने कहा कि क्षेत्र में अवैध शराब के खिलाफ अभियान आगे भी जारी रहेगा।

हेमंती देवी को सदर अस्पताल में मिला नया जीवन

बिभा संवाददाता

धनबाद। झरिया के दुगार्पुर बस्ती की निवासी? 44 वर्षीय हेमंती देवी पिछले एक वर्ष से असामान्य व अनियमित योनि रक्तस्राव से पीड़ित थीं। इसके कारण उनके शरीर में गंभीर रक्ताल्पता हो गई थी। उनके पति सचीन्द्र भुईया, एक ड्राइवर हैं, और आर्थिक तंगी के चलते लंबे समय तक उचित इलाज नहीं करवा सके।
इसकी जानकारी देते हुए सदर अस्पताल के उपाधीक्षक डॉ संजीव कुमार ने बताया कि जब सदर अस्पताल और वहाँ पदस्थ वरिष्ठ स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ. संजीव कुमार के बारे में जानकारी मिली, तो उन्होंने अस्पताल का रुख किया। डॉ. संजीव द्वारा गहन जांच एवं पूर्व ऑपरेशन जाँच करवाई गई। जिससे यह सामने आया कि हेमंती देवी को गर्भाशय के मुख पर स्थित एक गांठ है।
स्थिति की गंभीरता को समझते हुए, डॉ. संजीव कुमार की देखरेख में दिनांक 8 दिसंबर 2025 को उन्हें भर्ती किया गया। दो यूनिट रक्त की व्यवस्था की गई और फिर गांठ को हटाने की शल्य क्रिया तथा तत्पश्चात पेट के रास्ते गर्भाशय को निकालने की शल्य क्रिया सफलता पूर्वक की गई।
इस जटिल सर्जरी को डॉ. संजीव कुमार के नेतृत्व में निश्चेतक विशेषज्ञ डॉ. राज कुमार सिंह, ओटी सहायक मदुसूदन मरांडी और शशि प्रकाश की टीम ने मिलकर किया। शल्यक्रिया के बाद मरीज की स्थिति स्थिर एवं संतोषजनक है। वहीं हेमंती देवी एवं उनके परिवार ने जिला प्रशासन के साथ सदर अस्पताल के चिकित्सकों, नर्सिंग स्टाफ एवं प्रबंधन के प्रति हार्दिक आभार व्यक्त किया और कहा कि आर्थिक तंगी के बावजूद उन्हें यहाँ उचित और सुरक्षित उपचार मिला।

सीमए हेमंत सोरेन और विधायक प्रकाश राम को बालूमाथ में डिग्री कॉलेज के लिए साधुवाद : अनीता

बिभा संवाददाता

लातेहार/बालूमाथ : सोमवार को झारखंड सरकार की कैबिनेट बैठक में बालूमाथ प्रखंड में डिग्री कॉलेज की स्थापना को स्वीकृति दी गई है, जो पूरे बालूमाथ प्रखंडवासियों के लिए अत्यंत गौरव व हर्ष का विषय है।
इस ऐतिहासिक निर्णय पर जिला परिषद उपाध्यक्ष अनीता देवी ने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन और स्थानीय विधायक प्रकाश राम को हार्दिक साधुवाद देते हुए कहा कि यह बालूमाथ क्षेत्र की लंबे समय से चली आ रही मांग थी, जो आज पूरी हुई।
अनीता देवी ने बताया कि उन्होंने स्वयं कई मंचों पर, जिला परिषद की बैठकों में, अधिकारियों से वातालार्प की तथा जनता के बीच लगातार इस विषय को उठाया था , उन्होंने इस मुद्दे को जनहित से जुड़ा हुआ मानते हुए, बार-बार प्रशासन एवं जनप्रतिनिधियों के सामने प्रस्तुत किया। उनके इन निरंतर प्रयासों और सरकार की संवेदनशीलता के परिणाम स्वरूप यह स्वीकृति मिली है।
उन्होंने आगे कहा कि यह डिग्री कॉलेज बालूमाथ के हजारों छात्रों, खासकर ग्रामीण एवं गरीब तबके के विद्यार्थियों के लिए वरदान साबित होगा , जिन्हें अब उच्च शिक्षा के लिए दूर नहीं जाना होगा ,
यह सिर्फ एक कॉलेज नहीं, बालूमाथ के उज्ज्वल भविष्य की नींव है , यह निर्णय शिक्षा, समानता और विकास की दिशा में एक मजबूत कदम होगा।

उपायुक्त की अध्यक्षता में शिक्षा विभाग की समीक्षात्मक बैठक हुई संपन्न

छात्रों को समय पर पोशाक एवं छात्रवृत्ति उपलब्ध कराई जाए : उपायुक्त

बिभा संवाददाता

लातेहार : उपायुक्त उत्कर्ष गुप्ता की अध्यक्षता में शिक्षा विभाग की समीक्षात्मक बैठक का आयोजन किया गया।
बैठक में समग्र शिक्षा, विद्यालयों में छात्र-छात्राओं को शत-प्रतिशत नामांकन , पोशाक , पुस्तक, साईकिल, छात्रवृति वितरण, मध्याह्न भोजन, पोषण वाटिका से संबंधित समीक्षा कर जिला स्तर पर शिक्षा विभाग के द्वारा संचालित विभिन्न कार्यक्रमों की प्रगति की विस्तृत समीक्षा की गई।
समीक्षा के क्रम में विद्यालयों में पोशाक वितरण, छात्रवृत्ति भुगतान की स्थिति, मध्याह्न भोजन योजना की गुणवत्ता एवं समय पर संचालन, साथ ही विद्यालयों में पोषण वाटिका के निर्माण एवं रख-रखाव की स्थिति की विस्तृत समीक्षा कर उपायुक्त ने निर्देश दिया कि छात्रों को समय पर पोशाक एवं छात्रवृत्ति उपलब्ध कराई जाए तथा मध्याह्न भोजन योजना की नियमित मॉनिटरिंग की जाए। उन्होंने यह भी कहा कि पोषण वाटिका की उपयोगिता बच्चों में कुपोषण दूर करने एवं स्वास्थ्यवर्धक भोजन उपलब्ध कराने में सहायक है, अतः सभी विद्यालयों में इसे प्रभावी ढंग से लागू किया जाए। उन्होंने नियमित रूप से बच्चों की स्वास्थ्य जांच कराने व उन्हें आयरन की गोली खिलाने का निर्देश दिया। समीक्षा के क्रम में उपायुक्त ने निर्देशित करते हुए कहा कि शत प्रतिशत बच्चो को ससमय राशन, पुस्तक, पोशाक एवं योग्य बच्चो को ससमय छात्रवृत्ति मिले यह सुनिश्चित करें।
बैठक में उपायुक्त ने कहा कि सरकार के द्वारा विद्यालय स्तर पर चलाई जा रही सारी योजनाओं का लाभ छात्र छात्राओं को मिले, इसके लिए शिक्षा विभाग के सभी कर्मी सजगता के साथ काम करें। बैठक में उपायुक्त ने विद्यालयों में शिक्षकों एवं छात्रों की उपस्थिति के बारे जानकारी लिया। इस दौरान उन्होंने सभी प्रखंड में ई विद्या वाहिनी से शिक्षकों की उपस्थिति शत प्रतिशत सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। जिले की प्रत्येक स्कूलों का संचालन सही तरीके से करते हुए स्कूलों में बच्चों के ड्रेस, पानी, एवं शौचालय के साफ सफाई पर विशेष ध्यान देने का निर्देश दिया गया।
बैठक में पीएम पोषण योजना की प्रगति की समीक्षा के क्रम में स्कूलों में पोषाहार वितरण, मध्याह्न भोजन शत-प्रतिशत सुनिश्चित कराने के लिए बीआरपी, सीआरपी सहित शिक्षा विभाग के अन्य अधिकारियों व कर्मियों को निर्देश दिया गया। सभी प्रखंड शिक्षा प्रसार पदाधिकारी को अपने अपने क्षेत्र अंतर्गत विद्यालयों का निरीक्षण कर विद्यार्थियों की उपस्थिति, शौचालय एवं पेयजल समेत अन्य विभिन्न बिन्दुओ का निरीक्षण कर सभी आवश्यक सुविधाएं सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया।
बैठक में आईटीडीए निदेशक प्रवीण कुमार गगराई, जिला शिक्षा पदाधिकारी प्रिंस कुमार, जिला शिक्षा अधीक्षक गौतम कुमार साहू, जिला जनसंपर्क पदाधिकारी डॉ चंदन, संबंधित पदाधिकारी, एडीपीओ, एपीओ ,सभी प्रखंड शिक्षा प्रसार पदाधिकारी समेत अन्य पदाधिकारी उपस्थित थे।

शादी में गया था परिवार, बंद घर से 8 लाख की चोरी, कॉलोनी में दहशत

बिभा संवाददाता

धनबाद। झरिया के तिसरा थाना अंतर्गत चांदकुइयां मोड़ स्थित न्यू कॉलोनी में चोरी की बड़ी वारदात सामने आई है। यहां एक बंद बीसीसीएल क्वार्टर को चोरों ने निशाना बनाते हुए लाखों के जेवरात और नकदी पर हाथ साफ कर दिया। पवन साव का परिवार इटखोरी में शादी समारोह में शामिल होने गया था। घर बंद होने का फायदा उठाकर चोरों ने रविवार 7 दिसंबर की मुख्य दरवाजे का ताला तोड़कर अंदर प्रवेश किया और अंदर से ताला बंद कर आराम से चोरी को अंजाम दिया।
पीड़िता संगीता देवी ने बताया कि घटना की जानकारी पड़ोसी ने फोन कर दी। सूचना मिलते ही परिवार इटखोरी से वापस लौटा। घर पहुंचने पर दरवाजे का ताला टूटा मिला और कमरों में सारा सामान बिखरा पड़ा था। अलमारी खोलने पर पता चला कि उसमें रखे 11 हजार रुपये नगद, सोने का चैन, पांच जोड़ी सोने के कान के बाले, पांच जोड़ी सोने के कंगन, चांदी के कई कंगन व चैन, चांदी की छड़ें, सोने के दो नथ, मंगलसूत्र, चांदी की सीकरी और चांदी के सिक्के गायब थे। कुल मिलाकर लगभग 8 लाख रुपये मूल्य के जेवरात और नकदी चोरी हो गई। घटना की सूचना मिलते ही तीसरा थाना पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। पुलिस ने आसपास के लोगों से पूछताछ की और संदिग्धों की तलाश शुरू कर दी है। इस वारदात के बाद कॉलोनी के लोगों में दहशत का माहौल है। लोग सुरक्षा व्यवस्था को लेकर चिंता जता रहे हैं और पुलिस से पेट्रोलिंग बढ़ाने की मांग कर रहे हैं।

पुतिन की यात्रा से भारत रूस सम्बंधों में नया अध्याय शुरू

मनोज कुमार अग्रवाल

आपको बता दें कि दिल्ली के हैदराबाद हाउस में हुई वार्ता दूरगामी प्रभावों वाली भी साबित है। यह कहना गलत नहीं होगा कि भारत-रूस संबंधों में यह क्षण डील ऑफ द डिकेड के रूप में दर्ज हो सकता है। रोजगार, व्यापार, ऊर्जा सुरक्षा, कनेक्टिविटी और भविष्य की तकनीकों जैसे क्षेत्रों में जिस पैमाने पर समझौते हुए हैं, वह बताते हैं कि दोनों देश संबंधों को एक निर्णायक मोड़ पर पहुंच चुके हैं। यह मोड़ केवल कूटनीति का नहीं, बल्कि आर्थिक, तकनीकी, ऊर्जा, नौकरी, हेल्थकेयर और वैश्विक राजनीति के हर पहलू का है।

भारत और रूस के संबंध केवल दो देशों के बीच एक लंबा आपसी भरोसा सिर्फ कूटनीतिक संबंध नहीं हैं, बल्कि यह सात दशकों से चले आ रहे परस्पर विश्वास सहयोग और रणनीतिक साझेदारी की विरासत है। अनेक अंतरराष्ट्रीय उतार-चढ़ावों के बीच भी यह दोस्ती अपनी स्थिरता और परंपरा के लिए पहचाना जाता रहा है। आजादी के बाद भारत के सामने जब अंतरराष्ट्रीय मंचों पर चुनौतियां आई, रूस सबसे आगे खड़ा दिखाई दिया। यही कारण है कि भारत-रूस संबंधों को एक राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की दो दिवसीय भारत यात्रा से दोनों देशों की प्रमाणित दोस्ती बतौर देखा जा रहा है। दोनों देशों के बीच हुए समझौते और पुतिन और भारत यात्रा और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ हुई व्यापक चर्चाओं ने इस साझेदारी को एक नया आयाम दिया है।

आपको बता दें कि दिल्ली के हैदराबाद हाउस में हुई वार्ता दूरगामी प्रभावों वाली भी साबित है। यह कहना गलत नहीं होगा कि भारत-रूस संबंधों में यह क्षण डील ऑफ द डिकेड के रूप में दर्ज हो सकता है। रोजगार, व्यापार, ऊर्जा सुरक्षा, कनेक्टिविटी और भविष्य की तकनीकों जैसे क्षेत्रों में जिस पैमाने पर समझौते हुए हैं, वह बताते हैं कि दोनों देश संबंधों को एक निर्णायक मोड़ पर पहुंच चुके हैं। यह मोड़ केवल कूटनीति का नहीं, बल्कि आर्थिक, तकनीकी, ऊर्जा, नौकरी, हेल्थकेयर और वैश्विक राजनीति के हर पहलू का है। विशेष रूप से ऐसे समय में जब विश्व व्यवस्था तीव्र गति से बदल रही है, पश्चिम और रूस के बीच टकराव गहराया हुआ है, चीन का प्रभाव बढ़ रहा है और ग्लोबल साउथ नई भूमिका तलाश रहा है, भारत और रूस का यह नया अध्याय एशिया से यूरेशिया तक की भू-राजनीतिक धुरी को पुनर्परिभाषित करने की क्षमता रखता है। सबसे बड़ा संदेश इस यात्रा से यह निकल कर आया है कि भारत और रूस दोनों ही अब पारंपरिक मित्रता को आधुनिक वैश्विक जरूरतों के अनुरूप पुनर्स्थापित करना चाहते हैं। उदाहरण के लिए, 30 दिन का फ्री वीजा और माइग्रेशन मोबिलिटी समझौता भविष्य में दोनों देशों के बीच मानव संसाधन के आदान-प्रदान को बेहद सरल बनाएगा।

रूसी राष्ट्रपति पुतिन के साथ हुए समझौते में भारत सरकार ने 30 दिनों का फ्री ई-वीजा जारी करने की सुविधा देने की घोषणा की है। इससे भारत आने वाले रूसी पर्यटकों के लिए बेहद आसानी हो जाएगी। पर्यटन मंत्रालय की रिपोर्ट के मुताबिक करीब 79.7 फीसदी रूसी पर्यटक मनोरंजन, छुट्टियां बिताने, स्मारक देखने के लिए भारत आते हैं। करीब 11.2 फीसदी रूसी पर्यटक ही व्यापार के लिए आते हैं लेकिन वह भी ताजमहल समेत अन्य स्मारक देखने पहुंचते हैं।

आपको पता रहे रूस के पास संसाधनों की कोई कमी नहीं, लेकिन उसे कुशल कामगारों की जरूरत है। दूसरी तरफ भारत युवा शक्ति वाला देश है, जहां लाखों युवाओं के सामने नए रोजगार के अवसरों की खोज सर्वोपरि है। इस समझौते से भारत के युवाओं के लिए रूस में रोजगार के व्यापक अवसर खुलेंगे, वहीं रूस को योग्य प्रशिक्षित मानव संसाधन मिलेगा। यह सहयोग केवल आर्थिक लाभ का नहीं, बल्कि दीर्घकालिक मानवीय और सांस्कृतिक जुड़ाव का भी आधार बनेगा। भारत-रूस आर्थिक कार्यक्रम 2030 ने दोनों देशों की महत्वाकांक्षा को और स्पष्ट किया है। 100 बिलियन डॉलर के द्विपक्षीय व्यापार का लक्ष्य साधारण नहीं है। वर्तमान परिस्थितियों में जब रूस पश्चिमी प्रतिबंधों के कारण नए बाजार की तलाश में है, भारत उसकी आर्थिक संतुलन का विश्वसनीय भागीदार बनकर उभर रहा है। वहीं भारत के लिए रूस ऊर्जा, खनिज, दवाइयों, रक्षा और तकनीक का एक स्थाई स्रोत है। यह आर्थिक विस्तार दोनों देशों के लिए समान रूप से लाभकारी है। साथ ही यह भी उल्लेखनीय है कि इस बार सबसे अधिक फोकस हेल्थकेयर, शिक्षा, विज्ञान और तकनीक पर किया गया। यह संकेत है कि संबंध अब केवल रक्षा सौदों या बड़े औद्योगिक समझौतों पर निर्भर नहीं रहेंगे, बल्कि लोगों की रोजमर्रा की जरूरतों और विकास की दिशा में आगे बढ़ेंगे। स्वास्थ्य साझेदारी में रूस की उच्चस्तरीय मेडिकल तकनीक और भारत की सस्ती जेनरिक दवाइयां, दोनों देशों को स्वास्थ्य सुरक्षा का नया मॉडल दे सकती हैं। मेडिकल रिसर्च और शिक्षा में सहयोग से युवाओं के लिए नए अवसर भी बनेंगे। समुद्री व्यापार पर हुए समझौते भी भविष्य की वैश्विक अर्थव्यवस्था को देखते हुए बेहद महत्वपूर्ण हैं। आर्कटिक रूट और पोलर वाटर्स के माध्यम से नए शिपिंग कॉरिडोर विकसित करने पर भारत-रूस की सहमति अंतरराष्ट्रीय व्यापार मार्गों में भारत की भूमिका बढ़ाएगी। इससे भारत का समुद्री व्यापार तेज, लागत, प्रभावी और वैश्विक प्रतिस्पर्धा में सक्षम होगा। रूस के लिए यह आय का स्थाई स्रोत तथा एशियाई बाजारों तक पहुंच का नया रास्ता बनेगा। हालांकि, इस यात्रा के दौरान किसी बड़े रक्षा समझौते की घोषणा नहीं की गई। यह स्वयं में एक संकेत है कि भारत अब रक्षा के पुराने ढांचे से निकलकर तकनीक और उत्पादन के नए विकल्प तलाश रहा है। भारत निजी क्षेत्र को रक्षा और अंतरिक्ष जैसे संवेदनशील क्षेत्रों में प्रवेश दे चुका है, और अब मोदी सरकार सिविल न्यूक्लियर सेक्टर को भी निजी निवेश के लिए खोल रही है। यह कदम केवल प्रशासनिक सुधार नहीं, बल्कि एक वैचारिक परिवर्तन है जो भारत को विकसित राष्ट्र बनने की दिशा में तेज गति से आगे बढ़ाएगा। पुतिन ने भी यह स्पष्ट कर दिया कि उनकी यात्रा केवल तेल और गैस के सौदों तक सीमित नहीं है। वे भारत के साथ साझेदारी को व्यापक, संतुलित और दीर्घकालिक बनाना चाहते हैं। यही सोच भारत-रूस रिश्ते को अन्य वैश्विक मित्रताओं से अलग बनाती है, जहां संबंध किसी एक क्षेत्र पर असंतुलित निर्भरता के बजाय बहुआयामी सहयोग पर आधारित हों। इसमें कोई दोमत नहीं है कि भारत मंडपम में प्रधानमंत्री मोदी और पुतिन की उपस्थिति में आयोजित इंडो-रूस बिजनेस फोरम ने न केवल द्विपक्षीय आर्थिक संभावनाओं को नई दिशा दी, बल्कि बदलती वैश्विक राजनीति के बीच दोनों देशों की साझेदारी की गहराती मजबूती का भी स्पष्ट संदेश दिया। इस मंच से प्रधानमंत्री मोदी और राष्ट्रपति पुतिन की टिप्पणियों ने भारत-रूस संबंधों की वर्तमान गति, भविष्य की दिशा और वैश्विक संदर्भ में इन रिश्तों की अहमियत को कई स्तरों पर रेखांकित किया। प्रधानमंत्री मोदी ने अपने संबोधन में रूस को सबसे भरोसेमंद दोस्त बताते हुए कहा कि वैश्विक चुनौतियों का सामना केवल अस्थायी उपायों से नहीं किया जा सकता; इसके लिए दीर्घकालिक और टिकाऊ समाधान आवश्यक हैं। यह विचार आज की दुनिया में अत्यंत प्रासंगिक है, जहां भू-राजनीतिक तनाव, ऊर्जा संकट, महामारी, आर्थिक अस्थिरता और जलवायु परिवर्तन जैसी समस्याएं एक-दूसरे से गहराई से जुड़ी हुई हैं। भारत और रूस, दोनों ही देश अपने-अपने तरीके से इन चुनौतियों से जूझ रहे हैं। इस संदर्भ में साझेदारी न केवल द्विपक्षीय हितों को आगे बढ़ाती है, बल्कि वैश्विक विमर्श में भी एक संतुलित आवाज का निर्माण करती है। राष्ट्रपति पुतिन ने भारत की आर्थिक प्रगति की सराहना करते हुए कहा कि भारत स्वतंत्र नीति अपना रहा है और किसी दबाव में नहीं झुकता। यह टिप्पणी आज के परिवर्तित भू-राजनीतिक वातावरण में महत्वपूर्ण है। पश्चिमी देशों के दबाव के बावजूद भारत ने रूस के साथ ऊर्जा, रक्षा और व्यापार संबंधों में स्वतंत्र निर्णय क्षमता दिखाई है। पुतिन का यह बयान भारत की वैश्विक स्थिति को और मजबूती देता है। इसके साथ ही उन्होंने व्यापार वृद्धि के आंकड़े भी दिए कि पिछले तीन वर्षों में 80 प्रति की रिकॉर्ड की रिकॉर्ड वृद्धि और 64 अरब डॉलर का व्यापार। यह तथ्य भारत-रूस संबंधों में व्यावहारिकता और आर्थिक पूरकता की मजबूती का प्रमाण है। कुल मिलाकर देखा जाए तो पुतिन की यह यात्रा केवल कागजी समझौतों की सूची नहीं, बल्कि बदलती दुनिया में एक स्थायी और विश्वसनीय साझेदारी की पुनर्पुष्टि है। भारत और रूस दोनों जानते हैं कि भविष्य की विश्व व्यवस्था बहुध्रुवीय होगी, और ऐसी व्यवस्था में मजबूत, भरोसेमंद और दीर्घकालिक साझेदारियां सबसे बड़ा सामरिक पूंजी होंगी। यह यात्रा उसी दिशा में एक निर्णायक कदम है। उधर इस यात्रा से अमेरिका में बेचैनी है। पूर्व पेंटागन अधिकारी माइकल रुबिन ने दावा किया कि भारत-रूस नजदीकियों का श्रेय पुतिन नहीं, बल्कि ट्रंप को जाता है। उन्होंने कहा कि मोदी की पुतिन के प्रति मेजबानी, अमेरिका की गलत नीतियों और भारत की रणनीतिक जरूरतों का परिणाम है। रुबिन ने कहा कि अमेरिका को भारत को लेक्चर देना बंद करना चाहिए। पाकिस्तान और चीन के माथे पर भी लकीरें खिंच गयी हैं। पुतिन का यह दौरा भारत और रूस के संबंधों की नयी सीढ़ी बना है।

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

संपादकीय

आय की गणना और खर्च की गणना

जीडीपी वृद्धि दर को जितनी मोटी सुर्खियों में दिखाया जाता है, उतने ही ध्यानाकर्षक ढंग से यह नहीं बताया जाता कि यह दर किस आधार पर हासिल हुई और कुल (नोमिनल) और वास्तविक वृद्धि दर में कितना फर्क है। जुलाई से सितंबर तिमाही के जीडीपी आंकड़ों ने एक तरह का कौतुक पैदा किया है। जिस समय डॉलर की तुलना में रुपये की कीमत गिरने के बावजूद व्यापार घाटा बढ़ा? का ट्रेंड हो, 8.2 फीसदी की वृद्धि दर हासिल करना अपने-आप में करिश्माई है। वैसे जीडीपी वृद्धि दर को जितनी मोटी सुर्खियों में दिखाया जाता है, उतने ही ध्यानाकर्षक ढंग से यह नहीं बताया जाता कि यह दर किस आधार पर हासिल हुई और कुल (नोमिनल) और वास्तविक वृद्धि दर में कितना फर्क है। 2024-25 में भारत की जीडीपी वृद्धि दर सात तिमाहियों में सबसे निम्न स्तर पर रही थी। स्पष्टतः उस निम्न आधार के कारण ताजा दर काफी ऊंची नजर आती है। इस बार नोमिनल जीडीपी 8.07 प्रतिशत दर्ज हुई। सरकार ने इससे 0.5 प्रतिशत मुद्रास्फीति दर को घटाया, इसलिए वास्तविक जीडीपी वृद्धि दर 8.2 फीसदी बताई गई है। मगर दूसरी तिमाही में उपभोक्ता मूल्य सूचकांक आधारित मुद्रास्फीति दर 1.9 प्रतिशत थी। पहले के चलन के तहत अगर नोमिनल दर को इसमें डिफ्लेट किया जाता (यानी इसे घटाया जाता), तो जीडीपी वृद्धि दर 6.3 प्रतिशत नजर आती। बहरहाल, ये सब आंकड़ों की बातें हैं। उन्हीं आंकड़ों का, जिन्हें जुटाने की विधि, आधार वर्ष, और अन्य खामियों को कारण बताते हुए अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) ने सी ग्रेड में डाल दिया है। आईएमएफ के मुताबिक भारत के राष्ट्रीय खाता की संख्याओं में ऐसी खामियां हैं, जिनकी वजह से अर्थव्यवस्था के वास्तविक प्रदर्शन की निगरानी बाधित हो जाती है। उसने ध्यान दिलाया है कि भारत के संदर्भ में जीडीपी को मापने के दोनों तरीकों- आय की गणना और खर्च की गणना- से आने वाली संख्या में ठोस फर्क आ जाता है। भारत में जीडीपी सरकार, जनता और कंपनियों की आय के आधार पर मापी जाती है। आदर्श स्थिति यह होती है कि जब उनके खर्च को आधार बनाया जाए, तब भी संख्या कमोबेस समान रहे। मगर भारत में ऐसा नहीं हो रहा है। इससे जीडीपी आंकड़ा समस्याग्रस्त हो जाता है। यह गंभीर टिप्पणी है। इसका परिणाम होगा कि भारत की ऊंची वृद्धि दर को अनेक हलकों में संदेह की निगाह से देखा जाएगा।

चिंतन-मनन

ज्ञान के रास्ते पर

गौतम बुद्ध के प्रवचन में एक व्यक्ति रोज आता था और बड़े ध्यान से उनकी बातें सुनता था। बुद्ध अपने प्रवचन में लोभ, मोह, द्वेष और अहंकार छोड़ने की बात करते थे। एक दिन वह व्यक्ति बुद्ध के पास आकर बोला- मैं लगभग एक महीने से आपके प्रवचन सुन रहा हूं। पर क्षमा करें, मेरे ऊपर उनका कोई असर नहीं हो रहा है। इसका कारण क्या है? क्या मुझमें कोई कमी है?

बुद्ध ने मुस्कराकर पूछा- यह बताओ, तुम कहां के रहने वाले हो?

उस व्यक्ति ने कहा- श्रावस्ती।

बुद्ध ने पूछा- श्रावस्ती यहां से कितनी दूर है?, उसने दूरी बताई।

बुद्ध ने पूछा- तुम वहां कैसे जाते हो?

व्यक्ति ने कहा- कभी घोड़े पर तो कभी बैलगाड़ी में बैठकर जाता हूं।

बुद्ध ने फिर प्रश्न किया- कितना समय लगता है?, उसने हिसाब लगाकर समय बताया।

बुद्ध ने कहा- यह बताओ क्या तुम यहां बैठे-बैठे श्रावस्ती पहुंच सकते हो?

व्यक्ति ने आश्चर्य से कहा- यहां बैठे-बैठे भला वहां कैसे पहुंचा जा सकता है। इसके लिए चलना तो पड़ेगा या किसी वाहन का सहारा लेना पड़ेगा।

बुद्ध मुस्कराकर बोले- तुमने बिल्कुल सही कहा। चलकर ही लक्ष्य तक पहुंचा जा सकता है। इसी तरह अच्छी बातों का प्रभाव भी तभी पड़ता है जब उन्हें जीवन में उतारा जाए। उसके अनुसार आचरण किया जाए। कोई भी ज्ञान तभी सार्थक है जब उसे व्यावहारिक जीवन में उतारा जाए। मात्र प्रवचन सुनने या अध्ययन करने से कुछ भी प्राप्त नहीं होता।

उस व्यक्ति ने कहा- अब मुझे अपनी भूल समझ में आ रही है। मैं आपके बताए मार्ग पर आज से ही चलूंगा। बुद्ध ने उसे आशीर्वाद दिया।

भ्रष्टाचार : लोकतंत्र की नींव को खोखला करती दीमक

दिलीप कुमार पाठक

अगर किसी देश को भ्रष्टाचार मुक्त होना है तो समाज के तीन प्रमुख सदस्य माता, पिता और शिक्षक मिलकर काम कर सकते हैं - अब्दुल कलाम आजाद...

भ्रष्टाचार का मतलब है कि कोई व्यक्ति अपनी शक्ति या पद का इस्तेमाल खुद के फायदे के लिए करता है। इससे लोगों का सरकार और संस्थानों पर भरोसा कम हो जाता है। लोकतंत्र कमजोर पड़ता है, आर्थिक विकास धीमा हो जाता है, और गरीबी, असमानता, सामाजिक झगड़े और पर्यावरण की समस्याएं बढ़ती हैं। भ्रष्टाचार किसी भी देश या समुदाय पर वही असर डालता है जो लकड़ी में घुन डालता है—शनै ?शनै वह देश को खोखला कर देता है। आम शब्दों में कहे तो जायज या नाजायज काम कराने के लिए दिया जाने वाला अनुचित लाभ ही भ्रष्टाचार कहलाता है ' हर साल 9 दिसंबर को अंतरराष्ट्रीय भ्रष्टाचार विरोधी दिवस मनाया जाता है ' यह दिवस 31 अक्टूबर 2003 को भ्रष्टाचार के खिलाफ संयुक्त राष्ट्र सम्मेलन के पारित होने के बाद से मनाया जाता है ' इसका उद्देश्य लोगों को जगाना एवं जागरूक करना है, इसलिए आइए आज इसका अध्ययन करते हैं '

धनी देशों के कई लोग शायद यह मानते हैं कि भ्रष्टाचार उन्हें व्यक्तिगत रूप से प्रभावित नहीं करता, और सोचते हैं कि यह केवल विकासशील देशों की समस्या है। हालाँकि, भ्रष्टाचार इतना घातक है कि यह वैश्विक वित्तीय प्रणाली के सभी हिस्सों में अपनी पैठ बना रहा है और अर्थव्यवस्था, राजनीति और सामाजिक ताने-बाने को विकृत कर रहा है। हर साल लगभग 1 लाख करोड़ डॉलर रिश्वत के रूप में दिया जाता है, जबकि लगभग 2.6 लाख करोड़डॉलर भ्रष्टाचार के कारण चोरी हो जाते हैं। यह कुल राशि पूरी दुनिया के कुल आर्थिक उत्पादन के 5 प्रतिशत से भी अधिक है। विकासशील देशों में भ्रष्टाचार से हुए नुकसान का अनुमान, उन देशों को मिलने वाली आधिकारिक सहायता की राशि से 10 गुना अधिक है। बहुत बड़ी रकम रिश्वत में जाती है, और उससे भी बड़ी रकम भ्रष्टाचार के कारण खो जाती है—जो दुनिया की कुल आय का एक बड़ा हिस्सा है, और गरीब देशों को मिलने वाली मदद से कई गुना अधिक नुकसान पहुँचाती है। विश्व आर्थिक मंच का कहना है कि हर साल भ्रष्टाचार की वजह से दुनिया की अर्थव्यवस्था को लगभग 3.6 ट्रिलियन डॉलर का नुकसान होता है। अगर इस पैसे का थोड़ा-सा हिस्सा भी सही जगह इस्तेमाल किया जाए तो गरीबी हटाने, स्वास्थ्य सेवा, शिक्षा और अन्य जरूरी सुविधाएँ बहुत बेहतर हो सकती हैं। हम सब एक ही धरती पर रहते हैं, इसलिए जब कुछ लोगों को जरूरत की चीजें नहीं मिलतीं, तो इसका असर हम सभी पर पड़ता है। ब्राज़ील के किसान खाने के लिए अमेज़न के जंगल काट रहे हैं, जिससे जलवायु परिवर्तन तेज हो रहा है। संसाधनों की कमी के कारण युद्ध शुरू हो रहे हैं, जिससे बहुत सारे लोग शरणार्थी बन रहे हैं। असमानता और अन्याय की वजह से आतंकवादी गतिविधियाँ भी बढ़ रही हैं। भ्रष्टाचार से बहुत सारा पैसा बर्बाद हो रहा है, जबकि वही पैसा गरीबी, बीमारी, शिक्षा और पर्यावरण जैसी बड़ी समस्याओं को हल कर सकता है। जब हम इन समस्याओं को नजरअंदाज करते हैं, तो पूरे दुनिया पर नकारात्मक प्रभाव पड़ता है। अधिक धन से नकारात्मक परिणाम ज्यादा निकलते हैं, जब बहुत सारा पैसा राजनैतिक नेताओं और अधिकारियों को खरीद लेता है, तो उस क्षेत्र की सत्ता का ढाँचा बदल जाता है। गठबंधन और प्रभाव बदलने के साथ-साथ भू-राजनीतिक कारण भी काम करते हैं। निवेश योजनाएँ, कंपनियों का काम-काज और पैसे का प्रवाह सब पर असर पड़ता है, और इसका सीधा नुकसान उन लोगों को होता है जो सीधे भ्रष्टाचार में शामिल नहीं होते। जब भ्रष्ट धन को सफेद किया जाता है, तो बड़े शहरों में अचल संपत्ति की कीमतें बढ़ जाती हैं। साथ ही, भ्रष्ट अभिजात्य वर्ग लोकतंत्र को प्रभावित करने की कोशिश करता है, जिससे लोकतांत्रिक प्रक्रिया कमजोर पड़ती है। सरल शब्दों में अगर कहा जाए तो बहुत अधिक पैसा सत्ता को खरीद लेता है, आर्थिक गतिविधियों को बिगाड़ता है, आम लोगों की ज़िन्दगी में कठिनाई बढ़ती जाती है '

इस साल संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम और संयुक्त राष्ट्र मादक पदार्थ एवं अपराध कार्यालय मिलकर एक वैश्विक अभियान चला रहे हैं, 'भ्रष्टाचार के खिलाफ एकजुट' अगर हम साथ मिलें तो कई चीजें बेहतर हो सकती हैं। लोकतंत्र को मजबूत बनाना, ताकि लोगों की आवाज सुनाई दे। न्याय को बढ़ावा देना, ताकि हर किसी को उसका हक मिले। शिक्षा का समर्थन करना, ताकि सभी को सीखने का मौका मिले। समृद्धि लाना, ताकि लोगों के पास काम और पैसे हों। विकास की सुरक्षा करना, ताकि प्रोजेक्ट्स बिना बाधा के चलें। जन स्वास्थ्य में सुधार करना, ताकि सभी को बेहतर इलाज मिल सके। इन छोटे-छोटे कदमों से दुनिया भर में भ्रष्टाचार को कम किया जा सकता है।

गैर-नागरिक मतदाता नहीं हो सकते

ए. सूर्य प्रकाश

कांग्रेस और भाजपा के विरोध में खड़े अन्य दलों के नेता भारत के चुनाव आयोग की ओर से मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) का जोरदार विरोध कर रहे हैं।

हालांकि, संविधान और संसद से बनाए गए कानून चुनाव आयोग को समय-समय पर मतदाता सूची को अपडेट और संशोधित करने की जिम्मेदारी देते हैं, फिर भी ये पार्टियां इस प्रक्रिया का कड़ा विरोध कर रही हैं। उन्होंने इस प्रक्रिया को रोकने के लिए सर्वोच्च न्यायालय का भी दरवाजा खटखटाते हुए हस्तक्षेप करने की मांग की है।

इन पार्टियों ने पहले बिहार में भी एसआईआर का विरोध किया था, लेकिन उन्हें सुप्रीम कोर्ट से कोई राहत नहीं मिली। अदालत ने कुछ शर्तों के साथ चुनाव आयोग को यह प्रक्रिया जारी रखने की अनुमति दे दी। आखिरकार, इतने शोर-शराबे के बाद भी बिहार में लगभग किसी भी मतदाता ने यह शिकायत नहीं की कि उसका नाम गलत तरीके से मतदाता सूची से हटाया गया है। ये पार्टियां चाहे जितना शोर मचाएं, लेकिन वे चुनाव आयोग को उसकी जिम्मेदारी निभाने से नहीं रोक सकतीं। मतदाता सूची से उन लोगों के नाम हटाना जरूरी है जो अब नहीं रहे, घर बदल चुके हैं, या फिर गैरकानूनी तरीके से वोटर सूची में शामिल हो गए हैं। अगर हम लोकतांत्रिक प्रक्रिया की पवित्रता बनाए रखना चाहते हैं, तो यह प्रक्रिया करना बहुत जरूरी है।

लेकिन कांग्रेस पार्टी और तृणमूल कांग्रेस, राजद और डीएमके जैसी पार्टियां एसआईआर का लगातार विरोध कर रही हैं। चुनाव आयोग की ओर से हाल ही में 12 राज्यों में यह प्रक्रिया शुरू करने की घोषणा का भी इन पार्टियों ने जोरदार विरोध किया है। अजीब बात यह है कि इन पार्टियों ने एसआईआर के खिलाफ जो आपत्तियां उठाईं, उनमें से एक यह थी कि चुनाव आयोग गैर-नागरिकों को मतदाता सूची से बाहर कर देगा। लेकिन यही तो संविधान चुनाव आयोग से अपेक्षा करता है कि केवल भारतीय नागरिक ही वोटर बनें।

अगर आयोग यह जिम्मेदारी पूरी नहीं करेगा, तो अवैध घुसपैठियों और गैर-कानूनी प्रवासियों के लिए मतदाता सूची में घुसने के रास्ते खुल जाएंगे। यह देश की एकता, अखंडता और हमारी लोकतांत्रिक प्रक्रिया, दोनों के लिए गंभीर खतरा होगा। सवाल यह है कि ये पार्टियां गैर-नागरिकों के नाम हटाने का विरोध क्यों कर रही हैं?

यह मुद्दा शासन पर भी गंभीर असर डालता है, क्योंकि संविधान के अनुसार 25 वर्ष से ऊपर का हर वोटर विधायक या सांसद बन सकता है, और आगे चलकर किसी राज्य का मुख्यमंत्री या देश का प्रधानमंत्री भी बन सकता है।

इसलिए चुनाव आयोग की बड़ी जिम्मेदारी है कि गैर-नागरिकों को वोटर सूची में शामिल न होने दे। भारत के चुनाव आयोग की शक्तियां संविधान में साफ लिखी गई हैं। अनुच्छेद 324 चुनाव आयोग को यह अधिकार देता है कि वह चुनावों की देखरेख, दिशा और नियंत्रण करे। इसमें कहा गया है:

(1) संसद, हर राज्य की विधानसभा, और संविधान के तहत होने वाले राष्ट्रपति व उपराष्ट्रपति के चुनाव इन सभी के लिए, मतदाता सूची तैयार करने और चुनाव कराने की पूरी जिम्मेदारी और अधिकार एक आयोग (जिसे संविधान में चुनाव आयोग कहा गया है) को दिए जाते हैं।

मतदाता सूची तैयार करने के विषय में संविधान का अनुच्छेद 326 यह घोषित करता है कि लोकसभा और राज्य विधानसभाओं के चुनाव वयस्क मताधिकार के आधार पर होंगे।

यानी, हर वह व्यक्ति जिसका भारत का नागरिक होना जरूरी है, जिसकी उम्र तय तारीख तक कम से कम 18 वर्ष हो, और जिसे गैर-निवास, मानसिक अस्वस्थता, अपराध या किसी भ्रष्ट या अवैध आचरण के कारण अयोग्य न ठहराया गया हो, वह मतदाता के रूप में पंजीकृत होने का हकदार है। सीधी भाषा में कहा जाए, तो चुनाव आयोग की जिम्मेदारी है कि हर पंजीकृत वोटर-भारत का नागरिक हो, और 18 वर्ष या उससे अधिक आयु का हो साथ ही संविधान और कानून में बताई गई अन्य योग्यताओं को भी पूरा करता हो।

इसके अलावा, नागरिकता से जुड़ी यह शर्त जन प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1950 की धारा 16 में और भी स्पष्ट रूप से बताई गई है। इसमें कहा गया है कि जो व्यक्ति भारत का नागरिक नहीं है, वह मतदाता के रूप में पंजीकृत होने के योग्य नहीं है। धारा 21 चुनाव आयोग को यह अधिकार देती है कि वह तय नियमों के अनुसार मतदाता सूची तैयार करे और समय-समय पर उसमें संशोधन करे। इस तरह, संविधान और संसद से बनाए गए दोनों चुनाव कानून दोनों साफ कहते हैं कि केवल भारतीय नागरिक ही वोटर बन सकते हैं।

मतदाता सूची में नाम जोड़ने के लिए नागरिकता कितनी जरूरी है, इसका सबसे अच्छा उदाहरण सोनिया गांधी का मामला है। सोनिया गांधी का नाम 1980 में मतदाता सूची में शामिल हो गया था, जबकि उस समय वह इटली की नागरिक थीं। शिकायत मिलने पर 1982 में उनका नाम मतदाता सूची से हटा दिया गया। उन्होंने अप्रैल 1983 में भारतीय नागरिकता के लिए आवेदन किया और उसी महीने उन्हें नागरिकता दे दी गई। इसके बाद उनका नाम फिर से मतदाता सूची में शामिल किया गया, उस समय वह 1, सफदरजंग रोड पर प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के साथ रहती थीं।

इन सब तथ्यों के बाद यह कहना बिल्कुल अजीब लगता है कि चुनाव आयोग को नागरिकता की इस अनिवार्य शर्त पर जोर नहीं देना चाहिए। दुर्भाग्य से, देश की सबसे पुरानी पार्टी के कुछ प्रवक्ता भी इन संवैधानिक और कानूनी प्रावधानों से अनजान हैं। उनमें से एक ने तो कुछ समय पहले ट्वीट करके चुनाव आयोग के नागरिकता की जांच करने के अधिकार पर ही सवाल उठा दिया था। अगर ऐसा है, तो क्या हम मान लें कि संविधान के अनुच्छेद 324 और 326 को ही हटा दिया गया है? पिछली बार एसआईआर लगभग 20 साल पहले, 2002-2004 के बीच किया गया था। उस समय यह प्रक्रिया बिहार, दिल्ली, पश्चिम बंगाल, केरल, तमिलनाडु, उत्तर प्रदेश और राजस्थान सहित कई राज्यों में हुई थी। जरा सोचिए, पिछले 22 वर्षों में कितने लोग इन सूचियों में दर्ज थे जो अब नहीं रहे, घर बदल चुके हैं, या राज्य से बाहर चले गए हैं?

इसलिए, चुनाव आयोग को संविधान और संसद की ओर से दिए गए अपने कर्तव्य का पालन करना ही चाहिए। उसे संविधान के प्रति वफादार रहना चाहिए और किसी धमकी या आरोप से डरना नहीं चाहिए।

(ए. सूर्य प्रकाश एक वरिष्ठ पत्रकार हैं। वह प्रसार भारती के चेयरमैन रह चुके हैं। इस समय वह नई दिल्ली स्थित प्रधानमंत्री संग्रहालय और पुस्तकालय की कार्यकारिणी परिषद के उपाध्यक्ष हैं।)

छुहारा या खजूर, कौन है सेहत के लिए सबसे फायदेमंद? आयुर्वेदिक डॉक्टर ने खोल दिया राज!

सेहतमंद रहने के लिए अक्सर लोग अपनी डाइट में तरह-तरह के ड्राई फ्रूट्स शामिल करते हैं। हर ड्राई फ्रूट के अपने फायदे होते हैं और हर किसी की प्रकृति भी अलग होती है। इसलिए कोई भी ड्राई फ्रूट तभी पूरा फायदा करता है, जब इसे अपनी जरूरतों के अनुसार सही समय और मात्रा में खाया जाए। उदाहरण के लिए खजूर और छुहारा, दोनों ही बड़े पॉपुलर ड्राई फ्रूट हैं और अक्सर लोग इन्हें एक जैसा ही समझते हैं। जबकि आयुर्वेदिक एक्सपर्ट डॉ रॉबिन शर्मा बताते हैं कि छुहारा और खजूर, दोनों की प्रकृति अलग है। अगर सही मौसम में और अपनी जरूरत के मुताबिक आप इनमें से सही ड्राई फ्रूट नहीं खा रहे हैं, तो फायदे की जगह नुकसान भी हो सकता है। आइए विस्तार में जानते हैं।

अलग-अलग होती है दोनों की प्रकृति

डॉ रॉबिन कहते हैं कि खजूर और छुहारा, दोनों की प्रकृति यानी नेचर एकदम अलग-अलग होता है। खजूर ठंडी तासीर का होता है और वात,पित प्रकृति वाली के लिए लाभदायक होता है। इसलिए इसे गर्मियों में खाना फायदेमंद रहता है। वहीं छुहारे की तासीर गर्म होती है और ये वात, कफ प्रकृति वाले लोगों के लिए फायदेमंद होता है। इसी वजह से इसे सर्दियों में खाना ज्यादा सही माना जाता है।

किन लोगों को खाना चाहिए खजूर?

हेल्थ एक्सपर्ट के मुताबिक खजूर थकावट और कमजोरी को दूर करने में काफी फायदेमंद होता है। इसके अलावा ये पेशाब की रुकावट को भी कम करता है। खजूर में एंटीऑक्सीडेंट्स भी भरपूर मात्रा में होते हैं, जो इम्यूनिटी बूस्ट करने में मदद करते हैं। इसके अलावा ये हार्ट हेल्थ, ब्लड प्रेशर और नर्व फंक्शन को बेहतर करने में भी काफी मदद करता है। हालांकि इसमें नेचुरल शुगर काफी ज्यादा होती है, इसलिए डायबिटीज वालों को कम मात्रा में इसका सेवन करना चाहिए।

छुहारा खाने से क्या फायदे मिलेंगे?

रॉबिन बताते हैं कि छुहारा शारीरिक कमजोरी को दूर करता है और पौरुषत्व में वृद्धि करता है। पुरुषों के लिए दूध के साथ छुहारा लेना बहुत फायदेमंद होता है। इसे खाने से पेशाब कम आता है। साथ ही इसमें आयरन भी भरपूर मात्रा में होता है और ये इंस्टेंट एनर्जी के लिए परफेक्ट है। ये पाचन और कब्ज में भी हल्की राहत देने का काम करता है।

सर्दियों में कुछ ही दिन मिलती है ये सब्जी, खाएं जरूर क्योंकि इसमें कई लाजवाब फायदे

सर्दियों की शुरुआत होते ही भरतपुर की सब्जी मंडियां रतालू की वजह से फिर से जीवंत हो उठी हैं। ठंड के मौसम में मिलने वाली यह मौसमी सब्जी स्वाद, पौष्टिकता और शरीर को गर्म रखने के गुणों के कारण लोगों की पहली पसंद बन गई है। साथ ही, इसकी खेती से किसानों को भी अच्छा मूल्य मिल रहा है।

रतालू: सर्दियों की खास सब्जी

रतालू सालभर नहीं मिलती और केवल ठंड के मौसम में खेतों से सीधे बाजार तक आती है। इसी वजह से इसका इंतजार हर घर में रहता है। ठंड के साथ ही इसकी सप्लाई बढ़ती है और लोग इसे बड़ी मात्रा में खरीदते हैं। यह शरीर को प्राकृतिक रूप से गर्म रखने और ऊर्जा देने का काम करती है।

स्वाद और पोषण में बेमिसाल

फाइबर: पाचन को दुरुस्त रखता है।

आयरन: कमजोरी और थकान को दूर करता है।

विटामिन बी6 और पोटेशियम: शरीर को फिट रखने में मदद करते हैं।

आयुर्वेद चिकित्सक डॉक्टर के अनुसार, रतालू बच्चों, बुजुर्गों और कमजोर लोगों के लिए बेहद फायदेमंद है।

कहां होती है खेती और क्यों पसंद की जाती है?

भरतपुर और आस-पास के इलाकों जैसे रूपवास, कुम्हेर और बयाना में रतालू की खेती होती है। खेतों से सीधे मंडी पहुंचने के कारण यह ताजी और उच्च गुणवत्ता वाली सब्जी मानी जाती है। किसानों के अनुसार इसकी बढ़ी हुई मांग उन्हें अच्छा मूल्य देती है।

कैसे खाएं रतालू: रतालू का हल्का मीठा और मुलायम स्वाद इसे हर उम्र के लोगों के लिए पसंदीदा बनाता है। इसे आप उबालकर, भूनकर, या मसालेदार सब्जी के रूप में पका सकते हैं।

आगामी दिनों में बढ़ती मांग: सर्दियों में रतालू की मांग और बढ़ने की संभावना है। इसकी उपलब्धता न सिर्फ ठंड का स्वागत कराती है, बल्कि लोगों की स्वाद और सेहत दोनों में रंग भरती है।

किन लोगो को रतालू नहीं खाना चाहिए या सावधानी से खाएं

पाचन समस्या वाले लोग: अगर किसी को अत्यधिक गैस, अपच या एसिडिटी की समस्या है, तो रतालू का सेवन सीमित मात्रा में करें। क्योंकि इसमें फाइबर और स्टार्च की मात्रा अधिक होती है।

डायबिटीज मरीज: रतालू में कार्बोहाइड्रेट अधिक होता है। डायबिटीज के मरीज इसे सीमित मात्रा में ही खाएं और अपने ब्लड शुगर स्तर की निगरानी करें।

किडनी की समस्या वाले लोग: रतालू में पोटेशियम होता है। अगर किडनी की समस्या है और पोटेशियम की मात्रा सीमित करने की सलाह दी गई है, तो रतालू से बचें।

ज्यादा मोटापा या वजन बढ़ाने की समस्या वाले लोग: क्योंकि इसमें स्टार्च और कैलोरी होती है, अत: वजन नियंत्रित करने वाले लोग इसे संतुलित मात्रा में ही खाएं।

अत्यधिक ठंड लगने वाले लोग: आयुर्वेद के अनुसार, रतालू ठंडी प्रकृति की होती है। जिनको ठंड से ज्यादा परेशानी होती है, उन्हें इसे थोड़ी मात्रा में और गर्म मसालों के साथ खाना चाहिए।

जिम वालों के लिए कौन सा प्रोटीन सबसे बेस्ट! चिकन, अंडा या पनीर

जिम में घंटों पसीना बहाने के बावजूद अक्सर लोग शिकायत करते हैं कि मसल्स ठीक से बन नहीं रहे। एक्सपर्ट्स मानते हैं कि मसल्स ग्रोथ में वर्कआउट से ज्यादा अहम रोल डाइट का होता है, खासकर प्रोटीन का। प्रोटीन ही शरीर की मसल्स को रिपेयर करता है, उन्हें मजबूत बनाता है और तेजी से ग्रोथ देता है। लेकिन सवाल यह है कि इतनी सारी प्रोटीन वाली चीजों में से असल में बेस्ट क्या है अंडा, चिकन या पनीर? आइए समझते हैं किस फूड में कैसी प्रोटीन मिलती है और जिम लवर्स के लिए कौन सबसे बेहतर साबित होता है।

अंडा: कंप्लीट प्रोटीन का पावरहाउसअंडे को प्रोटीन का सबसे बेहतरीन और आसान स्रोत माना जाता है, क्योंकि इसमें सभी 9 जरूरी अमीनो एसिड मौजूद होते हैं, जो सीधे मसल्स की ग्रोथ और रिकवरी में मदद करते हैं। शरीर अंडे के प्रोटीन को बेहद तेजी से अवशोषित कर लेता है, जिससे वर्कआउट के बाद मांसपेशियों की हीलिंग जल्दी होती है। इसकी जर्दी में मौजूद हेल्दी फैट्स और विटामिन क्च12 एनर्जी लेवल बढ़ाते हैं और शरीर को पूरे दिन एक्टिव रखते हैं। चाहे आप उबला अंडा खाएं, ऑमलेट बनाएं या स्क्रैम्बल हर रूप में अंडा मसल्स बनाने के लिए सुपर फायदेमंद है।

चिकन और लीन मीट

नॉन-वेज डाइट लेने वालों के लिए चिकन और लीन मीट मसल्स बिल्डिंग के सबसे मजबूत और भरोसेमंद प्रोटीन स्रोत माने जाते हैं। 100 ग्राम चिकन में लगभग 25-30 ग्राम हाई-क्वालिटी प्रोटीन मिलता है, जिसे शरीर बेहद आसानी से अवशोषित कर लेता है। इसमें मौजूद मिनरल्स और आवश्यक अमीनो एसिड मसल्स को तेजी से रिपेयर करते हैं और ग्रोथ को बूस्ट करते हैं। इसके साथ ही मछली और मटन जैसे अन्य मीट भी बेहतरीन विकल्प हैं। इनमें न सिर्फ क्वालिटी प्रोटीन मिलता है, बल्कि आयरन और ओमेगा-3 फैटी एसिड जैसे पोषक तत्व भी होते हैं, जो रिकवरी को तेज करते हैं और शरीर को ज्यादा स्ट्रॉन्ग बनाते हैं।

पनीर

वेजिटेरियन लोगों के लिए पनीर किसी सुपरफूड से कम नहीं। इसमें मौजूद केसिन प्रोटीन धीरे-धीरे पचता है, जिससे शरीर को लंबे समय तक लगातार प्रोटीन मिलता रहता है। खासतौर पर रात के भोजन में पनीर शामिल करना बेहद फायदेमंद माना जाता है, क्योंकि यह मसल ब्रेकडाउन को रोकने में मदद करता है। सब्जी, सलाद से लेकर पनीर टिक्का तक हर फॉर्म में यह शरीर को पोषण देता है। साथ ही, यह पेट भरने के साथ हेल्दी वेट गेन में भी सहयोगी साबित होता है।

क्या सप्लीमेंट्स की जरूरत पड़ती है?

सप्लीमेंट्स तभी लेने चाहिए जब आपकी नियमित डाइट आपकी प्रोटीन या न्यूट्रिशन की जरूरत पूरी न कर पाए। ऐसे में व्हे प्रोटीन या प्लांट-बेस्ड प्रोटीन अच्छे विकल्प हो सकते हैं। हालांकि, सप्लीमेंट चुनते समय यह जरूर देखें कि उसमें कम केमिकल्स हों और अमीनो एसिड प्रोफाइल उच्च गुणवत्ता वाला हो, ताकि शरीर को अधिकतम लाभ मिल सके।

जामें प्रोटीन का असर कैसे बढ़ाएं

दिन भर थोड़ा-थोड़ा प्रोटीन खाएं। एक बार में बहुत ज्यादा प्रोटीन लेने से शरीर उसे पूरी तरह उपयोग नहीं कर पाता, और इसका फायदा भी कम हो जाता है। इसलिए बेहतर यही है कि दिन भर में छोटे-छोटे हिस्सों में प्रोटीन शामिल करें। इससे मसल्स को लगातार अमीनो एसिड मिलता रहता है और रिकवरी भी तेज होती है।

सही कॉम्बिनेशन बनाएं

सही फूड कॉम्बिनेशन मसल्स को पूरा अमीनो एसिड प्रोफाइल देने में मदद करता है। जैसे दाल+चावल, पनीर+सलाद या अंडा+ओट्स जैसे कॉम्बो शरीर में प्रोटीन की क्वालिटी को बेहतर बनाते हैं। ये संयोजन न सिर्फ डाइजेशन आसान करते हैं बल्कि मसल रिकवरी और स्ट्रेंथ बढ़ाने में भी कारगर साबित होते हैं।

वर्कआउट के 30-60 मिनट के अंदर प्रोटीन लें

वर्कआउट के बाद शरीर की मसल्स सबसे ज्यादा थकी हुई होती हैं और उसी समय उन्हें प्रोटीन की सबसे ज्यादा जरूरत पड़ती है। इसलिए एक्सरसाइज खत्म होने के 30-60 मिनट के भीतर प्रोटीन लेना बेहद फायदेमंद माना जाता है। इस टाइम विंडो में लिया गया प्रोटीन तेजी से अवशोषित होता है, जिससे मसल रिकवरी दोगुनी तेजी से होती है, ह्यश्चद्गद्दह्यह्य कम होती है और मसल ग्रोथ भी बेहतर तरीके से शुरू हो जाती है। यही वजह है कि फिटनेस एक्सपर्ट इसे गोल्डन विंडो कहते हैं।

पानी ज्यादा पिएं

जब आप हाई-प्रोटीन डाइट लेते हैं, तो शरीर को प्रोटीन को पचाने और अवशोषित करने में अधिक पानी की जरूरत होती है। पर्याप्त पानी न मिलने पर पाचन धीमा हो सकता है, कब्ज या ब्लोटिंग जैसी दिक्कतें भी बढ़ सकती हैं। इसलिए हाई-प्रोटीन भोजन के साथ पूरे दिन नियमित रूप से पानी पीना बेहद जरूरी है। अच्छी हाइड्रेशन न सिर्फ पाचन को आसान बनाती है, बल्कि मसल रिकवरी, एनर्जी लेवल और किडनी फंक्शन को भी सपोर्ट करती है। दिनभर थोड़ा-थोड़ा पानी पीने से शरीर में प्रोटीन का अवशोषण बेहतर होता है और डाइट का फायदा भी ज्यादा मिलता है।

तो जानें आखिर बेस्ट क्या है

नॉन-वेज खाने वालों के लिए: चिकन + अंडा सबसे तेज और असरदार मसल-बिल्डिंग प्रोटीन।

वेजिटेरियन के लिए: पनीर + दाल + दही/दूध मसल ग्रोथ का बेस्ट कॉम्बो।

जिन्हें फैट कम और प्रोटीन ज्यादा चाहिए: अंडा और चिकन सबसे उपयुक्त।

हर फूड में प्रोटीन है, लेकिन आपका लक्ष्य, आपकी बॉडी और आपकी डाइट तय करती है कि कौन सा प्रोटीन आपके लिए सबसे बेहतर है। सही प्रोटीन चुनेंगे, तभी सही मसल्स बनेंगे।

पानी गर्म रखने वाली बोतल से आ रही गंदी बदबू तो दूर करने का ये तरीका जान लें

सर्दियों का मौसम शुरू हो चुका है। ऐसे में पानी, चाय या किसी लिक्विड चीज को रखने के लिए थर्मोफ्लास्क वाली बोतल का इस्तेमाल ज्यादातर लोग करते हैं। जिससे की खाने-पीने का सामान देर तक गर्म बना रहे। लेकिन बोतल लगातार कई महीनों से बंद पड़ी होने की वजह से उसमे से बदबू कर रही है। और कई बार साफ करने के बाद भी ये बदबू पूरी तरह नहीं जा रही। तो इन ट्रिक्स को ट्राई करें। जिनकी मदद से बोतल से आ रही सारी बदबू साफ हो जाएगी और दोबारा से यूज करने लायक बन जाएगी।

चावल और नमक से करें सफाई

पानी गर्म रखने वाली बोतल थर्मोफ्लास्क की बोतल से बदबू आ रही है और वो साबुन से धुलाई के बाद भी नहीं जा रही। तो बस ये आसान सी ट्रिक ट्राई कर लो। जिसकी मदद से ये बदबू एक बार में ही गायब हो जाएगी। बस इसके लिए बोतल में करीब एक चम्मच चावल के दाने डाल दें। साथ ही

एक चम्मच सेंधा नमक भी डाल दें। अब इसमें एक कप के करीब पानी डालें। और, जोर से हिलाएं। इसे करीब पांच मिनट हिलाकर आधे घंटे के लिए छोड़ दें। फिर पानी से अच्छी तरह से साफ कर दें। ऐसा करने से बोतल की तली में लगी सफेदी और गंदगी भी अच्छी तरह से साफ हो जाएगी।

नींबू और नमक

अगर बोतल की गंदी बदबू जा ही नहीं रही है तो ये नुस्खा आजमाएं। बोतल में गर्म पानी करीब आधा कप डाल दें। साथ ही उसमे नींबू का रस निचोड़ दें और साथ ही एक चम्मच सेंधा नमक डाल दें। सारी चीजों को शेक करें और अच्छी तरह से हिलाएं। फिर करीब आधे घंटे के लिए बोतल में नींबू का पानी और नमक छोड़ दें। फिर आधे घंटे बाद सफाई करेंगे तो बोतल की सारी गंदगी साफ हो जाएगी और साथ ही बदबू भी खत्म हो जाएगी। नींबू की वजह से फ्रेशनेस आने लगेगी।

चाय की पत्ती से बदबू होगी दूर

थर्मोफ्लास्क की बोतल में बदबू आने का कारण अक्सर चाय ही होती है। दूध वाली चाय को जब बोतल में रखा जाता है तो उसकी बदबू भर जाती है। लेकिन चाय की मदद से ही इसकी बदबू को दूर किया जा सकता है। बस गर्म पानी से बोतल भर दें। फिर इसमे थोड़ी सी चाय की पत्ती या फिर टी बैग डाल दें। करीब दो से तीन घंटे के बोतल से सारी बदबू दूर हो जाएगी। बस चाय हटाकर बोतल को अच्छी तरह से धो दें। सारी बदबू दूर हो जाएगी।

राहुल गांधी मानहानि केस- परिवादी की गवाही दर्ज, आज भी होगी जिरह

सुलतानपुर (एजेंसी)। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह पर आपत्तिजनक टिप्पणी से जुड़े मानहानि प्रकरण में लोकसभा में नेतापक्ष कांग्रेस के राहुल गांधी के खिलाफ एमपी-एमएलए कोर्ट मजिस्ट्रेट शुभम वर्मा की अदालत में सोमवार को परिवादी के गवाह की गवाही दर्ज की गई। परिवादी पक्ष के अधिवक्ता संतोष पांडेय के अनुसार गवाह रामचंद्र दूबे अदालत में उपस्थित हुए, जिनकी मुख्य गवाही दर्ज की गई।

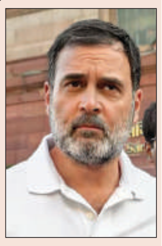

इसके बाद बचाव पक्ष के वकील ने गवाह से जिरह शुरू की, किंतु जिरह पूर्ण न होने पर अदालत ने शेष जिरह के लिए कल नौ दिसंबर की तारीख तय की है। गौरतलब है कि यह मामला वर्ष 2018 का है। चार अगस्त को कोऑपरेटिव बैंक के पूर्व चेयरमैन व भाजपा नेता विजय मिश्र ने राहुल गांधी के खिलाफ मानहानि वाद दायर किया था। आरोप है कि राहुल गांधी ने बेंगलुरु की एक जनसभा में तत्कालीन भाजपा अध्यक्ष अमित शाह के खिलाफ आपत्तिजनक टिप्पणी की थी, जिससे आहत होकर परिवादी ने अदालत शरण ली। कोर्ट ने मामले में 27 नवंबर 2023 को राहुल गांधी को तलब किया था। राहुल गांधी ने 20 फरवरी 2024 को पेश होकर जमानत कराई थी। बाद में 25 जुलाई को उनका बयान दर्ज हुआ था, जिसमें उन्होंने इस मुकदमे को राजनीतिक साजिश बताया था। अब गवाह रामचंद्र दूबे से बचाव पक्ष की शेष जिरह पर सभी की निगाहें टिकी हैं।

पालघर पुलिस स्टेशन में महिला से दुष्कर्म, आरोपी कांस्टेबल गिरफ्तार

पालघर (एजेंसी)। महाराष्ट्र के पालघर जिले में एक महिला के साथ दुष्कर्म के आरोप में कासा पुलिस स्टेशन के एक 40 वर्षीय कांस्टेबल को गिरफ्तार किया गया है। घटना पिछले सप्ताह थाने में तब हुई जब पीड़िता को बयान दर्ज कराने के बहाने बुलाया गया था। पीड़ित महिला की शिकायत के अनुसार, कांस्टेबल ने थाने में उसके साथ जबरन दुष्कर्म किया। मामले के सामने आते ही पुलिस विभाग ने आरोपी के खिलाफ बलात्कार का मामला दर्ज कर रविवार को उसे गिरफ्तार कर लिया। घटना को गंभीरता से लेते हुए विभाग ने कार्रवाई तेज कर दी है। कासा पुलिस स्टेशन के इंचार्ज को भी इस मामले के बाद ट्रांसफर कर दिया गया है। वरिष्ठ अधिकारी पूरे मामले की जांच की निगरानी कर रहे हैं।

गिर सोमनाथ में भूकंप के हल्के झटके, किसी नुकसान की खबर नहीं

अहमदाबाद (एजेंसी)। गुजरात के गिर सोमनाथ जिले में सोमवार सुबह 10:51 बजे भूकंप के हल्के झटके महसूस किए गए। रिक्टर स्केल पर भूकंप की तीव्रता 3.1 दर्ज की गई। स्थानीय प्रशासन और आपदा प्रबंधन टीमों ने बताया कि अब तक कहीं से किसी प्रकार के नुकसान या जनहानि की सूचना नहीं मिली है। अधिकारियों के अनुसार भूकंप का केंद्र गिर सोमनाथ क्षेत्र के निकट था। झटके महसूस होने के कारण लोग बड़ी संख्या में घरों से बाहर नहीं निकल आए। फिलहाल किसी प्रकार के जान-माल के नुक्सान की कोई सूचना नहीं है। फिर भी प्रशासन स्थिति पर नजर बनाए हुए है। भूकंप के झटके और खतरे को लेकर भू-विज्ञान विशेषज्ञों का कहना है कि 3.1 तीव्रता के झटके सामान्य माने जाते हैं और इनमें गंभीर नुकसान की संभावना बेहद कम होती है। इसके बावजूद संबंधित विभाग सतर्कता के साथ सभी पहलुओं की निगरानी कर रहे हैं।

ऑल वेदर रोड के खिलाफ उतरा संघ... 7 हजार देवदार के पेड़ों को काटने का विरोध

उत्तरकाशी (एजेंसी)। उत्तराखंड में केन्द्र और राज्य सरकार की महत्वकांक्षी गंगोत्री हाईवे परियोजना यानी ऑल वेदर रोड के खिलाफ संघ यानी आरएसएस खुलकर विरोध में आ गया है। संघ के सह-सरकार्यवाह डॉ कृष्ण गोपाल और भाजपा के वरिष्ठ नेता व पूर्व केंद्रीय शिक्षा मंत्री मुरली मनोहर जोशी ने परियोजना के तहत 7 हजार देवदार के पेड़ों को काटने का विरोध किया है। इसके बाद उत्तरकाशी के हर्षिल में 100 से ज्यादा लोगों ने देवदार के पेड़ों को रक्षा सूत्र बांधा। इसका समर्थन देने स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती भी पहुंचे। पर्यावरण जानकार ने बताया कि ये पेड़ भागीरथी इकोनॉमिक सेंसेटिव जोन में काटे जाएंगे, जिससे गंगा का पानी सूख जाएगा। इसका असर पूरे उत्तर भारत में देखने को मिलेगा और बर्फबारी में कमी होगी। इसी साल नवंबर में उत्तराखंड के वन विभाग के अनुसार, ऑल वेदर रोड के कारण 41.92 हेक्टेयर वन क्षेत्र का नुकसान होगा, इसमें कई देवदार के पेड़ भी शामिल हैं। इससे पहले बताया गया था कि 900 किलोमीटर लंबी परियोजना में कुल 56 हजार से ज्यादा पेड़ काटे होने थे, जिनमें से लगभग 36,000 पेड़ पहले ही काटे जा चुके थे।

प्रतिबंधित क्षेत्र में अवैध रूप से मछली पकड़ते 34 मछुआरे गिरफ्तार, दो नौकाएं भी जब्त

कोच्ची (एजेंसी)। ओडिशा के वन अधिकारियों ने केंद्रपाड़ा जिले के गहिरमाथा समुद्री अभयारण्य से 34 मछुआरों को गिरफ्तार किया है और दो नौकाएं भी जब्त किया है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक वन विभाग के अधिकारी ने बताया कि ये गिरफ्तारियां पिछले 48 घंटों में की गईं। आरोप है कि मछुआरे प्रतिबंधित क्षेत्र में अवैध रूप से मछली पकड़ रहे थे। भितरकनिका के सहायक वन संरक्षक ने बताया कि अभयारण्य के निषिद्ध क्षेत्रों में पहुंचे मछुआरों की नौकाएं वन गश्ती दलों ने जब्त कर ली हैं। उन्होंने बताया कि गिरफ्तार मछुआरे बालासोर और मयूरभंज जिलों के निवासी हैं। बाद में उन्हें न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। नौकाएं अभयारण्य के प्रतिबंधित गलियारों तक घुस आईं और उन्होंने वन्यजीव संरक्षण अधिनियम, ओडिशा समुद्री मत्स्य विनियमन अधिनियम और समुद्री अभयारण्य से जुड़े अनिवार्य नियमों का उल्लंघन किया। ओलिव रिडले समुद्री कछुओं के प्रजनन क्षेत्रों में मछली पकड़ने के आरोप में अब तक करीब 200 मछुआरों को गिरफ्तार किया जा चुका है। बता दें राज्य सरकार ने लुप्तप्राय ओलिव रिडले कछुओं के प्रजनन काल को ध्यान में रखते हुए एक नवंबर से धामरा से देवी नदी के मुहाने तक 20 किलोमीटर के इलाके में सात महीने के लिए मछली पकड़ने पर बैन लगा दिया है। हालांकि, गहिरमाथा को समुद्री अभयारण्य का दर्जा प्राप्त होने के कारण यहां यह प्रतिबंध पूरे साल लागू रहता है।

अच्छे कानून बनाने के लिए सांसद व्हिप से मुक्त हो, कांग्रेस नेता तिवारी ने पेश किया निजी बिल

भविष्य में वे सांसद पार्टी लाइन से हटकर वोट कर सकें

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस सांसद मनीष तिवारी ने सांसदों को व्हिप की बाध्यता को कम करने के लिए लोकसभा में एक निजी बिल पेश किया है। इसमें उन्होंने प्रस्ताव दिया है कि अच्छे कानून बनाने के लिए सांसदों को व्हिप से मुक्त करे, ताकि भविष्य वे पार्टी लाइन से हटकर भी सांसद वोट कर सकें।

शुक्रवार को दलबदल रोधी कानून में संशोधन के लिए गैर-सरकार विधेयक पेश करने वाले कांग्रेस नेता तिवारी ने कहा कि बदलाव से सांसद जनता की आवाज के मुताबिक फैसला होगा, न कि सिर्फ पार्टी आदेशों के मुताबिक होगा। कांग्रेस नेता तिवारी ने कहा कि इसका इरादा अच्छे कानून बनाना और लोकतंत्र में सांसदों की आजाद राय सुनिश्चित करना है। ताकि वे पार्टी लाइन का पालन किए बिना अपने विवेक से किसी भी बिल-प्रस्ताव पर वोट करने या न करने का फैसला ले सकें।

फिलहाल यदि सांसद पार्टी व्हिप के खिलाफ जाकर वोट करते हैं, तब उनकी सदस्यता खतरे में आ जाती है, लेकिन बिल से सांसदों की सदस्यता सिर्फ तभी खत्म होगी, जब वे विश्वास-अविश्वास प्रस्ताव, स्थगन प्रस्ताव, मनी बिल या वित्तीय मामलों पर पार्टी निर्देश के खिलाफ वोट दें या अनुपस्थित रहें। किसी बिल या प्रस्ताव पर जारी पार्टी निर्देश की जानकारी हाउस के चेयरमैन या स्पीकर सदन में घोषित करते है। यदि कोई सदस्य निर्देश के खिलाफ जाता है, तब सदस्यता स्वतः समाप्त होगी। सदस्य को 15 दिनों के भीतर स्पीकर/चेयरमैन के पास अपील करने का अधिकार होगा और अपील का निपटारा 60 दिनों में होना चाहिए। कांग्रेस सांसद तिवारी ने कहा कि संसद में कई बार कोरम पूरा नहीं होता और लॉमेकिंग में सांसदों की भूमिका सीमित हो गई है। कानून मंत्रालय में तैयार होते हैं, मंत्री तैयार बयान पढ़ते हैं और व्हिप के कारण ट्रेजरी और विपक्ष दोनों तयशुदा लाइन पर वोट करते हैं। उन्होंने कहा कि 1950 से 1985 तक व्हिप लगाए जाते थे, लेकिन वे बाध्यकारी नहीं थे। 1967 में 'आया राम गया राम' की घटनाओं के बाद दलबदल बढ़ा और आखिर में तब के प्रधानमंत्री राजीव गांधी ने 10वां शेड्यूल लागू किया।

पटना में जेडीयू ऑफिस के बाहर पोस्टर... अब पार्टी की कमान संभालें निशांत

पटना। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के बेटे निशांत की राजनीति में एंट्री को लेकर चर्चाओं का दौर जारी है। राजधानी पटना स्थित जनता दल यूनाइटेड (जदयू) के दफ्तर के बाहर पोस्टर लगे हैं, जिन पर लिखा है, अब पार्टी की कमान संभालें निशांत और नीतीश सेवक मांगें निशांत। जदयू के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष संजय झा ने भी निशांत के राजनीति में आने के संकेत दिए हैं। उन्होंने कहा कि पार्टी सदस्य और समर्थक चाहते हैं कि निशांत पार्टी में शामिल हों, लेकिन अंतिम फैसला निशांत को ही लेना है। राजधानी पटना में ये पोस्टर तब समय पर सामने आए हैं जब जदयू ने राज्य में 2025 से 2028 तक के लिए सदस्यता अभियान की शुरुआत की है। बात दें कि निशांत कुमार नीतीश कुमार और मंजू सिन्हा के इकलौते बेटे हैं। उन्होंने सेंट केरन्स (पटना), मानव भारती इंडिया इंटरनेशनल स्कूल (मसूरी) और बिरला इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (बीटीआई) मेसरा से सॉफ्टवेयर इंजीनियरिंग की शिक्षा ली है। 2017 में उन्होंने राजनीति में कोई दिलचस्पी नहीं होने की बात कही थी और कहा था कि उनका पहला प्यार आध्यात्म है। हालांकि, इस साल जनवरी में वह बख्तियारपुर में एक कार्यक्रम में नजर आए थे और पिता के लिए समर्थन जुटा रहे थे। यह घटनाक्रम दिखाता है कि जदयू के भीतर और समर्थकों के बीच निशांत को सक्रिय राजनीति में लाने की मांग बढ़ रही है।

मस्जिद की नींव हुमायूं ने नहीं, ममता बनर्जी ने रखी... वह ड्रामा कर रही

केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह का टीएमसी पर आरोप

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल में बाबरी मस्जिद की नींव रखने को लेकर भारतीय जनता पार्टी ने मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर सवाल उठा दिए हैं। भाजपा के आरोप हैं कि सीएम ममता अपने नेताओं और सांसदों से ही इसके खिलाफ बयान दिला रही हैं। तृणमूल कांग्रेस ने विधायक हुमायूं कबीर को निलंबित कर दिया है। उन्होंने मुर्शिदाबाद जिले में मस्जिद की नींव रखी थी।

केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने कहा, हुमायूं ने नहीं, ममता बनर्जी ने नींव रखी हैं, और वह ड्रामा कर रही हैं और अपने नेताओं और सांसदों से इसके खिलाफ बयान दिलवा रही हैं। केंद्रीय मंत्री सिंह ने कहा, ममता बंगाल की धरती को हिंदू मुसलमान में बांटने के लिए ये बाबरी मस्जिद हिडन एजेंडा के रूप में कबीर के द्वारा इन्होंने लाया है। इसका विरोध पूरे देश में जिस ढंग से अब दूसरी जगह हो रहा है। ममता बनर्जी को इसकी सजा भुगतनी पड़ेगी।

केंद्रीय मंत्री सिंह ने संसद में होने वाली चर्चा पर भी अपनी बात रखी। उन्होंने कहा, अगर भारत के सबसे बड़े लोकतंत्र के मंदिर में वंदे मातरम् पर चर्चा नहीं होगी, तब कहां होगी? वंदे मातरम् अपनी 150वीं वर्षगांठ मना रहा है। आजादी का यह गीत बंगाल की धरती से था, इस पर चर्चा होनी चाहिए। यह भारत की विरासत है...।

रिपोर्ट्स के अनुसार, टीएमसी से निलंबित होने के बाद अब कबीर नई पार्टी बनाने की तैयारी कर रहे हैं। इसे लेकर वह 22 दिसंबर को बड़ी घोषणा कर सकते हैं। खबरें थीं कि मस्जिद की नींव रखने के प्रस्ताव के बाद से ही सीएम बनर्जी विधायक से नाराज थीं। हालांकि, पार्टी ने इस लेकर आधिकारिक तौर पर कुछ नहीं कहा है।

तमिलनाडु में 84 लाख से ज्यादा वोटर्स के कट सकते हैं नाम, 11 दिसंबर तक जमा होंगे फार्म

-मध्यप्रदेश में 14.88 लाख ऐसे वोटर जिनके नाम 2003 की लिस्ट से नहीं हो मैच

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश के 12 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में चल रहे वोटर लिस्ट के स्पेशल इंटेंसिव रिविजन (एसआईआर) के फॉर्म 11 दिसंबर तक जमा होंगे। इस बीच तमिलनाडु में अब तक मिले डेटा से पता चलता है कि मसौदा मतदाता सूची से 84 लाख से ज्यादा वोटर्स के नाम कट सकते हैं। राज्य में अब तक 84.91 लाख एन्यूमरेशन फॉर्म अनकलेक्टेबल श्रेणी में हैं यानी इन फॉर्म को अलग-अलग कारणों से इकट्ठा नहीं किया सकता है। इसमें अधूरी जानकारी होना, 2003 की लिस्ट में नाम न मिलना, वोटर की मौत या शिफ्ट हो जाना प्रमुख कारण हैं।

वहीं बंगाल में शुक्रवार तक अनकलेक्टेबल एन्यूमरेशन फॉर्म की संख्या 54.59 लाख थी यानी इनके नाम वोटर्स लिस्ट से कटने की आशंका है, जबकि केरल में जिन वोटरों का पता नहीं चल रहा है, जो मर चुके हैं या स्थायी रूप से शिफ्ट हो गए हैं। उनकी संख्या बढ़कर 20 लाख से ज्यादा हो गई है।

दरअसल बिहार के बाद देश के 12 राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों में एसआईआर 28 अक्टूबर से शुरू हुआ है। इस प्रोसेस में वोटर लिस्ट का अपडेशन होगा। नए वोटरों के नाम जोड़े जाएंगे और वोटर लिस्ट में सामने आने वाली गलतियों को सुधारा जाएगा।

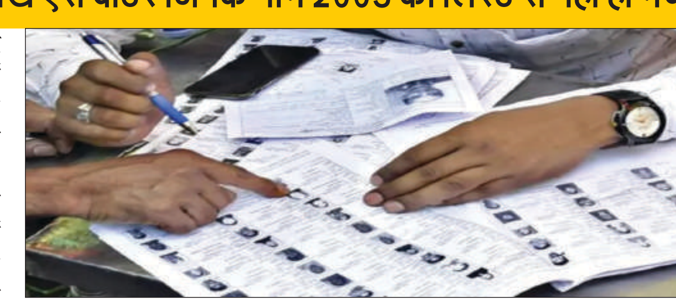

तमिलनाडु में 16 दिसंबर को प्रकाशित होने वाली मसौदा मतदाता सूची से इन नामों को हटाया जा सकता है। यह आंकड़ा राज्य के कुल 6.41 करोड़ मतदाताओं का 13.24फीसदी है। इसमें 44.22 लाख फॉर्म हमेशा के लिए शिफ्ट श्रेणी में हैं। वहीं 26.18 लाख को मृत, 10.73 लाख को अनुपस्थित और 3.5 लाख को डुप्लीकेट श्रेणी में रखा गया है। हालांकि मुख्य चुनाव अधिकारी ने कहा है कि प्रक्रिया अभी चल रही है। ये डेटा फाइनल नहीं है। केरल में अनकलेक्टेबल की लिस्ट में 20.75 लाख लोग हैं। इसमें से 7.39 लाख स्थायी रूप से शिफ्ट हो गए हैं। 6.11 लाख फॉर्म ऐसे लोगों के हैं, जो मर चुके हैं। वहीं 5.66 लाख का पता नहीं चला है। 1.12 लाख नाम डुप्लीकेट हैं। वहीं पश्चिम बंगाल में 23.71 लाख डेथ वोटर्स, 10.25 लाख लापता, 19.08 लाख शिफ्टेड और 1.26 लाख डुप्लीकेट वोटर्स शामिल हैं।

मध्यप्रदेश में 14.88 लाख ऐसे वोटर पाए गए हैं, जिनके नाम 2003 की वोटर लिस्ट से मैच नहीं हो रहे। इनका कोई लिंक न तो ब्लड रिलेशन से मिल रहा है और न ही वोटर लिस्ट में नाम दर्ज है। ऐसे वोटरों के नाम कटना तय माना जा रहा है। निर्वाचन आयोग के अफसरों ने सभी जिला प्रशासन को नो-मैपिंग वाले वोटरों की क्रॉस-चेकिंग करने की हिदायत दी है, ताकि नोटिस जारी करने में कोई समस्या न आए।

चुनाव आयोग ने 30 नवंबर को एसआईआर की समय सीमा एक सप्ताह बढ़ाने का फैसला किया था। आयोग ने कहा था कि अब अंतिम मतदाता सूची 14 फरवरी 2026 को प्रकाशित की जाएगी। मतदाता जोड़ने-हटाने का एन्यूमरेशन पीरियड यानी वोटर वेरिफिकेशन अब 11 दिसंबर तक चलेगा, जो पहले 4 दिसंबर तक तय था। वहीं, पहले ड्राफ्ट लिस्ट 9 दिसंबर को जारी होनी थी, लेकिन अब इसे 16 दिसंबर को जारी किया जाएगा।

सिद्दारमैया को सुप्रीम कोर्ट का नोटिस: चुनावी वादों पर भ्रष्ट आचरण का आरोप

-चुनाव लड़ने से रोकने की मांग

बेंगलुरु (एजेंसी)। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दारमैया को सुप्रीम कोर्ट ने वरुणा सीट से उनके 2023 के चुनाव के खिलाफ दायर एक याचिका पर नोटिस जारी किया है। याचिका वरुणा क्षेत्र के मतदाता शंकरा ने दायर की है, जिसमें निम्नलिखित की मांग की गई है कि सिद्दारमैया का चुनाव रद्द किया जाए। उन्हें अगले छह साल तक चुनाव लड़ने से रोका जाए।

याचिकाकर्ता ने आरोप लगाया है कि- 2023 के विधानसभा चुनावों के दौरान कांग्रेस पार्टी ने अपने घोषणापत्र में जो पांच वादे किए थे, वे मतदाताओं को रिश्वत देने के समान हैं। यह घोषणापत्र सिद्दारमैया की सहमति से जारी हुआ था, इसलिए उन पर भ्रष्ट आचरण का मामला बनता है। इतना ही नहीं याचिकाकर्ता ने इन वादों को भ्रष्ट आचरण बताकर कहा है कि इनसे पुरुषों के साथ भेदभाव हुआ, जो संविधान के अनुच्छेद 14 का उल्लंघन है। प्रत्येक घर को 200 यूनिट मुफ्त बिजली, प्रत्येक महिला मुखिया को 2,000 रुपए प्रतिमाह, प्रत्येक बीपीएल परिवार के सदस्य को 10 किलो अनाज प्रतिमाह, बेरोजगार ग्रेजुएट्स को 2 साल तक 3,000 रुपए प्रतिमाह, डिप्लोमा धारकों को 1,500 रुपए प्रतिमाह और राज्य में सभी महिलाओं के लिए सरकारी बसों में मुफ्त यात्रा।

हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट का रुख

कर्नाटक हाईकोर्ट- अप्रैल में याचिका को यह कहकर खारिज कर दिया था कि चुनाव में किए गए वादे करप्ट प्रैक्टिस (भ्रष्ट आचरण) की श्रेणी में नहीं आते। सुप्रीम कोर्ट (जस्टिस विक्रम नाथ और जस्टिस संदीप मेहता की बेंच)- शुरुआत में बेंच ने याचिका खारिज करने की इच्छा जाहिर की है। हालांकि, अदालत को तमिलनाडु के लंबित मामले (एस. सुब्रमण्यम बालाजी बनाम तमिलनाडु सरकार, 2013) की जानकारी दी गई, जिसमें समान चुनावी वादों को भ्रष्ट आचरण माना जाए या नहीं, इस पर तीन न्यायाधीशों की बेंच के सामने चुनौती लंबित है। इसी कारण, सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले में भी सुनवाई की अनुमति दी और सिद्दारमैया तथा अन्य पक्षों को जवाब देने के लिए नोटिस जारी किया। यह मामला भारतीय राजनीति और चुनावी नियमों के बीच एक महत्वपूर्ण कानूनी बहस बन गया है। सुप्रीम कोर्ट की अगली सुनवाई में यह तय होगा कि चुनावी घोषणापत्र में किए गए वादों को कानूनी रूप से भ्रष्ट प्रैक्टिस माना जा सकता है या नहीं।

बीकानेर बार्डर पार करने की कोशिश कर रहे छात्र को सुरक्षाबलों ने पकड़ा, जासूसी का शक

-पाकिस्तान के रावलपिंडी में रहती है प्रेमिका, 2017 में जेल में हुई थी मुलाकात

बीकानेर (एजेंसी)। राजस्थान के बीकानेर के खाजूवाला सेक्टर में सुरक्षाबलों ने भारत-पाकिस्तान सीमा के पास पाकिस्तान में घुसने की कोशिश करते हुए आंध्र प्रदेश के एक बीटेक ग्रेजुएट छात्र को पकड़ा गया है। पुलिस ने बताया कि आरोपी का नाम प्रशांत वेदम है, जो विशाखापट्टनम का रहने वाला है। उसने सुरक्षा एजेंसियों को बताया कि वह पाकिस्तान में रहने वाली अपनी प्रेमिका से मिलने सीमा पार करने की कोशिश कर रहा था। वह एक बार पहले भी बॉर्डर पार कर पाकिस्तान जा चुका है।

मीडिया रिपोर्ट में अधिकारियों के हवाले से बताया गया है कि प्रशांत वेदम शुक्रवार दोपहर को खाजूवाला में एक बस से उतरा और इंटरनेशनल बॉर्डर की चला गया, तभी आर्मी कैंप के चक 17 के पास सैनिकों को उसका व्यवहार संदिग्ध लगा और उन्होंने उसे रोक लिया। थोड़ी देर पूछताछ के बाद उन्होंने उसे खाजूवाला पुलिस को सौंप दिया। खाजूवाला एसएचओ के मुताबिक प्रशांत वेदम खुलेआम पाकिस्तान जाने की बात कर रहा था और सीमा पार करने का आसान रास्ता ढूंढ रहा था। आर्मी इंटेलिजेंस को इसकी जानकारी मिली और उसे तुरंत पकड़ लिया। जांच अधिकारियों को शक है कि वह पाकिस्तान लौटने की कोशिश कर रहा था, उसके पाकिस्तान जाने का असली मकसद पूछताछ के बाद ही पता चलेगा। एसएचओ ने कहा कि अब उससे आर्मी और सुरक्षा एजेंसियां पूछताछ करेंगी।

रिपोर्ट के मुताबिक शुरुआती जांच में पता चला कि यह प्रशांत वेदम की पहली कोशिश नहीं थी। वह पहले 2017 में बीकानेर में करणी पोस्ट के रास्ते पाकिस्तान गया था। उस समय उसे पाकिस्तानी सेना ने गिरफ्तार कर लिया था और वह 2021 तक उनकी हिरासत में रहा था, जिसके बाद उसे अटारी बॉर्डर के रास्ते भारत भेज दिया गया। दोबारा यात्रा करने की उसकी कोशिश ने उसके बयान पर शक पैदा कर दिया है और आर्मी को भी उसके दावों पर शक है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक एसएचओ ने बताया कि वह दावा कर रहा है कि उसे पाकिस्तान में एक महिला से प्यार हो गया था जिसे वह अपनी गर्लफ्रेंड प्रविता बता रहा है जो दूसरी सेल में जेल में थी जो रावलपिंडी में रहती है। प्रशांत ने पुलिस को बताया है कि वह उससे मिलने के लिए पाकिस्तान वापस जा रहा था। यह साफ नहीं है कि वह अभी भी उस लड़की के संपर्क में था या नहीं। अधिकारी ने बताया कि आंध्र प्रदेश में प्रशांत के परिवार को सूचना दे दी गई है और उसका भाई अधिकारियों की मदद के लिए खाजूवाला आने के लिए निकल गया है। उसके भाई ने बताया कि प्रशांत वेदम को कुछ मानसिक स्वास्थ्य समस्या है।

रिपोर्ट के मुताबिक अधिकारियों ने बताया कि प्रशांत बीटेक ग्रेजुएट है। वह चीन और अफ्रीका में भी काम कर चुका है। पुलिस ने बताया कि प्रशांत को अब खाजूवाला में सेफ हाउस में रखा गया है, जहां अलग-अलग खुफिया एजेंसियां उससे मिलकर पूछताछ कर रही हैं ताकि यह पता चल सके कि यह सीमा पार जासूसी का मामला तो नहीं है।

इंडिगो संकट... क्या डीजीसीए के फरमान के बाद भी लापरवाह बना रहा कंपनी का हाई-प्रोफाइल बोर्ड

-कंपनी की आंतरिक निगरानी प्रणाली की क्षमता पर भी प्रश्नचिह्न लगा

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश की सबसे बड़ी एयरलाइन इंडिगो बीते पांच दिनों से गंभीर परिचालन संकट में है, जिससे हजारों यात्रियों को भारी परेशानी झेलनी पड़ी है। उड़ानों के लगातार रद्द और विलंब होने से एयरपोर्ट्स पर अराजकता का माहौल बना हुआ है। इस घटना ने न केवल इंडिगो के संचालन मॉडल पर सवाल उठा दिए हैं, बल्कि कंपनी के हाई-प्रोफाइल बोर्ड और उसकी आंतरिक निगरानी प्रणाली की क्षमता पर भी प्रश्नचिह्न लगा दिया हैं। सवाल उठ रहे हैं कि क्या इंडिगो प्रबंधन और बोर्ड ने संकट की आशंका को देखकर कोई ठोस रणनीति बनाई गई थी।

मामले के केंद्र में पायलटों के लिए लागू होने वाले फ्लाइट ड्यूटी टाइम लिमिटेशन (एफडीटीएल) नियम हैं, जिन्हें नागरिक उड्डयन महानिदेशालय (डीजीसीए) ने जनवरी 2024 में अधिसूचित किया था। शुरुआत में यह नियम 1 जून 2024 से लागू होने थे, लेकिन एयरलाइंस कंपनियों के विरोध के चलते इन्हें बाद में दो चरणों में 1 जुलाई और 1 नवंबर 2025 से लागू करने का फैसला हुआ। इसके बावजूद, इंडिगो इन्हें लागू करने की तैयारी समय रहते नहीं कर सकी, इसके परिणामस्वरूप पायलटों की कमी और ड्यूटी शेड्यूल में अव्यवस्था पैदा हुई और संचालन चरमरा गया।

रिपोर्ट के अनुसार, इंडिगो के बोर्ड में कई जानी-मानी हस्तियां हैं, लेकिन उनके बावजूद ऐसी चूक होना हैरान करने वाला है। बोर्ड में इंटरग्लोब एंटरप्राइजेज के ग्रुप मैनेजिंग डायरेक्टर और एयरलाइन के सह-संस्थापक राहुल भाटिया, पूर्व जी20 शेरपा अमिताभ कांत, सेबी के पूर्व चेयरमैन दामोदरन, पूर्व एयर चीफ मार्शल बीएस धनोआ, शार्दुल अमरचंद मंगलदास एंड कंपनी की मैनेजिंग पार्टनर पल्लवी श्रॉफ, ट्रांस वर्ल्ड एयरलाइंस के पूर्व वकील माइक व्हिटेकर और चेयरमैन विक्रम मेहता जैसे नाम शामिल हैं। इसके बावजूद, तैयारी में कमी उजागर होने से बोर्ड की जवाबदेही पर तीखी आलोचना हो रही है।

वहीं डीजीसीए पर भी सवाल उठ रहे हैं कि क्या नियामक समय रहते स्थिति को भांप सका था। हालांकि डीजीसीए ने कहा है कि उसने तैयारी पूरी करने के लिए एयरलाइन को लगातार चेतावनी और निर्देश दिए थे। यह पूरा मामला न केवल प्रबंधन क्षमता, बल्कि भारत की विमानन नियामक व्यवस्था की प्रभावशीलता पर भी गंभीर बहस छेड़ चुका है। यात्रियों की असुविधा का सिलसिला जारी है और अब सभी की निगाहें इंडिगो की सुधारात्मक कार्रवाई पर टिकी हैं।

नवंबर में मोटर वाहन बिक्री बढ़ी, यात्री और वाणिज्यिक वाहनों की मांग मजबूत

- नवंबर में कुल बिक्री 33,00,832 इकाइयां, पिछले वर्ष की 32,31,526 इकाइयों की तुलना में 2 फीसदी बढ़ी

नई दिल्ली ।

त्योहारों के बाद भी मोटर वाहनों की खुदरा बिक्री में तेजी बनी रही। एक ऑटोमोबाइल डीलर्स एसोसिएशन के अनुसार नवंबर 2025 में कुल बिक्री 33,00,832 इकाइयां, पिछले वर्ष की 32,31,526 इकाइयों की तुलना में 2 फीसदी बढ़ी। इस वृद्धि का मुख्य कारण यात्री वाहन, तिपहिया वाहन, वाणिज्यिक वाहन और ट्रैक्टर की मजबूत मांग रही। नवंबर में यात्री वाहनों का पंजीकरण 3,94,152 इकाई रहा, जो सालाना आधार पर 20 फीसदी अधिक है। जीएसटी में कटौती, विवाह सीजन की मांग, लोकप्रिय मॉडलों की बेहतर उपलब्धता और कॉम्पैक्ट एसयूवी की निरंतर मांग ने इस वृद्धि को बल दिया। दोपहिया वाहनों की बिक्री 25,46,184 इकाई रही, जो पिछले साल की तुलना में 3 फीसदी कम है। वाहन स्टॉक का समय घटकर 44-46 दिन रह गया, जो बेहतर मांग-आपूर्ति संतुलन को दर्शाता है। वाणिज्यिक वाहनों की बिक्री 94,935 इकाई रही, सालाना आधार पर 20 फीसदी वृद्धि दर्ज की गई। बुनियादी ढांचा परियोजनाओं, माल ढुलाई, सरकारी निविदाओं और जीएसटी सुधारों ने इस वृद्धि में योगदान दिया। तिपहिया वाहनों की बिक्री 1,33,951 इकाई रही, जिसमें 24 फीसदी की बढ़ोतरी हुई। ट्रैक्टर पंजीकरण 1,26,033 इकाई पर पहुंचा, जो पिछले साल की तुलना में 57 फीसदी अधिक है। मजबूत ग्रामीण आय और फसल से जुड़ी मांग ने इसे बढ़ावा दिया। ऑटोमोबाइल डीलर्स एसोसिएशन के अनुसार अगले तीन महीनों के लिए बिक्री परिदृश्य सकारात्मक है। जनवरी में मूल्य वृद्धि, नए मॉडलों की पेशकश और ग्रामीण मांग के कारण बिक्री में और बढ़ोतरी की संभावना है। 74 फीसदी डीलरों को सभी क्षेत्रों में वृद्धि की उम्मीद है।

कॉरपोरेट बॉन्ड मार्केट नीतिगत दर में कटौती से उत्साहित

- पीएफसी-सिडबी बॉन्ड मार्केट में उतारेंगे 11,500 करोड़ के इश्यू

नई दिल्ली ।

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की मौद्रिक नीति समिति ने रेपो दर में 25 आधार अंक की कटौती की है। इससे बैंकों के लिए उधार सस्ता हुआ और बाजार में नकदी की उपलब्धता बढ़ी। विशेषज्ञों का मानना है कि यह कदम कॉरपोरेट बॉन्ड मार्केट को मजबूती देने के लिए सकारात्मक संकेत है। सरकारी वित्तीय संस्थाएं, पीएफसी और` सिडबी मंगलवार को बॉन्ड मार्केट से कुल 11,500 करोड़ रुपये जुटाने की तैयारी कर रही हैं। इससे निवेशकों के बीच दीर्घकालिक बॉन्ड में रुचि बढ़ने की संभावना है। हालांकि, पहले उच्च यील्ड के कारण पीएफसी ने 25 नवंबर को 3 वर्षीय बॉन्ड जारी करने का निर्णय वापस ले लिया था। नीतिगत घोषणाओं के बाद बाजार की धारणा में सुधार आया है। आरबीआई की ओपन मार्केट ऑपरेशन (ओएमओ) और रुपये-अमेरिकी डॉलर स्वैप से निवेशकों का विश्वास बढ़ा है कि नकदी की स्थिति अनुकूल रहेगी। कई फंड और संस्थाएं तत्काल निवेश नहीं कर रही हैं। उनका ध्यान

लंबी अवधि के निर्गमों पर है, ताकि भविष्य निधि और पेंशन फंड से राशि आकर्षित की जा सके। बड़े फंड पहले से पूंजी लगाने को प्राथमिकता देते हैं ताकि नियामक और परिसंपत्ति आवंटन आवश्यकताएं पूरी हों। अक्टूबर में कंपनियों ने कॉरपोरेट बॉन्ड के जरिए 17,500 करोड़ रुपये जुटाए थे। भारती टेलीकॉम ने दो खंडों में 10,500 करोड़ रुपये जुटाए। यह दिखाता है कि बॉन्ड बाजार में निवेशकों की रुचि लगातार बनी हुई है।

चीन का निर्यात नवंबर में 5.9 प्रतिशत बढ़ा

- अमेरिका के निर्यात में 29 प्रतिशत की गिरावट

हांगकांग ।

चीन के निर्यात ने नवंबर 2025 में 5.9 फीसदी की वृद्धि दर्ज की और कुल 330.3 अरब डॉलर तक पहुंच गया। यह अक्टूबर में 1.1 फीसदी गिरावट के बाद सुधार को दर्शाता है और अर्थशास्त्रियों के अनुमानों से बेहतर रहा। चीन के अन्य प्रमुख बाजार जैसे दक्षिण-पूर्व एशिया, अफ्रीका और लातिन अमेरिका में निर्यात में बढ़ोतरी हुई, जबकि अमेरिका की ओर निर्यात में लगातार आठवें महीने दोहरे अंकों की गिरावट के साथ लगभग 29 फीसदी की कमी देखी गई। नवंबर में आयात में 1.9 फीसदी की बढ़ोतरी हुई, जो अक्टूबर की एक फीसदी वृद्धि से बेहतर रही। हालांकि संपत्ति क्षेत्र की मंदी अब भी उपभोक्ता खर्च और व्यावसायिक निवेश पर दबाव डाल रही है। फैक्ट्री गतिविधियां लगातार आठवें महीने घट रही हैं, जिससे संकेत मिलता है कि उद्योग क्षेत्र में कमजोरी बनी हुई है। अक्टूबर के अंत में हुई बैठक में अमेरिका और चीन ने एक साल के लिए व्यापार युद्ध विराम पर सहमति बनाई। अमेरिका ने शुल्क कम किए और चीन ने दुर्लभ खनिजों के निर्यात नियंत्रण समाप्त करने का वादा किया। विशेषज्ञों का कहना है कि यह निर्यात के लिए अस्थायी सकारात्मक संकेत है, लेकिन दीर्घकालिक प्रभाव अभी स्पष्ट नहीं है। चीन के निर्यात की मजबूती से अर्थशास्त्री मानते हैं कि देश इस वर्ष लगभग 5 फीसदी आर्थिक वृद्धि का लक्ष्य पूरा कर लेगा। मॉर्गन स्टेनली का अनुमान है कि 2030 तक चीन की वैश्विक निर्यात में हिस्सेदारी 16.5 फीसदी तक पहुंच जाएगी। यह वृद्धि मुख्य रूप से उन्नत विनिर्माण, इलेक्ट्रिक वाहन, रोबोटिक्स और बैटरी जैसे उच्च-विकासशील क्षेत्रों में होगी।

वोडाफोन आइडिया ने एजीआर बकाया में छूट और पुनर्गणना का प्रस्ताव दिया

कंपनी अपने वित्त से ब्याज का भुगतान करने में सक्षम होगी

नई दिल्ली ।

पिछले कई वर्षों से वित्तीय संकट झेल रही निजी दूरसंचार कंपनी वोडाफोन आइडिया (वीआई) ने दूरसंचार विभाग को प्रस्ताव सौंपा है। कंपनी ने एजीआर (एडजस्टड ग्रास रेवेन्यू) बकाया की पुनर्गणना करने और जुर्माने तथा ब्याज पर एकमुश्त छूट देने का अनुरोध किया है। प्रस्ताव में बकाया राशि की गणना में मौजूद अंकगणितीय त्रुटियों और दोहराव को हटाकर इसे समायोजित करने का प्रस्ताव है। सूत्रों के अनुसार इससे बकाया राशि करीब आधी हो सकती है, जिससे कंपनी अपने वित्त से ब्याज का भुगतान करने में सक्षम होगी।

वित्त वर्ष 2017 तक वीआई की एजीआर देनदारी 58,254 करोड़ रुपये थी। इसमें मूल राशि 12,797 करोड़, ब्याज 28,294 करोड़, जुर्माना 6,012 करोड़ और जुर्माने पर ब्याज 11,151 करोड़ शामिल थे। मार्च 2025 तक कुल देनदारी बढ़कर 83,400 करोड़ रुपये हो गई है, जिसमें वित्त वर्ष 2019 तक के लाइसेंस शुल्क के 9,450 करोड़ रुपये भी शामिल हैं। कंपनी की 25,000 करोड़ रुपये की फंडिंग प्रक्रिया, 50,000-55,000 करोड़ रुपये की पूंजीगत व्यय योजना का हिस्सा है। यह निवेश वीआई को 5जी सेवाओं के लिए प्रतिस्पर्धी बने रहने में मदद करेगा। सूत्रों ने बताया कि सर्कल स्तर पर एजीआर की पुनर्गणना प्रक्रिया शुरू हो चुकी है।

यह प्रस्ताव सितंबर में सर्वोच्च न्यायालय में पेश संशोधित याचिका के अनुरूप है, जिसमें वीआई ने कहा था कि बकाया राशि के कई घटक अंतिम रूप नहीं दिए गए थे।

कंपनी ने वित्त वर्ष 2017 तक अपने एजीआर बकाया की व्यापक पुनर्गणना और देनदारियों की पुनर्मूल्यांकन की मांग की है।

आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल एएमसी का आईपीओ 12 को खुलेगा

नई दिल्ली । आईसीआईसीआई बैंक की अनुषंगी कंपनी, आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल एसेट मैनेजमेंट कंपनी (ने अपने आगामी आईपीओ के लिए 2,061 से 2,165 रुपए प्रति शेयर का मूल्य दायरा तय किया है। इससे कंपनी का अनुमानित मूल्यांकन 1.07 लाख करोड़ रुपए (लगभग 11.86 अरब डॉलर) हो गया है। कंपनी का आईपीओ 12 दिसंबर से 16 दिसंबर तक खुलेगा। बड़े (एंकर) निवेशक 11 दिसंबर से बोली लगा सकते हैं। यह आईपीओ पूरी तरह प्रवर्तक द्वारा 4.89 करोड़ से अधिक शेयरों की ऑफर फॉर सेल पर आधारित है। निवेशक इस अवसर के माध्यम से सीधे प्रवर्तक से शेयर खरीद सकेंगे। कंपनी के शेयर 19 दिसंबर को स्टॉक मार्केट में सूचीबद्ध हो सकते हैं।

एचडी ह्युंडै तूतीकोरिन में 2 अरब डॉलर के निवेश से शिपयार्ड स्थापित करेगी

परियोजना से अनुमानित 55,000 रोजगार के मिलेंगे अवसर

नई दिल्ली ।

दक्षिण कोरियाई जहाज निर्माण कंपनी एचडी ह्युंडै की प्रमुख इकाई एचडी कोरिया शिपबिल्डिंग एंड ऑफशोर इंजीनियरिंग (एचडी केएसओई) तमिलनाडु के तूतीकोरिन में नया शिपयार्ड स्थापित करने की तैयारी कर रही है। इस परियोजना में करीब 2 अरब डॉलर का निवेश होने का अनुमान है। प्रारंभ में इसे शिपबिल्डिंग मेक इन इंडिया टुगेदर विद ह्युंडै के रूप में प्रस्तुत किया गया था, लेकिन अब इसे शिपबिल्डिंग मेक इन तमिलनाडु विद ह्युंडै कहा जा रहा है। तमिलनाडु सरकार ने इस निर्णय का स्वागत किया है। उद्योग मंत्री टीआरबी राजा के अनुसार तूतीकोरिन में शिपयार्ड के लिए विश्वस्तरीय जलवायु और भौगोलिक स्थिति है। राज्य ने स्पष्ट नीतिगत ढांचा, तेज समन्वय, और मजबूत तटीय वातावरण होने के कारण एचडी हुंडै का भरोसा जीत लिया। परियोजना के लिए व्यवहार्य स्थलों की पहचान और उन्हें प्रतिभा, बुनियादी ढांचा और प्रोत्साहन के साथ समर्थन भी प्रदान किया गया है। जहाज निर्माण श्रम-सघन उद्योग है और इससे कई सहायक क्षेत्रों को लाभ होता है। एक प्रत्यक्ष नौकरी से लगभग छह अप्रत्यक्ष नौकरियां बनती हैं। इस परियोजना से अनुमानित 55,000 रोजगार सृजित होंगे। इसके अलावा, कोचीन शिपयार्ड और मझगांव डॉक भी तूतीकोरिन में अलग-अलग परियोजनाओं के तहत निवेश कर रहे हैं, जिनका कुल मूल्य 30,000 करोड़ रुपये है। राज्य शिपयार्ड विकास को प्राथमिकता दे रहा है ताकि तटीय अर्थव्यवस्था को बढ़ावा, निवेश आकर्षित और प्रतिभा तैयार की जा सके। पिछले चार वर्षों में राज्य में लगभग 2.2 लाख करोड़ रुपये का निवेश हुआ और 10 लाख से अधिक नौकरियां सृजित हुई हैं।

शेयर बाजार गिरावट के साथ बंद

सेंसेक्स 609 अंक , निफ्टी 225 अंक फिसला

मुंबई ।

भारतीय शेयर बाजार सोमवार को गिरावट पर बंद हुआ। सप्ताह के पहले ही कारोबारी दिन एशियाई बाजारों से मिले-जुले संकेतों के बीच ही बिकवाली हावी होने से बाजार नीचे आया है। दिन भर के के कारोबार के बाद 30 शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स अंत में 609.68 अंक टूटकर 85,102.69 पर वहीं 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 225.90 अंक फिसलकर 25,960.55 पर बंद हुआ। सभी सूचकांक आज नुकसान के साथ ही लाल निशान में बंद हुए। निफ्टी इंडिया डिफेंस , निफ्टी रियल्टी , निफ्टी पीएसयू बैंक , निफ्टी मीडिया, निफ्टी पीएसई और निफ्टी मेटल सबसे ज्यादा गिरे। वहीं सेंसेक्स पैक में बीईएल, , ट्रेंट, टाटा स्टील, बजाज फाइनेंस, बजाज फिनसर्व, पावर ग्रिड, एसबीआई, टाटा मोटर्स पैसेंजर व्हीकल्स, एशियन पेंट्स, कोटक महिंद्रा के शेयर गिरे। टेक महिंद्रा और एचसीएल टेक के शेयरों को लाभ हुआ है। लार्जकैप की जगह पर मिडकैप और स्मॉलकैप शेयरों में अधिक बिकवाली रही। निफ्टी मिडकैप 100 सूचकांक 1,106.50 अंक बढ़कर 59,488.10 और निफ्टी स्मॉलकैप 100 सूचकांक 456.10 अंक टूटकर 17,051.65 पर था।

शेयर बाजार में गिरावट का कारण दुनिया भर से मिले कमजोर संकेत बताय गये हैं । वहीं आने वाले समय में निवेशकों की निगाहें अमेरिकी फेड के परिणामों पर रहेंगी।

इससे पहले आज सुबह घरेलू बाजार की शुरुआत गिरावट के साथ हुई। सेंसेक्स पिछले सत्र की तुलना में 109 अंक नीचे खेला। वहीं निफ्टी भी 26,153 के स्तर पर मामूली कमजोरी के साथ खुला। हालांकि शुरुआती घंटे में बाजार में कुछ स्थिरता दिखी, लेकिन इसके बाद करीब बिकवाली तेज हो गई, जिससे प्रमुख सूचकांकों पर दबाव बढ़ा।

एशियाई बाजार में आज मिले-जुले रुझान दिखे। चीन का सीएसई 300 0.48 फीसदी बढ़ा जबकि हांगकांग का हैंगसेंग 0.07 फीसदी गिरा। निवेशक चीन के नवंबर के व्यापार आंकड़ों का इंतजार कर रहे हैं। जापान का निक्केई 0.32 फीसदी नीचे गया क्योंकि तीसरी तिमाही में जीडीपी में गिरावट शुरुआती अनुमान से ज्यादा रही। अमेरिकी बाजार अमेरिकी शेयर बाजारों में शुक्रवार को तेजी रही। डाउ जोंस 0.22 फीसदी, एसएंडपी 500 0.19 फीसदी और नैस्डैक 0.31 फीसदी ऊपर बंद हुआ।

रिटेल निवेशकों को निफ्टी 50 इंडेक्स से जुड़े भारतीय शेयर बाजार में निवेश के अवसर दे रहा स्बेरबैंक

रांची: रूस के सबसे बड़े बैंक स्बेरबैंक और जेएससी फर्स्ट एसेट मैनेजमेंट ने एक नया म्यूचुअल फंड 'फर्स्ट-इंडिया' लॉन्च किया है। यह फंड भारत के नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) के प्रमुख इंडेक्स निफ्टी50 (एनएसईआई) पर आधारित है, जिसमें देश की टॉप 50 कंपनियों के शेयर्स शामिल होते हैं। इस फंड के जरिए रूस के रिटेल निवेशकों को भारत के शेयर बाजार में प्रत्यक्ष हिस्सेदारी का मौका मिलेगा। यह लॉन्च एनएसई में आयोजित एक कार्यक्रम में स्बेरबैंक के सीईओ और एग्जीक्यूटिव बोर्ड के चेयरमैन हरमन ग्रेफ द्वारा उनकी भारत यात्रा के दौरान किया गया।

निफ्टी50 दुनिया भर के बाजार निवेशकों में सबसे ज्यादा देखे जाने वाले इक्विटी इंडेक्स में से एक है। इसमें एनएसई में सूचीबद्ध 50 बड़ी और बेहद सक्रिय कंपनियों के शेयर्स शामिल हैं, जो भारतीय अर्थव्यवस्था के 15 अलग-अलग सेक्टर्स का प्रतिनिधित्व करते हैं। भारत में निफ्टी50 को ट्रैक करने वाले 45 से ज्यादा पैसिव फंड्स मौजूद हैं, जबकि भारत के बाहर ऐसे 22 पैसिव फंड्स ही चलते हैं। निफ्टी50 इंडेक्स साल 1996 में शुरू हुआ था और 22 अप्रैल, 2026 को इसके 30 साल पूर्ण हो जाएँगे।

अशीष कुमार चौहान, एमडी और सीईओ, एनएसई, ने कहा हमें खुशी है कि हम स्बेरबैंक को निफ्टी50 से जुड़े इन्वेस्टमेंट सॉल्यूशन्स लॉन्च करने में सहयोग दे रहे हैं, जो पूँजी के प्रवाह को मजबूत करेंगे और रूस के निवेशकों के लिए भारत की इक्विटी ग्रोथ को एक भरोसेमंद बेंचमार्क के जरिए खोलेंगे। यह पहल भारत के बाजारों में मजबूत विश्वास को दशार्ती है और भारत एवं रूस की वित्तीय साझेदारी को और गहरा बनाती है। एनएसई स्बेरबैंक के साथ मिलकर बाजार कनेक्टिविटी बढ़ाने, नियमों और निवेशक-सुरक्षा मानकों को बनाए रखने और इन प्रोडक्ट्स के लिए लिक्विडिटी व पारदर्शिता तैयार करने के लिए प्रतिबद्ध है, ताकि दोनों देशों के निवेशकों को नए अवसर मिल सकें।

हरमन ग्रेफ, सीईओ और चेयरमैन-एग्जीक्यूटिव बोर्ड, स्बेरबैंक, ने कहा, इस बार दक्षिण एशिया की ओर बढ़ते हुए, हम रूस के ग्राहकों के लिए निवेश के नए अवसर पेश कर रहे हैं। हमारा नया प्रोडक्ट भारतीय शेयर बाजार जैसे दुनिया के प्रमुख आर्थिक बाजारों में आसान तरीके से निवेश का मौका देता है। अब तक रूसी निवेशकों के पास भारतीय परिसंपत्तियों में व्यक्तिगत निवेश के सरल विकल्प उपलब्ध नहीं थे, लेकिन हमने दोनों देशों के बीच एक नया और प्रभावी वित्तीय मंच पेश किया है।

रिलायंस इंफ्रास्ट्रक्चर एकीकृत सौर विनिर्माण सुविधा करेगी स्थापित

नई दिल्ली। उद्योगपति अनिल अंबानी के नेतृत्व वाली रिलायंस समूह की इकाई रिलायंस इंफ्रास्ट्रक्चर भारत के सबसे उन्नत, पूर्णतः एकीकृत सौर विनिर्माण परिवेश में से एक की स्थापना करने जा रही है, जिसमें इन्गोट, वेफर्स, सेल और मॉड्यूल शामिल होंगे। रिलायंस समूह ने सोमवार को एक बयान में कहा कि उसकी ब्रांच रिलायंस इंफ्रास्ट्रक्चर के निवेशकों के समक्ष यह प्रस्ताव पेश की गई है। यह विनिर्माण सुविधा अगली पीढ़ी की प्रौद्योगिकी से लैस होगी, जिसमें इनगॉट्स, वेफर्स, सेल्स और मॉड्यूल शामिल हैं। कंपनी के मुताबिक यह आयात निर्भरता को कम करने और भारत की स्वच्छ ऊर्जा सुरक्षा को मजबूत करने के लिए एक एकीकृत मंच होगा। ये सुविधा मांग-आपूर्ति के बीच के बड़े अंतर को पाटेगी, क्योंकि भारत को 2030 तक प्रतिवर्ष 55-60 गीगावाट सौर मॉड्यूल की जरूरत होगी, जबकि अपस्ट्रीम क्षमता अब भी काफी कम है। रिलायंस समूह की एक अन्य कंपनी रिलायंस पावर ने अपने निवेशक प्रस्तुतिकरण में बताया कि रिलायंस एनयू एनर्जीज साधारण सौर ऊर्जा से हाइब्रिड एवं ठोस, चौबीसों घंटे (आरटीसी) नवीकरणीय ऊर्जा की ओर बदलाव को बल दे रही है। भारत का स्थापित स्थिर भंडारण आधार वर्तमान में एक गीगावाट से भी कम है, जो 2032 तक बढ़कर 250 गीगावाट हो जाएगा। दरअसल घरेलू विनिर्माण वर्तमान में अपेक्षित मांग का 10 फीसदी से भी कम पूरा कर पाता है।

पेज एक का शेष

कैबिनेट के अन्य फैसले...

- नीलाम्बर पीताम्बर विश्वविद्यालय, पलामू अंतर्गत लातेहार जिले के बालूमाथ में डिग्री महाविद्यालय, बालूमाथ, लातेहार के निर्माण के लिए 38.82 करोड रुपये की प्रशासनिक स्वीकृति दी गई।- केंद्र सरकार की ओर से अधिसूचित बांध सुरक्षा अधिनियम, 2021 के तहत झारखण्ड राज्य में स्टेट कमिटी ऑफ डैम सेफटी (एससीडीएस) के पुनर्गठन की स्वीकृति दी गई।- गोड्डा जिले के घाटबंका (एनएच-333ए) से देवडांड़ (दामा) (सुन्दरपहाड़ी-अगिया मोड़, ओडीआर पथ पर) भाया संदमारा, बेलबथान, राजदाहा और जामकुंदर पथ के 17.808 किमी को ग्रामीण कार्य विभाग से पथ निर्माण विभाग को हस्तांतरित करते हुए चौड़ीकरण एवं मजबूतीकरण के लिए 1 अरब 27 करोड 54 लाख रुपये की स्वीकृति दी गई।- साहेबगंज जिले के दिग्धी मोड़ (एनएच-80) से मालिन रिसौड़ मोड़ (एनएच-80) 8.176 किमी को ग्रामीण कार्य विभाग से पथ निर्माण विभाग को हस्तांतरित करते हुए चौड़ीकरण एवं मजबूतीकरण के लिए 61.57 करोड रुपये की प्रशासनिक स्वीकृति दी गई।- पथ प्रमंडल डालटेनगंज अंतर्गत डालटेनगंज से चैनपुर पथ (चैनपुर ब्लॉक) में नॉर्थ कोयल नदी पर उच्चस्तरीय पुल निर्माण कार्य के लिए 64.6 करोड रुपये की प्रशासनिक स्वीकृति दी गई।- पथ प्रमंडल, गुमला के बांकुटोली-कुरकुरा बानो पथ 33.568 किमी के चौड़ीकरण और मजबूतीकरण के लिए 1 अरब 40 करोड 51 लाख रुपये की प्रशासनिक स्वीकृति दी गई।- राज्य में गिद्ध संरक्षण और प्रजनन केन्द्र, मुटा के संचालन के लिए सरकार की ओर से प्रधान मुख्य वन संरक्षक, वन्यप्राणी एवं मुख्य वन्यप्राणी प्रतिपालक, झारखंड और बॉम्बे नेचुरल हिस्ट्री सोसायटी (बीएनएचएस) के बीच एमओयू के लिए नियम को शिथिल करने की मंजूरी दी गई।- भारत के नियंत्रक महालेखापरीक्षक का 31 मार्च 2022 को समाप्त हुए वर्ष के लिए झारखंड में लघु खनिजों के प्रबंधन पर रिपोर्ट, झारखंड सरकार को झारखंड विधानसभा के पटल पर आगामी सत्र में रखने की मंजूरी दी गई।- गोड्डा के सदर अस्पताल के चिकित्सा पदाधिकारी डॉ प्रभु सहाय लिंडा को सेवा से मुक्त करने की स्वीकृति दी गई।- शेख भिखारी चिकित्सा महाविद्यालय, हजारीबाग के सर्जरी विभाग की सहायक प्राध्यापिका डॉ अंजना गांधी को सेवा से बर्खास्त करने का निर्णय लिया गया।- राज्य में अवस्थित संबद्धता प्राप्त उपशास्त्री (इंटर) स्तर और शास्त्री स्तर (स्नातक) के संस्कृत महाविद्यालय के शिक्षक और शिक्षकेत्तर कर्मियों को पंचम, छठा एवं सप्तम पुनरीक्षित वेतनमान की स्वीकृति दी गई।- मुख्यमंत्री अनुसूचित जनजाति/अनुसूचित जाति सिविल सेवा प्रोत्साहन योजना में संशोधन की स्वीकृति दी गई।- रांची के सिरमटोली चौक-राजेन्द्र चौक-मेकॉन गोलचक्कर 2.34 किमी पर चार लेन फ्लाईओवर/ एलिवेटेड आरओबी निर्माण कार्य के लिए 4 अरब 70 करोड 12 लाख 79 हजार रुपये की पुनरीक्षित प्रशासनिक स्वीकृति दी गई।

- हजारीबाग जिले के अंचल-बड़कागांव के विभिन्न मौजा के कुल 41.965 एकड़, गैरमजरूआ खास और गैरमजरूआ आम खाते की भूमि 16 करोड 91 रुपए पर बादम कोयला खनन परियोजना के लिए एनटीपीसी के साथ 30 वर्षों के लिए लीज बंदोबस्ती की स्वीकृति दी गई।

- वन, पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन विभाग अन्तर्गत गठित झारखंड पारिस्थितिकी पर्यटन प्राधिकार (जेईटीए) में संशोधन की स्वीकृति दी गई।

- विनोबा भावे विश्वविद्यालय, हजारीबाग अंतर्गत चतरा जिले में सिमरिया विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत डिग्री महाविद्यालय, सिमरिया, चतरा के निर्माण के लिए 34.62 करोड रुपए की प्रशासनिक स्वीकृति दी गई।

- रांची विश्वविद्यालय और इसके अंतर्गत अंगीभूत महाविद्यालयों में शैक्षणिक और गैर-शैक्षणिक पदों के पुनर्गठन की स्वीकृति दी गई।

- हजारीबाग जिले के बड़कागांव के मौजा-रूदी के कुल 52.57 एकड़, गैमजरूआ खास, किस्म जंगल झाड़ी भूमि को 12.86 करोड रुपये की अदायगी पर बादम कोयला खनन परियोजना के लिए एनटीपीसी लिमिटेड के साथ 30 वर्षों के लिए लीज बंदोबस्ती करने की स्वीकृति दी गई।

- झारखंड के झारखंड खनिज धारित भूमि उपकर अधिनियम-2024 के तहत प्रदत्त शक्तियों के तहत अधिनियम की अनुसूची में संशोधन का निर्णय लिया गया।

- झारखंड कोषागार संहिता-2016 में संशोधन का फैसला लिया गया।

- वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिये भारत के नियंत्रक महालेखापरीक्षक का वित्त लेखा और विनियोग लेखे से संबंधित लेखा परीक्षा रिपोर्ट को झारखंड विधानसभा के पटल पर रखने की स्वीकृति दी गई।

पूर्व रेलवे

ई-निविदा सूचना सं.: ओ-एसी-टी-119 से 123-25-26 (ओपन), दिनांक: 05.12.2025; मंडल रेल प्रबंधक, पूर्व रेलवे, आसनसोल, स्टेशन रोड, आसनसोल, पिन-713301 द्वारा निम्नलिखित कार्यों के निष्पादन के लिए ई-निविदाएं (खुली) आमंत्रित की जाती हैं: **क्रमांक 1, केस सं. ओ-एसी-टी-119-25-26; कार्य का नाम:** आसनसोल मंडल के अधीन आसनसोल, सीतारामपुर, अंडाल, मधुपुर में रेलवे इंस्टीट्यूट सहित हेरीटेज बिल्डिंग के सुधार के लिए खुली निविदा। **निविदा मूल्य:** रु. 3,55,36,213.52। **बयाना राशि:** रु. 3,27,700; **क्रमांक 2, केस सं. ओ-एसी-टी-120-25-26; कार्य का नाम:** आसनसोल मंडल के तहत ट्रैक नवीनीकरण तथा रखरखाव कार्यकलापों के संबंध में पी-वे एवं अन्य रेलवे सामग्रियों के परिवहन के लिए खुली निविदा। **निविदा मूल्य:** रु. 1,99,48,049। **बयाना राशि:** रु. 2,49,700; **क्रमांक 3, केस सं. ओ-एसी-टी-121-25-26; कार्य का नाम:** आसनसोल मंडल : जसीडीह गुड्स शेड के लिए खुली निविदा : चाहरदीवारी, फेंसिंग, स्क्रीन गार्ड, वाटर स्प्रिंकलरों का प्रावधान, पीएम 10 एनालॉयजरों की आपूर्ति, स्थापना एवं चालू करना, परिवेशी वायु गुणवत्ता तथा ध्वनि स्तर की निगरानी के लिए डिजिटल डिसप्ले की आपूर्ति, स्थापना एवं चालू करना, आरडब्ल्यूएच, गारलेंड ड्रेनों, पौधा रोपण, ग्रीन बफर जोन के साथ उसकी परिधि के विकास के साथ ऊपरोक्त गुड्स शेड में उपयोगकर्ताओं के लिए मूलभूत सुविधाएँ। **निविदा मूल्य:** रु. 1,81,70,931.53। **बयाना राशि:** रु. 2,40,900; **क्रमांक 4, केस सं. ओ-एसी-टी-122-25-26; कार्य का नाम:** एईएन/बीआरएल/एएसएन के अधीन केएएन-एएसएन अनुभाग के बीच अप एवं डीएसपी लाइन पर पुल सं. 9 एवं 9ए के तटबंध का मजबूतीकरण तथा रिगर्डरिंग के साथ अन्य आनुषंगिक कार्य तथा केएएन-एएसएन अनुभाग के बीच अप डीएसपी लाइन पर पुल सं. 4 (आरओआर) के तटबंध का मजबूतीकरण तथा रिगर्डरिंग के साथ अन्य आनुषंगिक कार्य। **निविदा मूल्य:** रु. 17,99,77,679.42। **बयाना राशि:** रु. 10,49,900; **क्रमांक 5, केस सं. ओ-एसी-टी-123-25-26; कार्य का नाम:** दुमका स्टेशन में क्विक वाटरिंग सिस्टम की स्थापना के लिए खुली निविदा। **निविदा मूल्य:** रु. 1,80,35,088.63। **बयाना राशि:** रु. 2,40,200; **कार्य हेतु समापन अवधि:** 9 महीने (क्रमांक 1 के लिए) एवं 12 महीने (क्रमांक 2 के लिए)। **बंद होने की तारीख एवं समय:** 30.12.2025 को दोपहर 12.00 बजे। परिपूर्ण विवरण रेलवे की वेबसाइट **www.ireps.gov.in** पर देखे जा सकते हैं।

(ASN-267/2025-26)

निविदा सूचनाएं वेबसाइट www.er.indianrailways.gov.in/ www.ireps.gov.in पर भी उपलब्ध है

हमें अनुसरण करें: @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टी20 सीरीज में जीत के साथ शुरुआत करने उतरेगी भारतीय टीम

कटक (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम यहां मंगलवार को पांच मैचों की टी20 सीरीज के पहले मैच में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ जीत के साथ शुरुआत करने के इरादे से उतरेगी । इससे पहले हुई एकदिवसीय सीरीज में जीत से भारतीय टीम के हौंसले बुलंद हैं। इस सीरीज में भारतीय टीम की कप्तानी सूर्यकुमार यादव, वहीं दक्षिण अफ्रीका की कप्तानी एडन मार्कराम के पास रहेगी। इसी मैच को जीतकर सीरीज में दोनो ही टीम बढ़त लेने के इरादे से उतरेंगी। भारतीय टीम के लिए राहत की बात ये है कि शुभमन गिल फिट हो गये हैं और वह इस मैच में खेलेंगे। उनके अलावा ऑलराउंडर हार्दिक पांड्या भी इस सीरीज से वापसी करेंगे।

ये सीरीज अगले साल होने वाले आईसीसी टी20 विश्व कप को देखते हुए काफी अहम मानी जा रही है। इससे दोनों टीमें अपनी अपनी तैयारियों का आंकलन करेंगी। भारतीय टीम की बल्लेबाजी आक्रामक सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा के अलावा , तिलक वर्मा, कप्तान सूर्यकुमार व शुभमन गिल पर अधारित रहेगी। वहीं गेंदबाजी की कमान जसप्रीत बुमराह संभालेंगे। स्पिनर के तौर पर वरुण चक्रवर्ती, कुलदीप यादव रहेंगे। दूसरी ओर दक्षिण अफ्रीका की बल्लेबाजी मार्कराम के अलावा डेविड मिलर, क्विंटन डी कॉक पर आधारित रहेगी। गेंदबाजी की कमान केशव महाराज, क्वेना मफाका, लुंगी एनगिडी व, एनरिक नोर्खिया संभालेंगे।

टीमें इस प्रकार हैं

भारतीय टीम : सूर्यकुमार यादव (कप्तान), शुभमन गिल (उपकप्तान), अभिषेक शर्मा, तिलक वर्मा, हार्दिक पांड्या, शिवम दुबे, अक्षर पटेल, जितेश शर्मा (विकेट कीपर), संजू सैमसन (विकेट कीपर), जसप्रीत बुमराह, वरुण चक्रवर्ती, अर्शदीप सिंह, कुलदीप यादव, हर्षित राणा, वाशिंगटन सुंदर।

दक्षिण अफ्रीका : एडन मार्कराम (कप्तान), डेवाल्ड ब्रेविस, टोनी डी जोरजी, रीजा हेंड्रिक्स, डेविड मिलर, जॉर्ज लिंडे, कॉर्बिन बॉश, मार्को जेनसन, क्विंटन डी कॉक, डोनोवन फरेरा, ट्रिस्टन स्टब्स, ओटनील बार्टमैन, केशव महाराज, क्वेना मफाका, लुंगी एनगिडी, एनरिक नोर्खिया।

अभिषेक एक साल में 100 छक्के लगाने वाले पहले भारतीय बल्लेबाज बने

नई दिल्ली (एजेंसी)। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टी20 सीरीज से पहले आक्रामक सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा ने एक अहम रिकार्ड बनाया है जिससे अंदाजा होता है कि वह कितने अच्छे फार्म में हैं। अभिषेक ने सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में ही पंजाब की कप्तानी करते हुए 250 के स्ट्राइक रेट से रन बनाये हैं। इस बल्लेबाज ने 6 मुकाबलों में 300 से अधिक रन बनाये हैं। सर्विसेज के खिलाफ हुए मुकाबले में उन्होंने तीन छक्के लगाकर अर्धशतक बनाया था।

अभिषेक इसी के साथ ही एक एक कैलेंडर ईयर में 100 छक्के लगाने वाले पहले भारतीय बल्लेबाज भी बने हैं। अभिषेक ने सर्विसेज के खिलाफ एलीट ग्रुप सी मैच में 34 गेंदों में 8 चौकों और 3 छक्कों की सहायता से 62 रन की आक्रामक खेली। इस मैच में दूसरा छक्का लगाते ही अभिषेक एक साल में 100 टी20 छक्के लगाने वाले पहले भारतीय बल्लेबाज बने हैं।

अभिषेक ने इस साल भारतीय टीम की ओर से 17 टी20आई मैचों में 47 छक्के लगाए हैं। आईपीएल 2025 में सनराइजर्स हैदराबाद के लिए 14 मैचों में 28 छक्के लगाये हैं। सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी के 2025 सत्र में अभिषेक ने अब तक 6 मैचों में 26 छक्के लगाए हैं। कुल मिलाकर इस साल अब तक खेले गए 37 टी20 मैचों में उनके नाम 101 छक्के हैं। अभिषेक ने पिछले साल भी 39 मैच में सबसे अधिक 39 87 छक्के लगाए थे। वहीं साल 2022 में सूर्यकुमार यादव ने 41 टी20 मैचों में 85 छक्के लगाए थे।टी20 में एक साल में सबसे ज्यादा छक्के लगाने का वर्ल्ड रिकॉर्ड वेस्टइंडीज के पूर्व कप्तान निकोलस पूरन के नाम है। साल 2024 में पूरन ने 76 मैच में 170 छक्के लगाए थे। इस साल उन्होंने डरबन सुपर जायंट्स, लखनऊ सुपर जायंट्स, एमआई अमीरात, एमआई न्यूयॉर्क, नॉर्दर्न सुपरचार्जर्स (पुरुष), रंगपुर राइडर्स, ट्रिनबागो नाइट राइडर्स और वेस्टइंडीज की ओर से खेला था। वेस्टइंडीज के पूर्व बल्लेबाज क्रिस गेल विश्व के पहले खिलाड़ी थे, जिन्होंने टी20 में एक कैलेंडर ईयर में 100 छक्के लगाए थे।

जसप्रीत बुमराह के पास तीन बड़े रिकॉर्ड अपने नाम करने का मौका

नई दिल्ली । भारतीय तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह कुछ ऐतिहासिक माइलस्टोन्स बनाने की कगार पर हैं क्योंकि साउथ अफ्रीका के खिलाफ मंगलवार से कटक में टी20आई सीरीज शुरू हो रही है। टेस्ट सीरीज में 0-2 से शर्मनाक हार के बाद वनडे में वापसी करते हुए भारत ने सीरीज 2-1 से अपने नाम की। सूर्यकुमार यादव और गौतम गंभीर की लीडरशिप में टीम इंडिया टी20 में अभी तक कोई सीरीज नहीं हारी है और प्रोटियाज के खिलाफ बड़ी सीरीज़ जीतकर घरेलू टी20 वर्ल्ड कप की तैयारियों को तेज करने का लक्ष्य रखेगी, यह टीम अनुभव और युवाओं के जोश से बराबर भरी हुई है।

बुमराह बाएं हाथ के तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह के बाद भारत के लिए टी20आई विकेटों का शतक लगाने वाले दूसरे बॉलर बनने की लाइन में हैं। इसके लिए बुमराह को सिर्फ एक विकेट की जरूरत है। उन्होंने 80 टी20आई में 18.11 के औसत से 99 विकेट लिए हैं, जिसमें उनका बेस्ट फिगर 3/7 रहा है। टॉप पर अर्शदीप (68 मैचों में 105) हैं। इसके साथ बुमराह खेल के सभी फॉर्मेट में कम से कम 100 विकेट लेने वाले पहले भारतीय बॉलर बन जाएंगे। बुमराह साथ ही सभी फॉर्मेट में 500 विकेट लेने वाले आठवें भारतीय बॉलर बनने से 18 विकेट दूर हैं। 221 मैचों में बुमराह ने 20.60 के औसत से 482 विकेट लिए हैं जिसमें उनके नाम 6/19, 13 चार विकेट हॉल और 18 बार 5 विकेट हॉल का बेस्ट रिकॉर्ड है।

जोफ्रा आर्चर पर भड़के रिकी पोंटिंग, स्टीव स्मिथ के साथ तीखी बहस के लिए साधा निशाना

ब्रिस्बेन (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान रिकी पोंटिंग ने गाबा में खेले गए दूसरे एशेज टेस्ट के दौरान इंग्लैंड के तेज़ गेंदबाज जोफ्रा आर्चर के अचानक सामने आए जोश पर तीखी प्रतिक्रिया दी। ऑस्ट्रेलिया ने यह मैच आठ विकेट से जीता, लेकिन अंतिम चरण में आर्चर की तेज़ गेंदबाज़ी और स्टीव स्मिथ से हुई बहस सोशल मीडिया पर छा गई। पोंटिंग के अनुसार, आर्चर पूरे मैच में अपनी धार नहीं दिखा पाए और जब मुकाबला लगभग खत्म हो चुका था, तब उनका गुस्सा उभरकर सामने आया। इस देर से दिखे आक्रामक रवैये पर पोंटिंग ने खुलकर सवाल उठाए।

पोंटिंग की कड़ी आलोचना: 'बहुत कम, बहुत देर से'

रिकी पोंटिंग ने कमेंट्री के दौरान कहा कि आर्चर की अचानक तेज़ी मैच की वास्तविक परिस्थितियों के बिल्कुल विपरीत थी। चौथे दिन जब इंग्लैंड 64 रन के छोटे लक्ष्य की रक्षा कर रहा था, तभी आर्चर ने 150 द्मद्वश्चद्ध के करीब रफ्तार पकड़ ली। पोंटिंग के अनुसार, अगर यह ऊर्जा और तीखापन पहले दिखाई देता, तो इंग्लैंड मैच में बेहतर स्थिति में हो सकता था। उन्होंने स्पष्ट कहा, ÷सीरीज के छह दिन बाद आर्चर में जान आई है – वह भी तब, जब दूसरा टेस्ट लगभग खत्म हो चुका था। यह बहुत देर हो चुकी है, चैंप।÷

स्मिथ-आर्चर में गर्मागर्म बहस

ऑस्ट्रेलिया के जीत सुनिश्चित करने से कुछ मिनट पहले आर्चर और स्मिथ के बीच हुए वाक्य-विवाद ने माहौल और गर्म कर दिया। आर्चर ने स्मिथ को कई बाउंसर फेंककर उकसाया, जिस पर स्मिथ ने तीखे शब्दों में पलटवार किया। आर्चर ने कहा, 'तुम ऐसे शॉट तब ही खेलते हो जब स्कोर कम हो।' स्मिथ ने तुरंत जवाब दिया, 'तुम तेज़ बॉलिंग तभी करते हो जब कुछ नहीं बचा होता, चैंप।' यह संवाद तुरंत वायरल हो गया और मैच का सबसे चर्चित पल बन गया।

'चार दिन चूक गए इंग्लैंड': पोंटिंग का तंज

पोंटिंग ने इंग्लैंड की समग्र बॉडी लैंग्वेज और रवैये पर भी सवाल उठाए। उनके मुताबिक, इंग्लैंड चार दिन तक संघर्ष करता रहा और अचानक अंतिम घंटों में आक्रामक दिखने लगा। उन्होंने कहा, 'अब आप लड़ने निकले हो? बहुत देर हो चुकी है। चार दिन का मौका था।'

स्मिथ पर 'द वुड' होने की धारणा को पोंटिंग ने बताया गलत

2019 में लॉर्ड्स टेस्ट में लगे खतरनाक बाउंसर के बाद यह माना जाता है कि आर्चर, स्मिथ के खिलाफ मानसिक बढ़त रखते हैं। पर पोंटिंग ने इस धारणा को पूरी तरह मिथक बताया। टेस्ट क्रिकेट में आर्चर ने स्मिथ को कभी आउट नहीं किया। उन्होंने 220 गेंदों पर 130 रन दिए, जो मौजूदा सांख्यिकी के अनुसार आर्चर के प्रभुत्व वाली कहानी नहीं दिखाते।

एशेज की असली तीखी शुरुआत?

पोंटिंग ने माना कि गाबा में दिखा यह छोटा-सा भिड़ंत टेस्ट क्रिकेट की असली तीव्रता को दर्शाती है। लेकिन पहले दो टेस्ट में ऑस्ट्रेलिया की बढ़त ने इंग्लैंड के लिए चुनौती और कठिन बना दी है। उन्होंने कहा, 'अब खेल असली रूप में आ गया है। एशेज क्रिकेट इसी के लिए जाना जाता है।'

रूट के नाम दर्ज हुआ अनचाहा रिकार्ड, ऑस्ट्रेलिया में लगातार 16 वां टेस्ट हारे

ब्रिस्बेन । इंग्लैंड की यहां एशेज के दूसरे क्रिकेट टेस्ट मैच में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ हार के साथ ही अनुभवी बल्लेबाज जो रूट के नाम एक ऐसा रिकार्ड दर्ज हो गया है जिसे वह भूलना चाहेंगे। अब रूट के नाम ऑस्ट्रेलिया में लगातार 16 टेस्ट में हार का शर्मनाक रिकॉर्ड दर्ज हो गया है। इससे पहले पाकिस्तान में लगातार 15 हार का रिकार्ड भारतीय टीम के महान ऑलराउंडर कपिल देव के नाम था। इनके अलावा किसी भी अन्य क्रिकेटर के नाम किसी देश में बिना किसी जीत के इतने मुकाबले हारने का रिकॉर्ड नहीं है। जिस प्राकर रूट का ऑस्ट्रेलिया में रिकॉर्ड कमजोर रहा, वैसे ही कपिल देव का पाकिस्तान में व्यक्तिगत रिकॉर्ड खराब रहा है। कपिल ने पाक में 22 पारियों में 548 रन बनाए, औसत 26.10 रहा, और 44 विकेट लिए, औसत 40.02 रहा। ये उनके करियर का दूसरे सबसे खराब औसत रहा है। रूट ने हालांकि इस बार अच्छा प्रदर्शन किया था पर वह अपनी टीम को हार से नहीं बचा पाये। इंग्लैंड टीम के बल्लेबाज ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाजों के सामने टिक नहीं पाये जिससे टीम हार गयी। उसके बल्लेबाज दोनों पारियों में रन बनाने में विफल रहे। रूट ने हालांकि पहली पारी में शतक लगाया था पर उन्हें किसी से साथ नहीं मिला।

रोहित और कोहली की जगह को लेकर अब सवाल नहीं उठाने चाहिये : बांगर

विशाखापट्टनम। भारतीय टीम के पूर्व बल्लेबाजी कोच संजय बांगर ने कहा है कि विराट कोहली और रोहित शर्मा बढ़ती उम्र के बाद भी शानदार प्रदर्शन कर रहे हैं। ऐसे में टीम में इनकी जगह को लेकर किसी भी प्रकार के सवाल नहीं उठाये जाने चाहिये। बांगर ने कहा कि पिछले कुछ समय के अंदर दोनो ने अपने प्रदर्शन से दिखा दिय है कि वे अभी भी विश्व के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों में से हैं। इसलिए इन दोनो के साथ अलग तरह से व्यवहार होना चाहिये। इसके अलावा इसकी टीम में जगह को लेकर किसी प्रकार प्रकार की आशंकाएं नहीं लगायी जानी चाहिये। इन किन ने पिछले छह एकदिवसीय मैचों में अपने को साबित किया है। ऑस्ट्रेलिय औार दक्षिय अफीका के खिलाफ देखा जाये तो इन दोनो ने जो खेल दिखाया वह कोई और नहीं दिखा पाया। बांगर ने कहा, ''मुझे नहीं लगता कि अबटीम में इनकी की जगह को लेकर सवाल उठाए जाने चाहिए। उनके इतने वर्षों में टीम को दिए गए योगदान पर ध्यान देना चाहिए।'' कोहली और रोहित अब केवल एकदिवसीय प्रारूप में ही खेलते हैं। भारतीय टीम ने पिछले कुछ समय में इस प्रारूप में बहुत कम मैच खेले हैं। बांगर का मानना है कि उन्हें लय हासिल करने में कुछ समय लग सकता है। उन्होंने कहा, ''वे दो प्रारूपों से संन्यास ले चुके हैं, इसलिए ज़ाहिर है कि उन्हें लय हासिल करने में कुछ समय लग सकता है पर वे ऐसा कई बार कर चुके हैं। उन्हें किसी युवा खिलाड़ी जितने मैच खेलने की जरूरत नहीं है। एक बार वे जब अपनी लय हासिल कर लेते हैं तो उन्हें रन बनासे से रोकना संभव नहीं होता। ऐसे में अगर आप इस तरह के खिलाड़ियों को टीम में चाहते हैं। आपको उनके साथ अलग तरह से व्यवहार करना होगा और उन्हें अपना स्वाभाविक खेल खेलने की आजादी देनी होगी।''उन्होंने कहा, '''जब वे लय में होते हैं तो आपको अंतर साफ नजर आता है। उनके रहने से ही से ड्रेसिंग रूम का माहौल बदल जाता है। ।''

एफआईएच जूनियर विश्व कप 2025 क्वालीफाइंग मुकाबला : भारतीय जूनियर हॉकी टीम ने वेल्स को 3-1 से हराया

सैंटियागो (एजेंसी)। भारतीय महिला जूनियर हॉकी टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए वेल्स को 3-1 से हरा दिया। भारतीय टीम ने एफआईएच जूनियर विश्व कप 2025 के नौ से 16वें स्थान के लिए हुए इस क्वालीफाइंग मुकाबले में वेल्स को खुलकर खेलने का अवसर नहीं दिया। भारतीय टीम की ओर से हिना बानो ने 14वें मिनट, सुनेलिता टोप्पो ने 24वें मिनट और इशिका ने 31वें मिनट में गोल किये। वहीं वेल्स की ओर से एकमात्र गोल एलोइस मोट ने 52वें मिनट में किया।

भारतीय टीम ने मैच की शुरुआत में से ही आक्रमण करने शुरु कर दिये। पहले क्वार्टर के अंत में साक्षी राणा के शानदार पास पर हिना ने गोल करा भारतीय टीम को बढ़त दिला दी। वहीं दूसरे क्वार्टर में सुनेलिता टोप्पो ने एक गोल कर भारतीय टीम की बढ़त को 2-0 कर दिया।

वहीं तीसरे हाफ में इशिका से गोल से भारतीय टीम की बढ़त 3-0 की हो गयी। भारतीय टीम अपने आक्राक रुख से वेल्स पर परे समय हावी रही। वेल्स की ओर से 52वें मिनट में एलोइस मोट ने गोल कर भारतीय टीम की बढ़त को कम जरुर किया पर इसके बाद उनकी ओर से कोई खिलाड़ी गोल नहीं कर पाया।

शाकिब ने संन्यास का फैसला वापस लिया, बांग्लादेश लौटकर खेलना चाहते हैं एक घरेलू सीरीज

सेन डियागो । पिछले काफी समय से अमेरिका में रह रहे बांग्लादेश क्रिकेट टीम से पूर्व कप्तान शाकिब अल हसन ने संन्यास से वापसी का फैसला किया है। शाकिब का कहना है कि वह एकसाथ ही तीनों प्रारुपों को अलविदा कहना चाहते हैं। उन्होंने इंग्लैंड के स्पिनर मोईन अली से बातचीत के दौरान कहा कि उन्होंने अभी तक तीनों प्रारुपों से आधिकारिक रुप से संन्यास नहीं लिया है। साथ ही कहा कि वह बांग्लादेश लौटकर एक पूरी घरेलू सीरीज खेलने के बाद ही तीनों प्रारुपों से एक साथ संन्यास लेंगे। शाकिब पिछले एक साल से ही अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से बाहर हैं। उन्होंने पिछले साल ही टेस्ट और टी20 से संन्यास ले लिया था। उन्होंने मोईन से बातचीत के दौरान कहा, मैं आधिकारिक रूप से अभी तीनों प्रारुपों से रिटायर नहीं हुआ हूं। ये पहला मौका है जब मैं इसका खुलासा कर रहा हूं। मेरी योजना है कि मैं बांग्लादेश जाकर, एक पूरी एकदिवसीय, टेस्ट और टी20 सीरीज खेलूं और फिर रिटायरमेंट लूं। शाकिब ने साथ ही कहा कि मैं तीनों प्रारुपों से एकसाथ संन्यास ले सकता हूं। मुझे बस एक पूरी सीरीज खेलनी है और फिर संन्यास लेना है। गौरतलब है कि शाकिब मई 2024 से ही बांग्लादेश वापस नहीं लौटे हैं। छात्र आंदोलन और अवामी लीग सरकार को सत्ता से हटाये जाने के हटने के बाद से ही वह देश से बाहर ही हैं। शाकिब अवामी लीग से सांसद भी बने थे। उनके नाम पर कई मामले भी बांग्लादेश में दर्ज हुए थे। इसके बाद उन्होंने पाकिस्तान और भारत में टेस्ट मैच भी खेले। भारत के खिलाफ कानपुर में उन्होंने दूसरा टेस्ट व अंतिम अंतरराष्ट्रीय मैच खेला था। वहीं जब उनसे पूछा गया कि क्या वे बांग्लादेश लौटेंगे, तो शाकिब ने कहा कि मुझे उम्मीद है। इसलिए मैं कई टी20 लीग खेल रहा हूं मुझे लगता है, ऐसा होगा। शाकिब ने ये भी कहा कि वह अपने देश में एक घरेलू सीरीज खेलकर सम्मानजनक विदाई चाहते हैं, ताकि अपने प्रशंसकों का आभार वयक्त कर सके।

भारतीय टीम बेहतर प्रदर्शन के लिए तैयार, अधिक बदलाव नहीं होंगे : सूर्यकुमार

कटक । भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान सूर्यकुमार यादव ने कहा है कि दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ यहां होने वाले पहले टी 20 मैच में बेहतर प्रदर्शन के लिए उनकी टीम तैयार है। सूर्यकुमार ने बताया कि टीम का माहौल काफी अच्छा और इसमें अधिक बदलाव नहीं होंगे। सूर्या ने कहा कि मैच में ओस सहित कुछ चीजें हमारे नियंत्रण में नहीं होती और उसके लिए कुछ नहीं किया जा सकता है। सूर्यकुमार ने कहा कि इस समय सर्दियों का मौसम चल रहा है और रात के समय ओस का गिरना स्वाभाविक है। ऐसे मुकाबलों में ओस से भी प्रभाव पड़ता है। कप्तान ने कहा कि इसमें हमारा बस नहीं है। हमें खेलना ही है, ओस अगर होगी तो उसके हिसाब से ही प्रबंधन करेंगे क्योंकि हम मैदान छोड़कर भाग तो नहीं सकते। भारतीय टीम ने दक्षिण अफ्रीका को एकदिवसीय सीरीज में हराया है जिससे वह इस मैच में उत्साहित होकर उतरेगी। वहीं अपने दौरे के इस अंतिम चरण में मेहमान टीम जीत हासिल करना चाहेगी।

फरवरी में नीदरलैंड के खिलाफ डेविस कप की मेजबानी करेगा भारत

मुम्बई। भारत अगले साल की शुरुआत में नीदरलैंड के खिलाफ डेविस कप मैचों की मेजबानी करेगा। ये मैच सात-आठ फरवरी को बेंगलुरु में खेले जाएंगे। डेविस कप की मेजबानी में बेंगलुरु के अलावा दिल्ली भी शामिल थी पर अंत में बेंगलुरु को मेजबानी मिली। दिल्ली लॉन टेनिस संघ (डीएलटीए) ने इस साल फरवरी में टोगो की मेजबानी की थी और उसने भी इस अहम मुकाबले को आयोजित करने में रुचि दिखाई थी। बेंगलुरु ने पिछली बार 2017 में उज्बेकिस्तान के खिलाफ डेविस कप मुकाबले की मेजबानी की थी जिसमें मेजबान टीम 4-1 से जीत गई थी। वहीं कर्नाटक राज्य लॉन टेनिस संघ (केएसएलटीए) ने बिली जीन किंग कप प्ले-ऑफ की मेजबानी की थी। तब भारत ने सितंबर में विश्व ग्रुप एक के पहले दौर में स्विट्जरलैंड को हराकर क्वालीफाइंग चरण में प्रवेश किया था जबकि नीदरलैंड को दूसरे दौर में अर्जेंटीना के हाथों हार का सामना करना पड़ा था। यह 1993 के बाद यूरोपीय धरती पर भारत की पहली जीत थी। तब सुमित नागल और दक्षिणेश्वर सुरेश के नेतृत्व में भारत को जीत मिली थी।

आईएसएसएफ वर्ल्ड कप फाइनल 2025: सिमरनप्रीत कौर ने गोल्ड मेडल जीता, मनु भाकर पदक से चूकी

दोहा [क़तर] (एजेंसी)। भारतीय शूटर सिमरनप्रीत कौर ने आईएसएसएफ वर्ल्ड कप फाइनल 2025 में शानदार प्रदर्शन करते हुए महिला 25 मीटर पिस्टल इवेंट में गोल्ड मेडल अपने नाम किया और जूनियर वर्ल्ड रिकॉर्ड के बराबरी की। वहीं, ओलिंपिक मेडलिस्ट मनु भाकर इस बार पदक जीतने में सफल नहीं रही।

सिमरनप्रीत की ऐतिहासिक जीत

21 वर्षीय सिमरनप्रीत ने फाइनल में 41/50 का स्कोर बनाते हुए विश्व स्तर पर अपनी प्रतिभा का परिचय दिया। उनका यह स्कोर दक्षिण कोरिया की पेरिस 2024 ओलिंपिक चैंपियन यांग जी-इन के जूनियर वर्ल्ड रिकॉर्ड के बराबर है। चीन की याओ चियान्शुन ने 36/50 के साथ सिल्वर मेडल और जर्मनी की डॉरेन वेनेकंप ने 30/45 के साथ ब्रॉन्ज मेडल जीता। यह सिमरनप्रीत का द्बस्स्न्न वर्ल्ड कप फाइनल में पहला पदक है, जिससे वह विश्व की शीर्ष युवा शूटिंग प्रतिभाओं में शामिल हो गई हैं।

मनु भाकर का निराशाजनक प्रदर्शन

वहीं, मनु भाकर इस बार निराशा में रही। उन्होंने महिला 25 मीटर पिस्टल क्वालिफिकेशन राउंड में नौवां स्थान प्राप्त किया और फाइनल में जगह नहीं बना पाईं। इससे पहले, उन्होंने महिला 10 मीटर एयर पिस्टल फाइनल में पांचवां स्थान हासिल किया था, जिससे उनका दोहा अभियान बिना पदक के समाप्त हुआ।

पुरुषों में ऐश्वर्य प्रताप सिंह तोमर का सिल्वर

पुरुष 50 मीटर राइफल 3 पोजिशन इवेंट में ओलिंपियन ऐश्वर्य प्रताप सिंह तोमर ने सिल्वर मेडल जीता। उन्होंने चेक शूटर जीरी प्रिव्रात्सकी के 414.2 वर्ल्ड रिकॉर्ड स्कोर से केवल 0.9 अंकों से पिछड़कर यह पदक हासिल किया। चीन के पेरिस 2024 गोल्ड मेडलिस्ट लियू युकुन ने ब्रॉन्ज मेडल अपने नाम किया।

आईएसएसएफ वर्ल्ड कप फाइनल की विशेषताएं

दोहा मीट ने 2025 आईएसएसएफ सीज़न का समापन किया। इस फाइनल में कुल 10 शूटरों ने भाग लिया, जिनमें क्वालिफिकेशन के आधार पर चयनित खिलाड़ी शामिल हैं। डिफेंडिंग चैंपियन अपने आप क्वालीफाई होते हैं, जबकि चार वर्ल्ड कप स्टेज के विजेताओं को सीधे जगह मिलती है। शेष पांच स्थानों में दो खिलाड़ी वर्ल्ड कप रैंकिंग और तीन आईएसएसएफ वर्ल्ड चैंपियनशिप पदक विजेताओं के आधार पर चुने गए। इस फाइनल में केवल व्यक्तिगत 12 ओलिंपिक शूटिंग इवेंट (राइफल, पिस्टल और शॉटगन) आयोजित किए गए, टीम इवेंट शामिल नहीं थे।

संक्षिप्त समाचार

बल प्रयोग कर सकते हैं ट्रंप, कथित ड्रग तस्करी से जुड़ी नावों पर हमलों को लेकर बोले रक्षा मंत्री हेगसेथ

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ ने कथित ड्रग कार्टेल से जुड़ी नावों पर सैन्य हमलों का बचाव किया। उन्होंने कहा कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के पास देश की सुरक्षा के लिए जैसा वह उचित समझें कार्रवाई करने का अधिकार है। हेगसेथ ने कहा कि ट्रंप अपनी इच्छानुसार बल का इस्तेमाल कर सकते हैं। रोनाल्ड रीगन प्रेसिडेंशियल लाइब्रेरी में बोलते हुए हेगसेथ ने हमलों की आलोचनाओं को खारिज कर दिया। गौरतलब है कि इन सैन्य हमलों में 80 से ज्यादा लोगों की मौत हो गई थी। इन हमलों पर अंतरराष्ट्रीय कानून के संभावित उल्लंघन को लेकर सवाल खड़े हो रहे हैं। पीट हेगसेथ ने तर्क दिया कि अमेरिकी नागरिकों की सुरक्षा के लिए ये ऑपरेशन वाजिब था। उन्होंने इसकी तुलना 11 सितंबर 2001 के हमलों के बाद लिए गए फैसलों से की। हेगसेथ ने कहा कि अगर आप किसी घोषित आतंकी संगठन के लिए काम कर रहे हैं और देश में नाव के जरिये ड्रग्स लाते हैं तो हम आपको ढूंढ लेंगे और डुबो देंगे। इसमें कोई शक नहीं होना चाहिए। उन्होंने कहा कि राष्ट्रपति ट्रंप देश के हितों की रक्षा के लिए जैसा सही समझेंगे, वैसी निर्णायक सैन्य कार्रवाई कर सकते हैं और करेंगे। उन्होंने कहा कि दुनिया के किसी भी देश को इस पर शक नहीं होना चाहिए। अमेरिकी रक्षा मंत्री ने संदिग्ध ड्रग तस्करों की तुलना आतंकवादी संगठन अल-कायदा से की। उनकी यह टिप्पणी ट्रंप प्रशासन की ओर से राष्ट्रीय सुरक्षा रणनीति जारी करने के तुरंत बाद आई है, जिसमें यूरोपीय साझेदारों को कमजोर बताया गया है। इस रणनीति का मकसद अमेरिकी ताकत को पश्चिमी गोलार्ध में फिर से स्थापित करना है।

कंप के तेज झटकों से कांपी धरती, रिक्टर स्केल पर 7.0 रही तीव्रता...दहशत में लोग

वाशिंगटन , एजेंसी। अमेरिका के अलास्का राज्य और कनाडा के युकोन इलाके की सीमा पर शनिवार को एक ताकतवर 7.0 की तीव्रता वाला भूकंप आया। यह इलाका पहाड़ी है और यहां आबादी बहुत कम रहती है, इसलिए नुकसान की जानकारी अभी सीमित है। इस भूकंप के कुछ ही मिनट बाद 5.6 और 5.3 तीव्रता के दो और आफ्टरशॉक दर्ज किए गए। लगातार आने वाले झटकों से इलाके में दहशत का माहौल है। यह इलाका जंगलों, पहाड़ों और बर्फीले मैदानों से घिरा है, इसलिए यहां पहुंचना मुश्किल होता है। फिर भी अधिकारी स्थिति का आकलन कर रहे हैं। अमेरिकी सुनामी वार्निंग सिस्टम ने साफ किया है कि इस भूकंप से सुनामी का कोई खतरा नहीं है, क्योंकि झटके समुद्र के बहुत अंदर नहीं आए। फिलहाल किसी बड़े नुकसान या जान-माल की हानि की खबर नहीं है, लेकिन आफ्टरशॉक जारी रहने की वजह से लोग सावधानी बरत रहे हैं और स्थानीय एजेंसियां हालात पर नजर बनाए हुए हैं।

ड्रोन हमला : 33 बच्चों समेत 50 लोगों की मौत, बढ़ सकता है मरने वालों का आंकड़ा

खार्तूम, एजेंसी। दक्षिण-मध्य सूडान में बच्चों के एक स्कूल पर एक अर्धसैनिक समूह द्वारा किये गये ड्रोन हमले में 33 बच्चों सहित 50 लोगों की मौत हो गई। चिकित्सकों के एक समूह ने यह जानकारी दी। सूडान डॉक्टर्स नेटवर्क ने शुक्रवार देर रात एक बयान में कहा कि दक्षिण कोर्डोफन प्रांत के कलोगी शहर में पैरामेडिक्स को 卐दूसरे अप्रत्याशित हमले卐 में निशाना बनाया गया। सूडान में नागरिकों के विरुद्ध हिंसा पर नजर रखने वाले एक अधिकार समूह, इमरजेंसी लॉयर्स ने शनिवार को एक बयान में बताया कि कलोगी में बचे लोगों का इलाज कर रहे पैरामेडिक्स पर दूसरा हमला हुआ है, तथा कहा कि 卐पिछले दो के निकट एक तीसरे नागरिक स्थल卐 पर भी हमला किया गया। समूह ने हमले की निंदा की तथा हमलों के लिए अर्धसैनिक समूह, रैपिड सपोर्ट फोर्सेस या आरएसएफ को दोषी ठहराया तथा इसे अंतरराष्ट्रीय मानवीय कानून का घोर उल्लंघन बताया। मृतकों की संख्या अधिक होने की आशंका है, लेकिन इलाके में संचार व्यवस्था ठप होने के कारण हताहतों की सूचना देना मुश्किल हो गया है। बृहस्पतिवार को किया गया हमला अर्धसैनिक समूह 'रैपिड सपोर्ट फोर्सेस (आरएसएफ) और सूडानी सेना के बीच जारी जंग में नया घटनाक्रम है। दोनों समूह दो साल से भी ज्यादा समय से युद्धरत हैं। अब युद्ध तेल-समृद्ध कोर्डोफन राज्य में केंद्रित है। सूडान में यूनिसेफ प्रतिनिधि शेल्डन येट ने शुक्रवार को एक बयान में कहा, स्कूल में बच्चों की हत्या बच्चों के अधिकारों का घोर उल्लंघन है। ऐसा नहीं होना चाहिए कि संघर्ष की कीमत बच्चों को चुकानी पड़े। उन्होंने कहा कि यूनिसेफ सभी पक्षों से ''इन हमलों को तुरंत रोकने और जरूरतमंद लोगों तक मानवीय सहायता की सुरक्षित व निर्बाध पहुंच सुनिश्चित करने का आग्रह करता है।

संपत्तियां फ्रीज, कंपनियों पर भी प्रतिबंध; खालिस्तानी आतंकियों के खिलाफ ब्रिटेन की बहुत बड़ी कार्रवाई

लंदन, एजेंसी। भारत के दबाव के बीच ब्रिटेन ने खालिस्तानी आतंकवादी समूहों के खिलाफ बड़ा ऐतिहासिक कदम उठाया है। ब्रिटिश सरकार ने 4 दिसंबर को गुरप्रीत सिंह रेहल नामक एक व्यक्ति और बब्बर अकाली लहर संगठन पर आतंकवाद से जुड़े आरोपों के तहत प्रतिबंध लगा दिए हैं। यह कार्रवाई खासतौर पर बब्बर खालसा इंटरनेशनल नामक प्रतिबंधित खालिस्तानी आतंकवादी संगठन से इनकी सांठगांठ के लिए की गई है। इस कदम से ब्रिटेन की वित्तीय प्रणाली का दुरुपयोग करने वाले चरमपंथियों को झटका लगेगा और भारत-ब्रिटेन के बीच आतंकवाद विरोधी सहयोग को नई मजबूती मिलेगी। ब्रिटेन सरकार ने काउंटर-टेररिज्म (सैंक्शंस) (ईयू एग्जिट) रेगुलेशंस 2019 के तहत इन प्रतिबंधों को लागू किया है। मुख्य कार्रवाइयों में शामिल हैं- संपत्ति फ्रीज: रेहल, बब्बर अकाली लहर और इनसे जुड़ी कंपनियों की ब्रिटेन में स्थित सभी संपत्तियों, फंड्स और आर्थिक संसाधनों को तत्काल प्रभाव से फ्रीज कर दिया गया है। ब्रिटिश नागरिकों या संस्थाओं को इन संसाधनों से कोई सौदा करने, या इन्हें कुछ भी उपलब्ध कराने की अनुमति नहीं है, जब तक कि एचएम ट्रेजरी से लाइसेंस न मिले।

कंपनियों पर असर: रेहल से जुड़े संगठन सेविंग पंजाब सीआईसी, वाइटहॉक कंसल्टेशंस लिमिटेड और अनइनकॉर्पोरेटेड संगठन लोहा डिजाइन्स पर भी प्रतिबंध लगे हैं। गुरप्रीत सिंह रेहल को किसी कंपनी का निदेशक बनने या उसके प्रबंधन में प्रत्यक्ष/अप्रत्यक्ष रूप से भाग लेने से रोक दिया गया है। प्रतिबंधों का उल्लंघन करने पर सात साल तक की कैद या 10 लाख पाउंड तक का जुर्माना लगाया जा सकता है। ब्रिटेन के वित्त मंत्रालय के मूल्यांकन के अनुसार, यह पहली बार है जब घरेलू काउंटर-टेररिज्म रिजीम का इस्तेमाल खालिस्तानी मिलिटेंट ग्रुप्स के फंडिंग को बाधित करने के लिए किया गया है।

खालिस्तानी आतंक से जुड़े आरोप: भर्ती, फंडिंग और हथियार खरीद : गुरप्रीत सिंह रेहल पर भारत में आतंकवादी गतिविधियों में संलिप्त संगठनों से जुड़ने का आरोप है। ब्रिटिश सरकार का मानना है कि वह बब्बर खालसा और बब्बर अकाली लहर की गतिविधियों में सक्रिय रूप से शामिल रहा है। इन आतंकी संगठनों की गतिविधियों में समूहों का प्रचार-प्रसार और प्रोत्साहन, भर्ती अभियान चलाना, वित्तीय सेवाएं प्रदान करना, हथियारों और अन्य सैन्य सामग्री की खरीद में सहायता और ऐसे ही संगठनों को समर्थन और सहयोग देना शामिल है। बब्बर अकाली लहर को बब्बर खालसा का सहयोगी संगठन माना जाता है, जो इसकी भर्ती, प्रचार और आतंकवादी गतिविधियों को बढ़ावा देता है। बब्बर खालसा इंटरनेशनल एक प्रतिबंधित आतंकवादी संगठन है, जो खालिस्तान आंदोलन के नाम पर हिंसा और घृणा फैलाने के लिए फेमस है। ब्रिटेन सरकार की ये कार्रवाइयां भारत में हो रही आतंकवादी गतिविधियों को समर्थन देने वाले नेटवर्क को निशाना बनाती है।

ब्रिटिश अधिकारियों के बयान: आतंकवाद के फंडिंग को कुचलेंगे : आर्थिक सचिव लूसी रिग्बी केसी एमपी ने इस कार्रवाई का स्वागत करते हुए कहा कि जब आतंकवादी ब्रिटेन की वित्तीय प्रणाली का शोषण करेंगे तो हम चुपचाप नहीं देखेंगे। यह ऐतिहासिक कदम दर्शाता है कि हम हर उपलब्ध टूल का इस्तेमाल करके आतंकवाद की फंडिंग को रोकने के लिए तैयार हैं- चाहे वह कहीं भी हो। ब्रिटेन उन शांतिपूर्ण समुदायों के साथ दृढ़ता से खड़ा है, जो हिंसा और घृणा को बढ़ावा देने वालों के खिलाफ हैं।

भारत-ब्रिटेन सहयोग को मिली मजबूती: वैश्विक आतंकवाद के खिलाफ संयुक्त मोर्चा : यह कदम भारत और ब्रिटेन के बीच बढ़ते आतंकवाद विरोधी सहयोग का प्रतीक है। ब्रिटेन ने स्पष्ट संकेत दिया है कि वह विदेशी मिट्टी पर आतंकवाद को समर्थन देने वाले नेटवर्क को बर्दाश्त नहीं करेगा। विशेषज्ञों का मानना है कि इससे खालिस्तानी चरमपंथियों के वैश्विक फंडिंग चैनलों पर असर पड़ेगा। इससे भारत की सुरक्षा चिंताएं भी जुड़ी हुई हैं।

बब्बर खालसा का इतिहास और खतरा : बब्बर खालसा 1980 के दशक में खालिस्तान आंदोलन के दौरान उभरा। यह भारत में कई आतंकी हमलों के लिए जिम्मेदार रहा है। यह संगठन हथियार तस्करी, विस्फोटक हमले और राजनीतिक हत्याओं में लिप्त रहा है। ब्रिटेन में इसके समर्थक लंदन और अन्य शहरों में सक्रिय हैं, जहां वे फंडिंग और प्रचार के जरिए गतिविधियां चलाते हैं। हाल के वर्षों में, भारत ने ब्रिटेन से ऐसे नेटवर्क्स पर कार्रवाई की मांग की थी, और यह संयुक्त घोषणा उसी दिशा में एक बड़ा कदम है। यह कार्रवाई ब्रिटेन की व्यापक रणनीति का हिस्सा है, जो वैश्विक आतंकवाद को फंडिंग रोकने पर केंद्रित है। आने वाले दिनों में और प्रतिबंधों की संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता, खासकर जब अंतरराष्ट्रीय सहयोग बढ़ रहा है।

न्यू साउथ वेल्स के जंगल में आग लगने से 12 घर जलकर खाक

सिडनी, एजेंसी। आस्ट्रेलिया के न्यू साउथ वेल्स में जंगलों में आग लगने से कई घर जलकर खाक हो गये हैं। आस्ट्रेलिया की न्यू साउथ वेल्स रूरल फायर सर्विस ने पुष्टि की है कि आग से कई घर जलकर खाक हो गए हैं। ऑस्ट्रेलियन ब्रॉडकास्टिंग कॉर्पोरेशन (एबीसी) ने शनिवार दोपहर यह जानकारी दी। एबीसी ने बताया कि घरों में आग लगने की घटना तक सामने आई जब नेटवर्क के न्यूज़ हेलीकॉप्टर से चलाए गए लाइव वीडियो में निंबिन रोड, कोलूवोंग के पास कम से कम 12 घर आग लगने से पूरी तरह खाक हो गये थे। न्यू साउथ वेल्स रूरल फायर सर्विस ने आज दोपहर निंबिन रोड के लिए एक आपातकालीन चेतावनी जारी की। जंगल में लगी आग दक्षिण दिशा के ग्लेनरॉक परेड से लारा स्ट्रीट की ओर बढ़ रही है। अधिकारियों ने आग में फंसे लोगों से कहा, अगर आप निंबिन रोड, ग्लेनरॉक परेड, लारा स्ट्रीट और निमाला एवेन्यू के क्षेत्र में हैं, तो आपके लिए खतरा हैं। यदि रास्ता साफ मिलता है तो अभी वॉय वॉय की ओर सुरक्षित बाहर निकल सकते हैं। कोलूवोंग न्यू साउथ वेल्स के सेंट्रल कोस्ट का एक उपनगर है, जो सिडनी सीबीडी से लगभग एक घंटे की दूरी पर स्थित है। एबीसी ने यह भी रिपोर्ट दी है कि कोलूवोंग में पटरियों के पास आग लगने के कारण सेंट्रल कोस्ट और न्युकैसल रेलवे लाइन पर ट्रेनों को आवागमन नहीं हो रहा है। एनएसडब्ल्यू आरएफएस ने बाद में बैरामी, बैरामी क्रीक, विडन, यारावा और केराबी क्षेत्रों के लिए एक और आपातकालीन चेतावनी जारी की, क्योंकि वहां जंगल के एक बड़े क्षेत्र में जबरदस्त आग लगी है। ये क्षेत्र एनएसडब्ल्यू के ऊपर क्षेत्र में हैं और सिडनी सीबीडी से 200 किलोमीटर से अधिक उत्तर-पश्चिम में स्थित हैं। अधिकारियों ने इन क्षेत्रों के लोगों को सूचित किया कि उनकी जान खतरे में हैं और अब इलाके से बाहर निकलने में बहुत देर हो चुकी है। उन्होंने लोगों से एक मजबूत संरचना के अंदर शरण लेने का आग्रह किया है।

चीनी सैन्य विमान ने जापानी विमानों पर दो बार लॉक किया रडार, जापान ने दर्ज कराया कड़ा विरोध; तनाव बढ़ा

टोक्यो , एजेंसी। चीन के एक सैन्य विमान ने शनिवार (स्थानीय समयानुसार) को ओकिनावा के पास जापानी लड़ाकू विमानों पर अपना रडार लॉक किया। जापान ने आज इस घटना को लेकर चीन के सामने विरोध दर्ज कराया है। चीनी सैन्य विमान ने विमानवाहक पोत लियानओनिंग से उड़ान भरी थी। यह घटना ऐसे समय हुई है, जब हाल ही में जापानी प्रधानमंत्री के ताइवान पर दिए बयान के बाद दोनों देशों के संबंध खराब हो गए हैं। जापान के रक्षा मंत्रालय के मुताबिक, लियाओनिंग से उड़ान भरने वाले जे-15 लड़ाकू विमान ने शनिवार को दो बार जापान के एफ-15 विमानों पर अपना रडार लॉक किया। पहली बार देर दोपहर करीब तीन मिनट के लिए और दूसरी बार शाम में लगभग 30 मिनट तक रडार लॉक किया गया। हालांकि जापान के हवाई क्षेत्र का कोई उल्लंघन नहीं हुआ और न ही किसी तरह का नुकसान हुआ। रक्षा मंत्री शिंजिरो कोइजुमी ने इसे बेहद खतरनाक हरकत बताया। उन्होंने कहा कि चीन का यह कदम सुरक्षित सैन्य उड़ान संचालन की सीमा से बाहर है। उन्होंने कहा कि जापान ने चीन के समक्ष कड़ा विरोध दर्ज कराया है और ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए सख्त कदम उठाने की मांग की है। घटना के बाद दोनों देशों के बीच तनाव और बढ़ सकता है। चीन पहले ही जापानी प्रधानमंत्री साने ताकाइची के उस बयान पर नाराजगी जता चुका है, जिसमें उन्होंने कहा था कि अगर चीन ताइवान पर कोई कार्रवाई करता है तो जापान भी इसमें शामिल हो सकता है। घटना के दौरान लियाओनिंग ओकिनावा और मियाको द्वीपों के बीच से गुजर रहा था और वह प्रशांत महासागर में विमान संचालन का अभ्यास कर रहा था। जापानी एफ-15 विमान सतर्कता के तौर पर हवा में भेजे गए थे और वे सुरक्षित दूरी पर रहते हुए चीनी विमानों पर नजर रख रहे थे। रक्षा विशेषज्ञों ने बताया कि लड़ाकू विमान रडार का इस्तेमाल सामान्य खोज के लिए भी करते हैं और मिसाइल दागने से पहले फायर कंट्रोल के रूप में भी। माना जा रहा है कि जापान और चीन के बीच रडार लॉक की यह पहली घटना है। इससे पहले साल 2013 में एक चीनी युद्धपोत ने जापानी डेस्ट्रॉयर पर रडार लॉक किया था।

बांग्लादेश की पूर्व पीएम खालिदा जिया की हालत नाजुक, लंदन रवाना होने की तैयारी फिर टली

ढाका , एजेंसी। बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री और तीन बार देश का नेतृत्व कर चुकीं खालिदा जिया की हालत बेहद नाजुक बनी हुई है। लंदन ले जाने की तैयारी कई दिनों से चल रही थी, लेकिन डॉक्टरों ने एक बार फिर उनकी यात्रा टाल दी है। शनिवार को मेडिकल बोर्ड ने साफ कहा कि इस समय खालिदा जिया का विदेश जाना सुरक्षित नहीं है। इसी वजह से लंदन रवाना करने की योजना अनिश्चित काल के लिए टाल दी गई। डॉक्टरों के मुताबिक, खालिदा जिया को फिलहाल ढाका के एवरकेयर अस्पताल के CCU में रखा गया है। 80 साल की जिया को पिछले महीने सीने में गंभीर संक्रमण होने के बाद भर्ती कराया गया था। उनकी हालत लगातार उठ-बैठ रही है, इसलिए मेडिकल बोर्ड ने यात्रा को 'जोखिम भरा' बताया। डॉक्टरों का कहना है कि एयर एम्बुलेंस तैयार है, लेकिन मरीज की स्थिति यात्रा योग्य होने पर ही उड़ान होगी। पहले तय था कि जिया शुक्रवार को लंदन रवाना होंगी, लेकिन कतर की ओर से भेजी जा रही एयर एम्बुलेंस तकनीकी खराबी के कारण ढाका नहीं पहुंच सकी। बाद में मीडिया रिपोर्ट में दावा हुआ कि कतर ने जर्मनी से दूसरा विमान मंगवाया, लेकिन डॉक्टरों ने कहा कि मरीज की हालत अब यात्रा की अनुमति नहीं देती। BNP नेता डॉक्टर जाहिद हुसैन ने बताया कि जिया की विदेश यात्रा उनकी सेहत सुधरते ही कराई जाएगी।

बेटे तारीक की पत्नी ढाका पहुंचीं : खालिदा जिया के बेटे और BNP के कार्यवाहक प्रमुख तारीक रहमान लंदन में रहते हैं और कई कानूनी कारणों से बांग्लादेश नहीं लौट पा रहे। हालांकि उनकी पत्नी जुबैदा रहमान शुक्रवार को ढाका पहुंच गईं ताकि जिया को लंदन ले जाने की प्रक्रिया में सहयोग कर सकें। तारीक रहमान ने सोशल मीडिया पर लिखा कि वे मां के पास आना चाहते हैं, लेकिन यह निर्णय सिर्फ उनके हाथों में नहीं है।

हेलीकॉप्टर लैंडिंग की भी तैयारी : जिया की हालत बिगड़ने के बाद सेना और वायुसेना ने एवरकेयर अस्पताल की छत पर हेलीकॉप्टर लैंडिंग ट्रायल भी किया था। योजना यह थी कि जरूरत पड़ने पर सीधे अस्पताल से उन्हें एयरपोर्ट ले जाया जाएगा। इससे साफ होता है कि सरकार और चिकित्सा बोर्ड पूरी प्रक्रिया को बेहद गंभीरता से संभाल रहे हैं। क्ष्क्ष नेता देशभर में मस्जिदों और मंदिरों में जिया के स्वास्थ्य लाभ के लिए दुआ और प्रार्थना कर रहे हैं। बांग्लादेश की बदलती राजनीतिक स्थिति के बीच क्ष्क्षपहले ही मुख्य राजनीतिक शक्ति के रूप में उभर चुकी है। अब खालिदा जिया की खराब सेहत ने पार्टी के भविष्य को और संवेदनशील बना दिया है।

ताइवान के करीब चीन ने बढ़ाई सैन्य गतिविधियां, गश्त करते दिखे दो विमान और सात नौसैनिक जहाज

ताइपे , एजेंसी। ताइवान के राष्ट्रीय रक्षा मंत्रालय (एमएनडी) ने रविवार को बताया कि उसके क्षेत्र के आस-पास चीनी सेना (पीएलए) के दो विमान उड़ान भरते हुए और सात नौसैनिक (पीएलएएन) जहाज गतिविधि करते हुए दिखाई दिए। इसी समय एक चीनी गुब्बारा भी देखा गया। मंत्रालय ने एक्स पर जानकारी साझा करते हुए कहा, आज सुबह छह बजे (स्थानीय समयानुसार) तक ताइवान के आसपास पीएलए के दो विमानों और पीएलएएन के सात जहाजों की गतिविधि दर्ज की गई। इसी समय एक चीनी गुब्बारा भी पाया गया। ताइवान के रक्ष बलों ने स्थिति की निगरानी और प्रतिक्रिया दी। शनिवार को ताइवान के आसपास चीनी सैन्य गतिविधियां बढ़ गईं। उस दिन चीन के 29 लड़ाकू विमानों ने उड़ान भरी और छह नौसैनिक जहाजों की गतिविधि देखी गई। इस बीच, जो बाइडन प्रशासन के पूर्व रक्षा अधिकारी एलि रैटनर ने जापानी प्रधानमंत्री साने ताकाइची के बयान को समर्थन दिया है। उन्होंने कहा कि ताइवान की रक्षा में जापान के शामिल होने की संभावना पर चीन की प्रतिक्रिया अनुचित है। ताइपे टाइम्स के मुताबिक, एलि रैटनर 2021 से इस वर्ष तक हिंद-प्रशांत सुरक्षा मामलों के लिए सहायक रक्षा सचिव थे। उन्होंने कहा कि ताइवान पर टिप्पणी कर ताकाइची ने केवल जापान की आधिकारिक नीति दोहराई है। सात नवंबर को जापानी प्रधानमंत्री ने संसद में कहा था कि अगर चीन ताइवान पर हमला करता है, तो इसे जापान के अस्तित्व के लिए खतरा माना जा सकता है और जापान को कदम उठाना पड़ सकता है। ताकाइची दशकों में पहली जापानी नेता हैं, जिन्होंने खुलकर कहा कि ताइवान जलडमरूमध्य में संकट के समय जापान की सेना शामिल हो सकती है। उनके बयान से चीन नाराज हुआ और उसने जापान की अर्थव्यवस्था को नुकसान पहुंचाने के लिए कई कदम उठाए, जिनमें जापान की यात्रा और शिक्षा पर चेतावनी और जापानी समुद्री भोजन के आयात को रोकना शामिल है।

संदिग्ध गुब्बारों से हड़कंप, लिथुआनिया का विलनियस एयरपोर्ट बंद

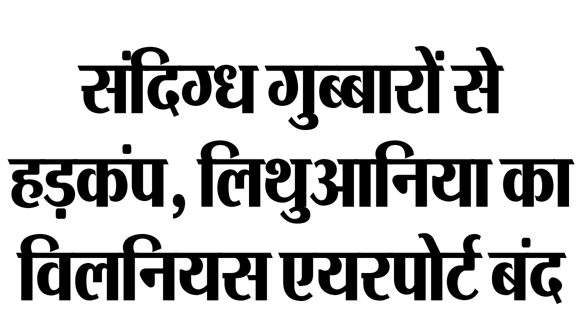

लिथुआनिया , एजेंसी। लिथुआनिया के विलनियस एयरपोर्ट ने शनिवार को अपने सभी ऑपरेशंस रोक दिए। वजह थी एयरपोर्ट के ऊपर अचानक कुछ गुब्बारे दिखाई देना। देश की नेशनल क्राइसिस मैनेजमेंट सेंटर ने बताया कि एयर ट्रैफिक 1905 त्नख्न तक बंद रहेगा। यह पहली बार नहीं है जब ऐसा हुआ हो। विलनियस एयरपोर्ट, जो बेलारूस की सीमा से सिर्फ 30 किलोमीटर दूर है, अक्टूबर की शुरुआत से अब तक 10 से ज्यादा बार इसी वजह से बंद किया जा चुका है। आखिरी बार एयरपोर्ट 3 दिसंबर को बंद किया गया था।

गुब्बारे कौन भेज रहा है : लिथुआनिया का कहना है कि ये गुब्बारे बेलारूस से तस्करों द्वारा भेजे जा रहे हैं, जो इनके जरिये सिगरेट की तस्करी करते हैं। लेकिन बात सिर्फ तस्करी तक सीमित नहीं है, लिथुआनिया बेलारूस के राष्ट्रपति अलेक्ज़ेंडर लुकाशेंको पर भी उंगली उठा रहा है। लिथुआनिया का आरोप है कि बेलारूस की सरकार इन्हें रोक नहीं रही बल्कि यह एक तरह का ÷हाइब्रिड अटैक÷ है, जिससे लिथुआनिया के हवाई यातायात को बाधित किया जा रहा है। लुकाशेंको रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के करीबी हैं, इसलिए ये घटनाएं राजनीतिक तौर पर भी संदेह पैदा करती हैं

हाइब्रिड अटैक क्या होता है : जब किसी देश को सीधे हमला किए बिना असामान्य तरीकों से तनाव पैदा किया जाए। आर्थिक या सुरक्षा व्यवस्था को बाधित किया जाए तो इसे हाइब्रिड अटैक कहा जाता है। लिथुआनिया का कहना है कि गुब्बारों को लगातार भेजकर एयरपोर्ट को बंद करने की नौबत खड़ी की जा रही है, जिससे देश की सुरक्षा और अर्थव्यवस्था पर असर पड़ रहा है।

एयरपोर्ट बंद होने का असर : बार-बार एयरपोर्ट बंद होने से फ्लाइटें देरी से उड़ रही हैं या कैंसल हो रही हैं। यात्रियों को असुविधा हो रही है। एयरपोर्ट की सुरक्षा व्यवस्था पर दबाव बढ़ रहा है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी चिंता बढ़ रही है कि यह सिलसिला कहां तक जाएगा। सरकारी एजेंसियां अब लगातार एयरस्पेस की निगरानी कर रही हैं, ताकि गुब्बारों के कारण फिर से एयरपोर्ट को बंद न करना पड़े।

पुतिन की भारत यात्रा ट्रंप की नाकामी, पेंटागन के पूर्व अधिकारी का बड़ा बयान; अमेरिकी नीति को बताया पाखंड

वॉशिंगटन , एजेंसी। अमेरिकी रक्षा मुख्यालय पेंटागन के पूर्व अधिकारी माइकल रूबिन ने कहा कि रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के भारत दौरे को बहुसंख्य अमेरिकी नागरिक राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की घोर नाकामी के रूप में देख रहे हैं। अमेरिकी नागरिक ट्रंप को पसंद नहीं करते। रूबिन ने दावा किया कि हालिया सर्वे में पाया गया है कि अमेरिका के 65 प्रतिशत लोग ट्रंप को नापसंद करते हैं। अमेरिकी पूर्व अधिकारी ने कहा कि रूस से रियायती तेल खरीदने पर भारत को लेक्चर देकर अमेरिका पाखंड कर रहा है क्योंकि वॉशिंगटन खुद मॉस्को के साथ व्यापार में शामिल है। उन्होंने नई दिल्ली की अपनी जरूरतों को प्राथमिकता देने की स्थिति को सही ठहराया। पेंटागन के पूर्व अधिकारी ने अमेरिका की कड़ी आलोचना तब की जब उनसे नई दिल्ली दौरे के दौरान रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की उस टिप्पणी के बारे में पूछा गया कि मॉस्को बढ़ती भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए ईंधन की बिना रुकावट आपूर्ति जारी रखने के लिए तैयार है। उन्होंने कहा कि भारत जल्द ही दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने वाला है और उसकी अपनी ऊर्जा जरूरतें हैं। उन्होंने अगस्त में भारतीय आयात पर अमेरिका की तरफ से 50त्न टैरिफ लगाने की आलोचना की। वाशिंगटन का दावा है कि यह तेल यूक्रेन में मॉस्को के युद्ध प्रयासों को बढ़ावा देता है।

रूसी तेल खरीद पर अमेरिका कर रहा पाखंड : रूबिन ने खास बातचीत में कहा, जो बात अमेरिकियों को समझ नहीं आती, वह यह है कि भारतीयों ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को भारत के हितों का प्रतिनिधित्व करने के लिए चुना है। अमेरिका पाखंड कर रहा है क्योंकि हम रूस से खरीदते हैं। हम ऐसे सामान और मटीरियल खरीदते हैं जिनके लिए हमारे पास कोई दूसरा बाजार नहीं है। उन्होंने कहा, अगर हम नहीं चाहते कि भारत रूसी तेल खरीदे तो हमें भारत को सस्ती कीमत पर और जितनी मात्रा में उसे जरूरत है उतनी मात्रा में ईंधन देने के लिए हम क्या करने वाले हैं।

पाकिस्तान को गले लगाने पर भी सवाल : पूर्व पेंटागन अधिकारी ने पाकिस्तान को गले लगाने के लिए अमेरिका के पास कोई रणनीतिक तर्क नहीं होने का दावा करते हुए कहा कि इस्लामाबाद को आतंकवाद का स्टेट स्पॉन्सर घोषित किया जाना चाहिए। उन्होंने जून में पाकिस्तान के आर्मी चीफ फील्ड मार्शल आसिम मुनीर के व्हाइट हाउस दौरे पर भी आपत्ति जताई और कहा कि मुनीर को अमेरिका में गिरफ्तार किया जाना चाहिए।

कूच बिहार अंडर-19 ट्रॉफी : हजारीबाग बना राष्ट्रीय क्रिकेट का केंद्र, संजय सिंह स्टेडियम में झारखंड केरल का रोमांचक मुकाबला आरंभ

पहले दिन झारखंड 206 पर ऑल आउट, जवाब में केरल 62/2

बिभा संवाददाता

हजारीबाग : हजारीबाग का संजय सिंह स्टेडियम सोमवार की सुबह राष्ट्रीय स्तर की क्रिकेट प्रतिभा का केंद्र बन गया, जब कूच बिहार अंडर-19 टूर्नामेंट के तहत झारखंड और केरल के बीच चार दिवसीय मुकाबले की विधिवत शुरूआत हुई। यह मैच 11 दिसंबर तक निरंतर चलेगा। पहली बार इस स्तर के मैच की मेजबानी मिलने से पूरे शहर में उत्साह का माहौल था और स्टेडियम में दर्शकों की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। सुबह मुख्य अतिथि के रूप में जेएससीए के सचिव एवं पूर्व भारतीय क्रिकेटर सौरभ तिवारी स्टेडियम पहुंचे, जहाँ एचडीसीए सचिव बंटी तिवारी सहित एसोसिएशन के पदाधिकारियों ने उनका गर्मजोशी से स्वागत किया और स्मृति चिन्ह भेंट किया। सौरभ तिवारी ने खिलाड़ियों से आत्मीय मुलाकात की और मैच को लेकर अपनी शुभकामनाएं दीं। टॉस के बाद ठीक सुबह 9 बजे मैच की शुरूआत हुई और मैदान का वातावरण उत्साह से भर गया। मुकाबले में

झारखंड टीम से वात्सल तिवारी, ए.ल. कौशिक, अर्जुन प्रियदर्शी, साकेत कुमार सिंह, विशाल पांडेय, नितीन पांडेय (विकेटकीपर), अनमोल राज, यश राठौर, कप्तान ईशान ओम, दीपांशु रावत और प्रिंस मिश्रा। टीम के अन्य खिलाड़ियों में गौरव, हिमांशु, विभु और राहुल राजक शामिल थे। केरल की टीम में संगीत सागर वी, जोबिन पी. जोबी, हृषिकेश एन, कप्तान एवं विकेटकीपर मानव कृष्णा, अमय मनोज, माधव कृष्णा, मोहम्मद इनान, थॉमस मैथ्यू, अभिनव के.वी, देवगिरि और ऐशलिन। टीम के अन्य सदस्यों में लेरोय जोआकिम, शिबू, मिथुन एम, निहिलेश्वर वी और पोननुरु जॉयफिन शामिल थे। पहले बल्लेबाजी करते हुए झारखंड की टीम 206 रन पर ऑल आउट हो गई। वहीं शाम 4:00 बजे तक केरल की टीम ने 62 रन पर दो विकेट 25 ओवर पर गवा चुके थे। मैच के दौरान स्टेडियम में दर्शकों की उत्साहपूर्ण उपस्थिति और लगातार बढ़ती भीड़ इस आयोजन को और भी भव्य रूप दे रही थी। सुरक्षा को लेकर पुलिस प्रशासन की विशेष तैनाती, मीडिया के लिए उत्कृष्ट व्यवस्था, मेडिकल टीम की तत्परता और मैदान की साफ-सुथरी तैयारियों ने आयोजन को अत्यंत सफल बनाया।

जेएससीए सचिव सौरभ तिवारी ने हजारीबाग के मैदान की विशेष रूप से सराहना करते हुए कहा कि रांची के बाद झारखंड में हजारीबाग ही दूसरा ऐसा स्टेडियम है जहाँ आधुनिक फ्लडलाइट की सुविधा उपलब्ध है। भविष्य में नाइट मैचों के लिए यह एक बड़े अवसर का द्वार खोलता है। उन्होंने कहा कि अगर इसी स्तर की व्यवस्थाएं बनी रहीं तो हजारीबाग आने वाले वर्षों में रणजी ट्रॉफी जैसे बड़े राष्ट्रीय मुकाबलों की मेजबानी कर सकता है। उन्होंने स्वर्गीय संजय सिंह को याद करते हुए कहा कि आज का यह भव्य आयोजन उनके सपनों का साकार रूप है। साथ ही कहा कि हम धन्यवाद देते हैं विशेष रूप से स्थानीय सांसद एवं एचडीसीए के अध्यक्ष मनीष जायसवाल सर का भी प्रयास रंग लाया और इस मैदान में इस प्रकार का भव्य आयोजन हो रहा है। साथ ही एसोसिएशन के पदाधिकारियों तथा स्थानीय खेल प्रेमियों के प्रयासों की प्रशंसा करता हूं। इस दौरान मीडिया से बातचीत करते हुए एचडीसीए सचिव बंटी तिवारी ने कहा कि हजारीबाग के खिलाड़ियों और खेल प्रेमियों के लिए यह एक स्वर्णिम अवसर है। उन्होंने कहा कि हमारी कोशिश है कि हजारीबाग को राज्य के सबसे प्रमुख क्रिकेट केंद्रों में शामिल किया जाए। आज का आयोजन इस दिशा में एक बेहद महत्वपूर्ण कदम है। यहां की पिच, ग्राउंड और सारी व्यवस्थाएं राष्ट्रीय स्तर के अनुरूप तैयार की गई हैं। हमें गर्व है कि हजारीबाग अब राष्ट्रीय क्रिकेट के मानचित्र पर मजबूती से खड़ा हो रहा है।

स्थानीय सांसद एवं एचडीसीए अध्यक्ष मनीष जायसवाल, जो इस समय संसद सत्र के कारण दिल्ली में हैं, ने अपने आधिकारिक फेसबुक हैंडल पर इस आयोजन की प्रशंसा करते हुए लिखा कि यह टूर्नामेंट इस बात का प्रमाण है कि हजारीबाग अब राष्ट्रीय क्रिकेट मानचित्र पर अपनी पहचान बना चुका है। उन्होंने झारखंड और केरल की टीमों का हृदयपूर्वक स्वागत करते हुए बीसीसीआई से आए अधिकारियों का भी अभिनंदन किया। उन्होंने कहा कि उनका निरंतर प्रयास है कि संजय सिंह स्टेडियम को इतना विकसित किया जाए, कि भविष्य में यहां रणजी ट्रॉफी और अन्य बड़े मुकाबलों का आयोजन हो सके। उन्होंने कहा कि इससे न केवल स्थानीय खिलाड़ियों को बड़े अवसर मिलेंगे बल्कि हजारीबाग की जनता भी बड़े खिलाड़ियों को अपने शहर में खेलते हुए देख सकेगी। उन्होंने इस आयोजन को हजारीबाग के खेल भविष्य के लिए एक मजबूत और ऐतिहासिक कदम बताया। कूच बिहार अंडर-19 ट्रॉफी का यह आयोजन हजारीबाग के खेल इतिहास में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि के रूप में दर्ज हो चुका है। यहां की तैयारी, दर्शकों का प्रेम, खिलाड़ियों का उत्साह और आयोजन की भव्यता इस बात का प्रमाण है कि हजारीबाग अब राष्ट्रीय खेल आयोजनों की अग्रिम पंक्ति में तेजी से उभर रहा है।

बाबा के दरबार में 22 को कोलकाता से फूल, जयपुर से इत्र व रामगढ़ से आएगा बाबा का शीश

बिभा संवाददाता

हजारीबाग: हजारीबाग में धार्मिक आस्था और भक्ति का भव्य संगम 22 दिसंबर को देखने को मिलेगा। श्री श्याम टाबरिया द्वारा आयोजित श्री श्याम समर्पण महोत्सव की तैयारियां जोरों पर हैं। इस विशेष आयोजन में बाबा श्याम का पावन शीश रामगढ़ से विशेष रूप से मंगवाया जा रहा है !बाबा के राज-श्रृंगार के लिए कोलकाता से विशेष प्रीमियम फ्लावर आ रहे हैं, जिनसे भव्य सजावट की जाएगी। श्री श्याम टाबरिया ने बताया कि महोत्सव स्थल को आकर्षक पुष्प सजावट, लाइटिंग और धार्मिक प्रतीकों से सजाया जाएगा ताकि भक्तों को एक दिव्य वातावरण का अनुभव हो। वहीं जयपुर से इत्र मंगवाया जा रहा है !महोत्सव की विशेषता यह भी रहेगी कि प्रसिद्ध भजन गायक कार्यक्रम में श्याम भजनों की प्रस्तुति देंगे। उनकी मनमोहक गायकी से भक्ति संध्या को और भी आध्यात्मिक रंग मिलेगा। इस आयोजन में करीब 2000 से अधिक श्याम भक्तों के शामिल होने की संभावना है। शहर एवं आस-पास के क्षेत्रों से आने वाले भक्तों के लिए विशेष बैठने और प्रसाद वितरण की व्यवस्था की गई है। आयोजकों ने सभी श्याम प्रेमियों एवं शहरवासियों से आग्रह किया है कि वे इस दिव्य अवसर पर अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर बाबा का आशीर्वाद प्राप्त करें।

हजारीबाग में निगम व मुर्दा कल्याण समिति ने पशु-पक्षी सेवा वाहन का शुभारंभ किया

बिभा संवाददाता

हजारीबाग: हजारीबाग नगर निगम ने मुर्दा कल्याण समिति के सहयोग से शहर में घायल एवं मृत बेसहारा पशुओं की त्वरित सहायता के लिए एक विशेष प्रयोजन वाहन सेवा का शुभारंभ किया। इस पहल का उद्देश्य सड़क पर दुर्घटनाग्रस्त, बीमार या असहाय अवस्था में पड़े जानवरों को तुरंत राहत प्रदान करना तथा मृत पशुओं का स्वच्छ एवं सुरक्षित निपटारा सुनिश्चित करना है।उद्घाटन कार्यक्रम में नगर आयुक्त, सहायक नगर आयुक्त, नगर निगम के पशु चिकित्सा अधिकारी एवं मुर्दा कल्याण समिति के कई सदस्य उपस्थित रहे। अधिकारियों ने बताया कि शहर में प्रतिदिन बढ़ रहे पशु-संबंधी हादसों को देखते हुए इस संयुक्त पहल की आवश्यकता महसूस की जा रही थी।नगर आयुक्त ने कहा,मुर्दा कल्याण समिति के सहयोग से यह नई सेवा हजारीबाग में पशु कल्याण व स्वच्छता व्यवस्था को नई मजबूती देगी। अब सूचना मिलते ही हमारी टीम घायल पशुओं तक तुरंत पहुँचेगी और मृत पशुओं का उचित निपटारा किया जाएगा।नगर निगम के द्वारा जल्द ही एक 247 कंट्रोल रूम नंबर भी जारी किया जाएगा , जिस पर नागरिक घायल या मृत पशुओं की जानकारी दे सकेंगे। सूचना मिलने के बाद टीम निर्धारित समय सीमा में मौके पर पहुँचने का दावा करती है।मुर्दा कल्याण समिति और नगर निगम की इस संयुक्त पहल का स्वागत करते हुए, स्थानीय सामाजिक संगठनों और पशु-प्रेमियों ने कहा कि यह कदम शहर में पशु संरक्षण और स्वच्छता दोनों के लिए, महत्वपूर्ण साबित होगा।नगर निगम ने नागरिकों से अपील की है कि वे घायल या मृत पशुओं की सूचना तुरंत दें और हजारीबाग को अधिक स्वच्छ, सुरक्षित और संवेदनशील शहर बनाने में योगदान करें।इस कार्यक्रम में खालिद, देव प्रताप सिंह, विनिता, आयुष राज, प्रीतम कुमार, अभिजीत राज, अक्षय, प्रियल, बसु, अभिमन्यु और अभिषेक राज उपस्थित रहें।

संक्षिप्त खबरें

महाप्रबंधक छत्रसाल सिंह ने हाजीपुर में डॉ0 भीमराव अम्बेडकर को किया नमन

हाजीपुर : पूर्व मध्य रेल मुख्यालय में शुक्रवार को भारतीय संविधान के शिल्पकार, समाज सुधारक ख्यभारत रत्नख्र बाबा साहेब डॉ0 भीमराव अम्बेडकर का 70वाँ महापरिनिर्वाण दिवस मनाया गया । इस अवसर पर मुख्यालय, हाजीपुर में पूर्व मध्य रेल के महाप्रबंधक श्री छत्रसाल सिंह ने डॉ0 अम्बेडकर के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें नमन किया । इस अवसर पर प्रधान मुख्य कार्मिक अधिकारी श्री एस.सी.श्रीवास्तव सहित सभी अधिकारीगण एवं कर्मचारियों ने डॉ0 भीमराव अम्बेडकर के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित की । साथ ही, पूर्व मध्य रेल अनुसूचित जाति/जनजाति यूनियन/एशोसिएशन के पदाधिकारी एवं सदस्यगण ने भी डॉ0 अम्बेडकर के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें नमन किया।

अपर मंडल रेल प्रबंधक द्वारा भारत रत्न डा0 भीम राव अम्बेडकर जी के चित्र पर किया गया माल्यार्पण

धनबाद : शुक्रवार को 'महापरिनिर्वाण दिवस' के अवसर पर अपर मंडल रेल प्रबंधक अमित कुमार द्वारा मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय, धनबाद में भारत रत्न बाबा साहेब डॉ0 भीमराव अम्बेडकर जी के चित्र पर माल्यार्पण कर उन्हें नमन किया गया। इस अवसर पर मंडल के अन्य अधिकारीगण एवं कर्मचारीगण उपस्थित थे।

यात्रियों की सुविधा के मद्देनजर हावड़ा से जोधपुर के लिए वन-वे स्पेशल ट्रेन का परिचालन

धनबाद: यात्रियों की सुविधा के मद्देनजर हावड़ा-जोधपुर के मध्य वन-वे स्पेशल ट्रेन 04808 हावड़ा-जोधपुर स्पेशल 09 दिसंबर को परिचालन किया गया है ।

यात्री अनुशासन को मजबूत करने के लिए आसनसोल मंडल ने मधुपुर में मजिस्ट्रेट जाँच अभियान चलाया

आसनसोल: पूर्व रेलवे के आसनसोल मंडल ने मधुपुर स्टेशन पर रेलवे न्यायिक मजिस्ट्रेट के सहयोग से एक संयुक्त मजिस्ट्रेट जाँच अभियान चलाया। इस अभियान का उद्देश्य बिना टिकट यात्रा को रोकना, अनियमितताओं को रोकना और प्रमुख रेल सेवाओं में रेलवे नियमों का अनुपालन सुनिश्चित करना था। इसके लिए दो टीमें तैनात की गईं - एक मजिस्ट्रेट जाँच दस्ता और एक टिकट जाँच दस्ता, जिसमें कुल 18 कर्मचारी थे। अभियान के दौरान, 330 जुर्माने के मामले पकड़े गए, जिनमें 14 जहाँ-तहाँ थूकने के मामले और 2 बिना बुक किए सामान के मामले शामिल थे, और कुल 1,28,235 का जुर्माना वसूला गया। जाँच दल ने महत्वपूर्ण यात्री यातायात वाली महत्वपूर्ण ट्रेनों की जाँच की, जिनमें झाझा में 18622 (जसीडीह-राँची एक्सप्रेस), चित्तरंजन में 12024 (पटना-हावड़ा जन शताब्दी एक्सप्रेस), जसीडीह में 12303 (हावड़ा-नई दिल्ली पूर्वा एक्सप्रेस) और मधुपुर में 13332 (पटना-धनबाद इंटरसिटी एक्सप्रेस) शामिल हैं। इस अभियान से अनियमित यात्रा पर अंकुश लगाने और यात्री जवाबदेही में सुधार लाने में मदद मिली। आसनसोल मंडल सुरक्षित और निर्बाध यात्रा प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है। नियमित टिकट जाँच अभियान और प्रवर्तन उपाय वास्तविक यात्रियों की सहायता और अनुशासित, यात्री-अनुकूल वातावरण को बढ़ावा देने के लिए जारी हैं। यात्रियों से अनुरोध है कि वे सुचारू और आरामदायक यात्रा के लिए रेलवे कर्मचारियों के साथ सहयोग करें।

कानी बजार में कम्यूनिटी सीसीटीवी कैमरा लग कर तैयार, हजारीबाग पुलिस अधीक्षक करेंगे शुभारम्भ

23 स्मार्ट अककैमरा लगाए गए साथ ही किसी इमरजेंसी की स्थिति के लिए अलार्म सिस्टम लगाया जाएगाः रुद्र राज

बिभा संवाददाता

हजारीबाग: कानी बाजार विकास समिति का बैठक वर्षा अपार्टमेंट में किया गया। बैठक में कानी बाजार विकास समिति के द्वारा मोहल्ला में कराए जा रहे कार्यों का विस्तार पूर्वक चर्चा किया गया। अध्यक्ष अधिवक्ता रुद्र राज ने बताया क्षेत्र में 23 स्मार्ट अककुउउ कैमरा लगाए गए जो पूरे नए एवं आधुनिक टेक्नोलॉजी से लैश है। कैमरा लगने के बाद असामाजिक लोग जो बैठकी करते थे वो कम हो गया नशा करने वाले लोग भी अब नहीं आते। हजारीबाग पुलिस विशेष कर सदर थाना प्रभारी सुभाष सिंह जी का भी भरपूर सहयोग मिला रात्रि गस्ती व असामाजिक लोगों पर कार्रवाई कर क्षेत्र में शांति व सुरक्षित वातावरण स्थापित किया। रुद्र राज आगे बताते है कानी बाजार विकास समिति के द्वारा पूरे क्षेत्र में जेसीबी से सफाई कराया गया,नशेड़ियों के अड्डों को तोड़ा गया वर्षों से समस्या बना हुआ पुल को तोड़कर सुलभ रास्ता बनाया गया, क्षेत्र में जितने भी छिपने वाले जगह थे उसको साफ किया गया, जगह जगह पर नशा मुक्ति के लिए सूचना पोस्टर लगाए गए साथ ही एक नया प्रयोग किया जा रहा जिसमें किसी भी आपातकाल की स्थिति के मोहल्ले में अलार्म सिस्टम लगाया जाएगा। सचिव राजन जायसवाल ने कहा इस कार्य के लिए मोहल्ला के लोगों ने बढ़ चढ़ कर सहयोग किया साथ ही और अपनी रुचि भी दिखाई। बैठक में मुख्य रूप से अध्यक्ष रुद्र राज उपाध्यक्ष निशांत जैन मनीष कुमार सचिव राजन जायसवाल महासचिव ज्ञानचंद अग्रवाल कोषाध्यक्ष सरोज झा अनिल रंजन कृष्णा श्रीवास्तव प्रमोद कुमार अशोक कुमार पिंटू खंडेलवाल सुमन अग्रवाल राजकिशोर अग्रवाल एवं अन्य मोहल्ले के गणमान्य लोग उपस्थित रहें।

पटना एवं दरभंगा से आनंद विहार टर्मिनल के लिए 02-02 जोड़ी स्पेशल ट्रेन का परिचालन

हाजीपुर : यात्रियों की अतिरिक्त भीड़ के मद्देनजर उनकी सुविधा हेतु पटना एवं दरभंगा से आनंद विहार टर्मिनल के लिए 02-02 जोड़ी स्पेशल ट्रेन का परिचालन निम्नानुसार किया जायेगा।

गाड़ी संख्या 02395 पटना-आनंद विहार टर्मिनल स्पेशल ट्रेन पटना से 09, 11 एवं 13 दिसम्बर को 20.30 बजे खुलकर 20.45 बजे दानापुर, 21.15 बजे आरा, 22.00 बजे बक्सर, 23.30 बजे डीडीयू सहित अन्य स्टेशनों पर रूकते हुए अगले दिन 15.00 बजे आनंद विहार टर्मिनल पहुँचेगी । वापसी में, गाड़ी संख्या 02396 आनंद विहार टर्मिनल-पटना स्पेशल ट्रेन 10, 12 एवं 14 दिसम्बर को आनंद विहार से 19.00 बजे खुलकर विभिन्न स्टेशनों पर रूकते हुए अगले दिन 10.10 बजे डीडीयू, 11.48 बजे बक्सर, 12.33 बजे आरा, 13.05 बजे दानापुर एवं 14.00 बजे पटना पहुँचेगी ।

गाड़ी संख्या 02309 पटना-आनंद विहार टर्मिनल स्पेशल ट्रेन पटना से 10, 12 एवं 14 दिसम्बर को 20.30 बजे 20.30 बजे खुलकर 20.45 बजे दानापुर, 21.15 बजे आरा, 22.00 बजे बक्सर, 23.30 बजे डीडीयू सहित अन्य स्टेशनों पर रूकते हुए अगले दिन 15.00 बजे आनंद विहार टर्मिनल पहुँचेगी । वापसी में, गाड़ी संख्या 02310 आनंद विहार टर्मिनल-पटना स्पेशल ट्रेन 11, 13 एवं 15 दिसम्बर को आनंद विहार से 19.00 बजे खुलकर विभिन्न स्टेशनों पर रूकते हुए अगले दिन 10.10 बजे डीडीयू, 11.48 बजे बक्सर, 12.33 बजे आरा, 13.05 बजे दानापुर एवं 14.00 बजे पटना पहुँचेगी ।

गाड़ी संख्या 05563 दरभंगा-आनंद विहार टर्मिनल स्पेशल ट्रेन दरभंगा से 10, 11, 13 एवं 14 दिसम्बर को 18.15 बजे खुलकर 19.35 बजे समस्तीपुर, 22.15 बजे मुजफ्फरपुर, 23.50 बजे हाजीपुर सहित विभिन्न स्टेशनों पर रूकते हुए अगले दिन 21.15 बजे आनंद विहार टर्मिनल पहुँचेगी । वापसी में, गाड़ी संख्या 05564 आनंद विहार टर्मिनल-दरभंगा स्पेशल ट्रेन 12, 13, 15 एवं 16 दिसम्बर को 00.05 बजे खुलकर विभिन्न स्टेशनों पर रूकते हुए 18.55 बजे हाजीपुर, 19.50 बजे मुजफ्फरपुर, 21.00 बजे समस्तीपुर रूकते हुए 23.00 बजे दरभंगा पहुँचेगी ।

गाड़ी संख्या 05565 दरभंगा-आनंद विहार टर्मिनल स्पेशल ट्रेन दरभंगा से 09 एवं 12 दिसम्बर को 18.15 बजे खुलकर 19.35 बजे समस्तीपुर, 22.15 बजे मुजफ्फरपुर, 23.50 बजे हाजीपुर सहित विभिन्न स्टेशनों पर रूकते हुए अगले दिन 21.15 बजे आनंद विहार टर्मिनल पहुँचेगी । वापसी में, गाड़ी संख्या 05566 आनंद विहार टर्मिनल-दरभंगा स्पेशल ट्रेन 11 एवं 14 दिसम्बर को 00.05 बजे खुलकर विभिन्न स्टेशनों पर रूकते हुए 18.55 बजे हाजीपुर, 19.50 बजे मुजफ्फरपुर, 21.00 बजे समस्तीपुर रूकते हुए 23.00 बजे दरभंगा पहुँचेगी ।

04 जोड़ी स्पेशल ट्रेनों के परिचालन अवधि में विस्तार

हाजीपुर: यात्रियों की अतिरिक्त भीड़ के मद्देनजर धनबाद से चंडीगढ़, गोरखपुर, लोकमान्य तिलक एवं दिल्ली के लिए चलायी जा रही 04 जोड़ी स्पेशल ट्रेनों के परिचालन अवधि में विस्तार किया जा रहा है जिनका विवरण निम्नानुसार है -

गाड़ी सं. 03311/03312 धनबाद-चंडीगढ़-धनबाद स्पेशल - अब गाड़ी सं. 03311 धनबाद-चंडीगढ़ स्पेशल अब 12.12.2025 से 13.01.2026 तक सप्ताह में दो दिन प्रत्येक शुक्रवार एवं मंगलवार को परिचालित की जायेगी । इसी तरह, गाड़ी सं. 03312 चंडीगढ़-धनबाद स्पेशल अब 14.12.2025 से 15.01.2026 तक सप्ताह में दो दिन प्रत्येक रविवार एवं गुरुवार को परिचालित की जायेगी ।

गाड़ी सं. 03677/03678 धनबाद-गोरखपुर-धनबाद स्पेशल - अब गाड़ी सं. 03677 धनबाद-गोरखपुर स्पेशल अब 14.12.2025 से 11.01.2026 तक सप्ताह के प्रत्येक रविवार को परिचालित की जायेगी । इसी तरह गाड़ी सं. 03678 गोरखपुर-धनबाद स्पेशल अब 15.12.2025 से 12.01.2026 तक सप्ताह के प्रत्येक सोमवार को परिचालित की जायेगी ।

गाड़ी सं. 03379/03380 धनबाद-लोकमान्य तिलक-धनबाद स्पेशल - अब गाड़ी सं. 03379 धनबाद-लोकमान्य तिलक स्पेशल अब 16.12.2025 से 13.01.2026 तक सप्ताह के प्रत्येक मंगलवार को परिचालित की जायेगी । इसी तरह, गाड़ी सं. 03380 लोकमान्य तिलक-धनबाद स्पेशल अब 18.12.2025 से 15.01.2026 तक सप्ताह के प्रत्येक गुरुवार को परिचालित की जायेगी ।

गाड़ी सं. 03309/03310 धनबाद-दिल्ली-धनबाद स्पेशल - अब गाड़ी सं. 03309 धनबाद-दिल्ली स्पेशल अब 13.12.2025 से 13.01.2026 तक सप्ताह में दो दिन प्रत्येक शनिवार एवं मंगलवार को परिचालित की जायेगी । इसी तरह, गाड़ी सं. 03310 दिल्ली-धनबाद स्पेशल अब 14.12.2025 से 14.01.2026 तक सप्ताह में दो दिन प्रत्येक रविवार एवं बुधवार को परिचालित की जायेगी ।

कोनार पुल के पास यातायात विभाग की सघन वाहन जांच अभियान

हजारीबाग: कोनार पुल के समीप आज यातायात पुलिस द्वारा सघन वाहन जांच अभियान चलाया गया। इस विशेष चेकिंग अभियान में दोपहिया वाहन, चारपहिया वाहन, बस, टेंपो सहित सभी प्रकार के वाहनों को रोककर जांच की गई। चेकिंग के दौरान मुख्य रूप से हेलमेट, सीट बेल्ट, वाहन के वैध कागजात तथा नंबर प्लेट की स्थिति की जांच की गई। दोपहिया वाहनों पर बिना हेलमेट चलने वाले चालकों को रोका गया और उन्हें हेलमेट के महत्व के बारे में जागरूक भी किया गया। वहीं चारपहिया चालकों के लिए सीट बेल्ट जांच को अनिवार्य रूप से लागू किया गया। पुलिसकर्मियों की टीम ने मौके पर कई वाहनों के यातायात नियमों के उल्लंघन पाए जाने पर चालान भी काटे। कुछ वाहनों के दस्तावेज अधूरे पाए गए, जिसके लिए निर्देश देकर चालकों को वाहन सही कागजात के साथ पुनः आने को कहा गया। अधिकारीयों ने बताया कि इस अभियान का उद्देश्य सड़क सुरक्षा सुनिश्चित करना और दुर्घटनाओं में कमी लाना है। जांच अभियान के दौरान यात्रियों और स्थानीय लोगों से सुरक्षित ड्राइविंग अपनाने की अपील की गई।

स्वामी धर्मबंधु कॉलेज ऑफ एजुकेशन में छः दिवसीय व्याख्यान श्रृंखला का शुभारंभ

बिभा संवाददाता

हजारीबाग: स्वामी धर्मबंधु कॉलेज ऑफ एजुकेशन हजारीबाग में 08 दिसंबर 2025 से 13 दिसंबर 2025 तक शिक्षा में कृत्रिम बुद्धिमत्ता: शिक्षण और शैक्षिक नवाचारों को बढ़ावा देना विषय पर छः दिवसीय व्याख्यान श्रृंखला का शुभारंभ उत्साहपूर्ण वातावरण में किया गया। यह आयोजन आईक्यूएसी (आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ) के तत्वाधान में संपन्न हो रहा है। उद्घाटन समारोह में महाविद्यालय संस्थान निदेशक डॉ. नजीर अंसारी, कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रोफेसर डॉ. सादीक रज्जाक कुल सचिव, विनोबा भावे विश्वविद्यालय हजारीबाग एवं व्याख्यान माला के प्रथम दिन के मुख्य प्रवक्ता प्रोफेसर डॉ. मृत्युंजय प्रसाद की गरिमामयी उपस्थिति रही। मुख्य अतिथि कुल सचिव प्रोफेसर डॉ. सादीक रज्जाक, प्रोफेसर डॉ. मृत्युंजय प्रसाद, प्राचार्या डॉ. सारिका कुमारी, महाविद्यालय संस्थान निदेशक डॉ. मो० नजीर अंसारी एवं विभिन्न महाविद्यालयों से आए सहायक प्राध्यापकों के द्वारा संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित किया गया एवं कार्यक्रम का शुभारंभ महाविद्यालय के प्रशिक्षुओं द्वारा स्वागत गीत प्रस्तुत कर किया गया। इस व्याख्यान श्रृंखला का प्रमुख उद्देश्य प्रशिक्षणार्थियों और शिक्षकों को आधुनिक एआई तकनीकों से जोड़ना, शिक्षण-सीखने की प्रक्रिया में डिजिटल नवाचारों का समावेश करना तथा शिक्षा के भविष्य की रूपरेखा को समझाना है।उद्घाटन दिवस के सत्र में मुख्य अतिथि प्रोफेसर डॉ. सादीक रज्जाक कुल सचिव, विनोबा भावे विश्वविद्यालय हजारीबाग ने शिक्षा में एआई की आवश्यकता डिजिटल शिक्षण तकनीकें आधुनिक शिक्षण उपकरणों का उपयोग, तथा शिक्षा के क्षेत्र में तकनीक की बदलती भूमिका पर विस्तृत मार्गदर्शन दिया। आगामी दिनों में विभिन्न संसाधन व्यक्ति एआई आधारित मूल्यांकन प्रणाली, स्मार्ट क्लासरूम, व्यक्तिकृत अधिगम मॉडल, भविष्य की शिक्षा संरचना और शैक्षिक नवाचारों पर अपने विचार प्रस्तुत किया जाएगा। मुख्य प्रवक्ता प्रोफेसर डॉ मृत्युंजय प्रसाद ने सभी सहायक प्राध्यापकों एवं प्रशिक्षुओं को प्रेरित करते हुए कहा कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता आज शिक्षा जगत में परिवर्तन का प्रमुख माध्यम बन रही है और शिक्षकों का तकनीकी दक्ष होना समय की आवश्यकता है, शिक्षा में कृत्रिम बुद्धिमत्ता के प्राथमिक स्तर, द्वितीय स्तर एवं उच्चतर स्तर पर विस्तार रूप से चर्चा किए साथ ही साथ इसके साकारात्मक एवं नाकारात्मक पहलूओं पर प्रकाश डालते हुए कहा कि शिक्षा में कृत्रिम बुद्धिमता का प्रयोग बहुत सावधानी के साथ करें !महाविद्यालय संस्थान निदेशक डॉ. मो. नजीर अंसारी ने इस आयोजन को महाविद्यालय के गुणवत्ता संवर्द्धन की दिशा में महत्वपूर्ण पहल बताया। प्राचार्या डॉ. सारिका कुमारी ने व्याख्यान श्रृंखला को प्रशिक्षुओं के लिए अत्यंत लाभकारी बताते हुए इसके सार्थक परिणामों पर विश्वास व्यक्त किया।प्रथम दिन के व्याख्यान श्रृंखला का मंच संचालन सहायक प्राध्यापक डॉ. दीपिका कुमारी एवं मुख्य प्रवक्ता का सम्पूर्ण परिचय तथा धन्यवाद ज्ञापन सहायक प्राध्यापक मनोज कुमार के द्वारा किया गया।

बिहान भारत की ओर से स्वात्वाधिकारी प्रकाशक एवं मुद्रक संजय कुमार के लिए वाटिका आपार्टमेंट,भोसले गली,हरिहर सिंह रोड,बरियातु,रांची-834009(झारखंड) दूरभाष: 7761060594, 7004767601 से प्रकाशित तथा शिवा साई पब्लिकेशन प्रा.लि. (एसएच प्रिंटर प्रा.लि.), काठीटांड रातु, नियर टेंडर बगीचा, एचपी पेट्रोल पंप, रातु, रांची - 835222 झारखंड से मुद्रित। समस्त दीवानी विवाद, न्यायोचित कार्रवाई एवं दंडित परिवादो के लिए क्षेत्राधिकार रांची न्यायालय में रहेगा। संपादक : कविता साहू(*पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार) । प्रबंध संपादक : बीरेन्द्र महली ।
Email-bihanbharat@gmail.com, bihanbharatranchinews@gmail.com